राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 179 पटना (बिहार) गुरुवार, 01 मई 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

हमने कहा था कि जातिगत जनगणना करवा कर रहेंगे: राहुल गांधी

दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के जनगणना के साथ जातीय जनगणना कराने के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का विजन है, जिसे सरकार ने अपनाया है। राहुल गांधी ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए जातीय सर्वे को एक मॉडल बताते हुए इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने के लिए ब्लू प्रिंट के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, हम इस फैसले का समर्थन करते हैं और जानना चाहते हैं कि यह कब होगा। तेलंगाना एक मॉडल बना है, जो ब्लू प्रिंट बन सकता है। जातीय जनगणना को डिजाइन करने में हम सरकार को पूरी तरह मदद करेंगे।राहुल गांधी का सरकार से सवाल :राहुल गांधी ने केंद्र सरकार के जातीय जनगणना के फैसले को कांग्रेस के कैंपेन का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, ये हमारा विजन है, जिसे सरकार ने अपनाया है। हमारे कैंपेन का असर हुआ है। हमने संसद में कहा था कि हम जातीय जनगणना को लागू कराएंगे। उन्होंने सरकार से इसकी समयसीमा पर स्पष्टता मांगी और सवाल किया, हम सरकार से पूछना चाहते हैं कि इसकी टाइमलाइन क्या है? कब और कैसे जातीय जनगणना लागू होगी? इसके साथ ही, उन्होंने आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटाने की मांग उठाई, ताकि सामाजिक न्याय को और मजबूत किया जा सके। राहुल ने जोर देकर कहा कि यह कदम समाज के सभी वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व और अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण होगा। निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण :उन्होंने कहा कि हमने एक और बात कही थी, कांग्रेस ने एक और मुद्दा उठाया था, इसका उल्लेख घोषणापत्र में भी किया गया था , यह मुद्दा अनुच्छेद 15(5) के तहत निजी शिक्षा संस्थानों में आरक्षण का है. यह पहले से ही एक कानून है. हम चाहते हैं कि एनडीए-बीजेपी सरकार इसे लागू करना शुरू करे. सामाजिक न्याय की दिशा में पहला कदम :राहुल गांधी ने जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय की दिशा में पहला कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को समझने और नीतियां बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि तेलंगाना मॉडल के आधार पर राष्ट्रीय जनगणना को डिजाइन किया जाए, ताकि हर समुदाय की हिस्सेदारी और जरूरतों का सटीक आकलन हो सके। केंद्र सरकार का जातीय जनगणना का फैसला :मोदी सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए, 2026 में होने वाली जनगणना के साथ जातीय जनगणना कराने की घोषणा की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह आजादी के बाद भारत में पहली बार होगा जब राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना की जाएगी। सरकार का कहना है कि यह कदम सामाजिक न्याय और पिछड़े समुदायों के कल्याण के लिए उठाया गया है। हालांकि, सरकार ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह प्रक्रिया कब शुरू होगी और इसका

डिजाइन कैसा होगा। इस फैसले को बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक रूप से गेमचेंजर माना जा रहा है। इस बार भी जो जातिगत जनगणना करवाई जाएगी, सभी की नजर सिर्फ इस बात पर रहेगी कि ओबीसी कितने प्रतिशत हैं। जातिगत जनगणना का इतिहास क्या है? :जातिगत जनगणना की शुरुआत अंग्रेजों के समय से हो गई थी। सबसे पहले साल 1931 में जाति जनगणना करवाई गई थी। अंग्रेजों के दौर में तो वैसे भी हिंदुस्तान के लोगों को जाति के आधार पर ही देखा जाता था. ऐसे में तब ऐसी किसी भी जनगणना को होना काफी आम बात थी। वैसे एक बात तो तब भी तय कर दी गई थी, हर 10 साल में जातिगत जनगणना करवाई जाएगी। ऐसे में 1941 में भी इस प्रक्रिया को किया गया, लेकिन तब आंकड़े सामने नहीं रखे गए। तर्क दिया गया कि जाति आधारित टेबल तैयार नहीं हो पाई, ऐसे में आंकड़े भी जारी नहीं हुए। फिर देश आजाद हुआ और 1951 में फिर जाति जनगणना करवाई गई। वहां पर पहली बार बड़ा खेल हुआ, इतने बड़े वर्ग में ओबीसी वर्ग को शामिल नहीं किया गया। सिर्फ अनुसूचित और अनुसूचित जनजातियों को जनगणना में रखा गया। 2011 तक ऐसे ही चलता रहा, जनगणना तो हुई लेकिन ओबीसी वर्ग को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई। जातिगत जनगणना की अब क्यों जरूरत? :असल में देश में जब मंडल कमीशन लागू हुआ था, तब कहा गया था कि देश में ओबीसी वर्ग की आबादी 52 फीसदी है। लेकिन तब वीपी सरकार जिस 52 फीसदी के आंकड़े तक पहुंची थी, उसका आधार 1931 का सेंसस था। ऐसे में उसे कितना सटीक माना जाए, यही सबसे बड़ा सवाल रहा। तर्क दिया गया कि देश में समय के साथ ओबीसी की आबादी भी बदल चुकी है, काफी ज्यादा बढ़ी भी है, ऐसे में 52 फीसदी का आंकड़ा कितना सही माना जाए? अब यह सवाल उन पार्टियों द्वारा सबसे ज्यादा उठाया गया जो चाहते थे कि जातिगत जनगणना करवाई जाए। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने एक फैसले में साफ कर दिया था कि सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकती है अब यहीं पर जाति जनगणना की बात करना जरूरी है। इसका विरोध करने वाले मानते हैं कि अगर ओबीसी की आबादी ज्यादा निकली तो 50 फीसदी की सीमा को भी तोड़ दिया जाएगा। कुछ का तर्क तो यह भी है कि ऐसे किसी भी सेंसस से देश में और ज्यादा बंटवारा हो जाएगा। जातिगत जनगणना से कोई फायदा? :जातिगत जनगणना का जो समर्थन करते हैं, उनका तो साफ मानना है कि एक सेंसस से पिछड़े-अति पिछड़े वर्ग के बारे में काफी कुछ पता चलेगा। उनकी शैक्षणिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक स्थिति को लेकर स्पष्टता आएगी। जब उन आंकड़ों में स्पष्टता आएगी तब सरकार भी उनके लिए और मजबूती के साथ नीतियां बना पाएगी। जरूरत पड़ने पर उनकी उचित सहायता भी की जा सकेगी। जाति जनगणना को लेकर बीजेपी की विचारधारा :बीजेपी की जाति जनगणना को लेकर विचारधारा बदलती रही है। जिस समय इस पार्टी का जन्म हुआ था, तब तो यह पूरी तरह ऊंची जातियों की कही जाती थी। ब्राह्मण और बनियों वाला तमगा तो इसके साथ मजबूती से जुड़ चुका था। लेकिन 1985 में पार्टी ने पहली बार अपनी विचारधारा में बदलाव किया। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने वाले एक प्रस्ताव को पास किया। उस समय माना गया कि बीजेपी समझ चुकी थी कि बिना अगड़ी जाति के राजनीति नहीं हो सकती। लेकिन बीजेपी का यह विचार भी लंबे समय तक नहीं टिका। राम मंदिर आंदोलन ने फिर उसे हिंदुत्व की राजनीति की ओर ढकेल दिया। तब कमंडल बनाम मंडल की राजनीति का आगाज हुआ। अब कई सालों तक बीजेपी ऐसे ही राजनीति करती रही, उसे हिंदुओं की कई जातियों का वोट तो मिला, लेकिन ओबीसी उससे दूर जाता गया।

एक नजर

बिहार के देवेन भारती बने मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर, कसाब को फांसी दिलाने में अहम रोल

क्राइम संवाददाता द्वारा

दरभंगा: दरभंगा के रहने वाले आईपीएस अधिकारी देवेन भारती मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर बनाए गए हैं. वे वर्तमान में कमिश्नर विवेक फणसालकर की जगह लेंगे. 35 साल की नौकरी के बाद फणसालकर आज यानी बुधवार को रिटायर हो रहे हैं. देवेन भारती बने मुंबई के पुलिस कमिश्नर: बिहार के 1994 बैच के आईपीएस अधिकारी देवेन भारती ने साल 2023 में मुंबई पुलिस के स्पेशल कमिश्नर के पद पर तैनात हैं. स्पेशल कमिश्नर का पोस्ट विपक्ष की आलोचना के बीच महायुति सरकार द्वारा बनाया गया था. मुंबई के 26/11 के आतंकवादी हमले में शामिल अजमल कसाब को फांसी दिलाने में उनका अहम रोल माना जाता है. देवेंद्र फडणवीस के करीबी हैं भारती: देवेन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाते हैं. पहली बार जब फडणवीस मुख्यमंत्री बने थे, उस वक्त देवेन भारती पुलिस में जॉइंट कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर तैनात थे. वे वर्तमान में एडीजी रैंक के अधिकारी हैं और अगस्त 2025 में उनका डीजी रैंक में प्रमोशन प्रस्तावित है. वे वर्ष 2028 में सेवानिवृत्त होंगे. दरभंगा के रहने वाले हैं देवेन: बिहार के दरभंगा से ताल्लुक रखने वाले भारती दरभंगा जिले के नगर थाना क्षेत्र के मिर्जापुर मोहल्ले के रहने वाले हैं. बताया जाता है कि देवेन भारती पांच भाई बहन में सबसे बड़े हैं. उनके तीन भाई हैं, जबकि सबसे छोटा एक भाई भी है. हालांकि, उनके माता पिता का निधन हो चुका है. आरएसएस से खास रहे शिक्षा : देवेन भारती की प्राथमिक शिक्षा दरभंगा में हुई. उन्होंने झारखंड से मैट्रिक किया है. इसके बाद दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से स्नातक की डिग्री हासिल की. उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि और बौद्धिक क्षमता ने उन्हें भारतीय पुलिस सेवा में प्रवेश के लिए प्रेरित किया. पांच साल खुफिया विभाग में भी सर्विस दी: साल 1998 से 2003 के बीच उन्हें खुफिया विभाग में भी सेवाएं दी. 29 साल के करियर में भारती ज्यादातर मुंबई शहर में पोस्टेड रहे. साल 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें कुछ महीने के लिए संयुक्त आयुक्त आर्थिक अपराध शाखा में ट्रांसफर कर दिया गया और बाद में महाराष्ट्र पुलिस के एटीएस प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था.

तेजस्वी यादव ने खुद छोड़े पटाखे, बोले- आखिर हम जीते, यह हमारे पुरखों की जीत

संवाददाता द्वारा

पटना: बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार के रुख पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे लालू यादव और अपनी पार्टी की बड़ी जीत करार देते हुए, कहा कि लंबे समय से राजद जातीय जनगणना की मांग उठा रही था। उनकी मांग को आखिरकार केंद्र सरकार ने मान ही लिया। तेजस्वी ने कहा कि अब अगली जनगणना में जातीय आधार पर भी आंकड़े जुटाए जाएंगे। इस दौरान पीएम मोदी पर भी तेजस्वी यादव ने तंज कसा। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह फैसला उनकी पार्टी की वर्षों की मेहनत और जनआंदोलन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को उनकी पार्टी की ताकत के सामने झुकना पड़ा है। तेजस्वी ने इसे बिहार की जनता की जीत बताया और कहा कि इससे स्पष्ट है कि जब कोई मुद्दा सही होता है, तो सरकार को झुकना ही पड़ता है। मीडिया से बात करते हुए, तेजस्वी ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले जो लोग जातीय जनगणना का विरोध कर रहे थे, आज उन्हीं के मुंह पर तमाचा पड़ा है। उन्होंने कहा कि चुनाव को देखते हुए अब इसके नेता बिहार में सक्रिय हो रहे हैं, जबकि पहले यही नेता जातीय जनगणना को नकारते थे। केंद्र सरकार ने जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया तो @yadavtejashwi ने इसे समाजवादी पुरखों की जीत बताया, कहा यह लालू यादव की जीत है। सुनिए क्या कह रहे हैं- #CasteCensus #TejashwiYadav #BiharElections pic.twitter.com/ayUCubY7ji तेजस्वी ने अपने पिता लालू यादव के योगदान को भी याद किया। उन्होंने बताया कि 26 जुलाई 2015 को लालू यादव ने राजभवन मार्च कर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। साथ ही उन्होंने कहा कि पार्टी 1996 से इस मांग को उठा रही है और दो बार विधानसभा में सर्वदलीय प्रस्ताव पास करवाया गया, जिसमें नीतीश कुमार भी साथ थे।राजद नेता तेजस्वी ने कहा कि जातीय जनगणना से सरकार के पास वैज्ञानिक आंकड़े आएंगे, जो भविष्य की योजनाएं और नीतियां बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने दोहराया कि जब तक डेटा वैज्ञानिक नहीं होगा, तब तक नीतियां भी अधूरी रहेंगी। तेजस्वी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने बयानों को याद दिलाते हुए उन पर तंज कसा। राजद नेता ने कहा कि पहले पीएम कहते थे कि देश में 'चार ही जातियां' हैं, लेकिन अब उन्हीं को जातीय जनगणना करवानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि यह उनकी पार्टी की नीति और जनदबाव का नतीजा है। बता दें, पीएम मोदी ने कई बार रैली में कहा था कि उनके लिए देश में चार ही जातियां हैं- नारी, युवा, किसान और गरीब। इनके उत्थान के लिए काम करना है। तेजस्वी ने इस दौरान अपने आवास पर पटाखे फोड़कर और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया।

डीएलएड की छात्रा ने फंदे लटक कर दे दी जान, एक सप्ताह पहले आई थी गांव से

क्राइम संवाददाता द्वारा

सीवान :सीवान में डीएलएड की एक छात्रा का शव फंदे से लटकता हुआ मिला' आसपास के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी ' सूचना मिलते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई ' घटना महादेवा थाना क्षेत्र के मालवीय नगर स्थित नई बस्ती की है ' मृतका की पहचान पूर्वी चंपारण जिले के कोटवा थाना क्षेत्र के गिलौड़िया गांव निवासी दाऊद राय का 20 वर्षीय पुत्री सुधा कुमारी है' घटना के संबंध में मृतक के चाचा ने बताया कि सुधा सीवान में रहकर डाएट में डीएलएड की पढ़ाई करती थी' साथ ही वहीं एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ाती भी थी' मंगलवार को रात्रि 8:00 बजे परिजन सुधा के मोबाइल पर कॉल कर रहे थे, लेकिन मोबाइल लगातार बंद आ रहा था' इसके बाद पुनः सुबह में कॉल किया गया, लेकिन उस समय भी उसी तरह मोबाइल बंद था ' फिर दोपहर में मकान मालिक ने परिजनों को फोन पर बताया कि सुधा का दरवाजा अंदर से बंद है ' कई बार आवाज लगाने के बाद भी अंदर से कोई जवाब नहीं मिल रहा है ' फिर परिजन सीवान पहुंचे तो देखा कि उसे पुलिस शव को घेर रखा है ' उन्होंने यह भी बताया कि सुधा तकरीबन डेढ़ वर्षों से सजावन में रहकर पढ़ाई करती थी ' परिजनों का कहना है कि मुताबिक सुधा दुपट्टा के सहारे पंखे से लटकी हुई थी' जब हम लोग वहां पहुंचे तो पंखे में भी फंदा था और उसके गले में भी फंदा पाया गया, जिससे यह प्रतीत होता है कि सुधा ने आत्महत्या की है ' हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है' घटना के संबंध में थानाध्यक्ष निर्भय कुमार ने बताया कि फंदे से लटक कर एक युवती ने आत्महत्या की है' मामले की जांच की जा रही है'

बिहार की जातिगत गणना का आंकड़ा हो जाएगा बर्बाद? कैसे अलग होगी केंद्र की जातीय जनगणना

कुमार जितेंद्र ज्योति

सदन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का चक्कर लगाने के बाद बिहार में जातीय जनगणना हुई थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना को हरी झंडी दिखाई थी और महागठबंधन सरकार के सीएम रहते यह काम पूरा करा आंकड़े जारी किए थे। बिहार की जातीय जनगणना पर एनडीए और महागठबंधन में क्रेडिट-वार जारी है। जातीय जनगणना के आधार पर जातिगत आरक्षण बढ़ाया गया था, वह मामला हाईकोर्ट होते हुए सुप्रीम कोर्ट में है। और, अब केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने देशभर में जातीय जनगणना का एलान किया है। तो, क्या अब बिहार में हुई जातीय जनगणना का आंकड़ा बर्बाद जाएगा? यही नहीं, आरक्षण का मामला भी अब राष्ट्रीय जातीय जनगणना के नाम पर अटका रहेगा? यह सवाल एक झटके में उठे हैं, जिनका जवाब भी आज मोदी कैबिनेट फैसले में ही है। केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने का फैसला लिया है। राष्ट्रीय जनगणना 2011 के बाद से 2021 में होना था, लेकिन कोविड के दौर में इसकी बात दब गई। 2024 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार फिर बनी तो राष्ट्रीय जनगणना कराने की तैयारी शुरू हुई। जनगणना कब शुरू होगी, उस इंतजार के बीच अब यह घोषणा हुई है कि जातीय जनगणना भी साथ-साथ होगी। चूंकि इस बार केंद्र सरकार डिजिटल मोड में जनगणना कराने जा रही है तो जातिगत रिकॉर्ड भी साथ-साथ तैयार हो जाएगा। जहां तक अंतर की बात है तो सबसे पहला अंतर यही है कि जनगणना का अधिकार केंद्र सरकार के पास होता है और बिहार सरकार ने कोर्ट में बाकायदा हलफनामा दिया था कि बिहार में जातीय जनगणना नहीं कराई गई, बल्कि यह जातीय सर्वे था। चाणक्य स्कूल ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील

सदन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का चक्कर लगाने के बाद बिहार में जातीय जनगणना हुई थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना को हरी झंडी दिखाई थी और महागठबंधन सरकार के सीएम रहते यह काम पूरा करा आंकड़े जारी किए थे। बिहार की जातीय जनगणना पर एनडीए और महागठबंधन में क्रेडिट-वार जारी है।

सदन से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक का चक्कर लगाने के बाद बिहार में जातीय जनगणना हुई थी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री रहते नीतीश कुमार ने जातीय जनगणना को हरी झंडी दिखाई थी और महागठबंधन सरकार के सीएम रहते यह काम पूरा करा आंकड़े जारी किए थे। बिहार की जातीय जनगणना पर एनडीए और महागठबंधन में क्रेडिट-वार जारी है। जातीय जनगणना के आधार पर जातिगत आरक्षण

बढ़ाया गया था, कुमार सिन्हा कहते हैं- बिहार की उस जातिगत जनगणना का आंकड़ा 2 अक्टूबर 2023 को जारी किया गया था। तब सर्वे की बात को दरकिनार कर उस आधार पर आरक्षण की सीमा बदली गई, जिसके कारण मामला हाईकोर्ट होकर सुप्रीम कोर्ट में अटका पड़ा है। दरअसल, सर्वे के दौरान बिहार के हर आदमी को जानकारी देने या जाति बताने की बाध्यता नहीं थी। इसलिए सरकार यह भी नहीं घोषित कर सकी कि उस जनगणना में सभी लोग शामिल हुए हैं और सभी जातियों के सभी लोगों का रिकॉर्ड है। दूसरी तरफ, जब केंद्र सरकार जनगणना कराती है तो नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर के लिए हर देशवासी को जानकारी देने की बाध्यता रहती है। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अरुण यादव कहते हैं कि केंद्र सरकार जातिगत जनगणना भी

एक नीतीश कुमार की अंतिम पारी, दूसरे नीतीश कुमार का आगाज

विशेष प्रतिनिधि द्वारा

अररिया: बिहार के अररिया जिले के नीतीश कुमार जेएनयू छात्र संघ के नए अध्यक्ष बने हैं. जिले के भरगामा प्रखंड के सेखपुरा गांव के रहने वाले नीतीश के घर पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है. परिवार के लोग खुश हैं कि उनका 'राजा' जेएनयू पर राज करेगा. वहीं चाचा और चचेरे भाई उत्साहित होकर कहते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी अंतिम पारी खेल रहे हैं. ऐसे में उनकी जगह लेने के लिए हमारा नीतीश तैयार हो चुका है. अररिया के रहने वाले हैं नीतीश कुमार: सेखपुरा गांव निवासी स्वर्गीय स्वामी राजबल्लभ यादव के पौत्र और प्रदीप यादव के बेटे नीतीश कुमार परिवार में तीसरे स्थान पर हैं. बहन और भाई उनसे बड़े हैं. नीतीश कुमार ने प्रारंभिक शिक्षा फारबिसगंज के सरस्वती शिशु मंदिर से प्राप्त की. इसके बाद 12वीं की पढ़ाई पूर्णिया कॉलेज और स्नातक की पढ़ाई बीएचयू से पूरी की है. वर्तमान में वह जेएनयू से पीएचडी कर रहे हैं. 26 वर्षीय नीतीश के पिता प्रदीप यादव एमएलडीएसकेपी कॉलेज के प्रोफेसर के रूप पदस्थापित हैं. उनकी माता पूनम देवी गृहिणी हैं. जिले के नरपतगंज के कमैली गांव में नीतीश का ननिहाल है. राजनीति में काफी दिलचस्पी: नीतीश के भाई के मुताबिक उनकी राजनीति में बहुत रुचि रही है. हालांकि पिता चाहते थे कि नीतीश पढ़-लिखकर आईएएस बनें लेकिन लगता है कि वह राजनीति में ही आगे जाएंगे. पढ़ाई में काफी तेज रहा है लेकिन जेएनयू में जाने के बाद उसकी दिलचस्पी राजनीति में बढ़ गई है. 'राज करेगा हमारा राजा': नीतीश कुमार की दादी भगुर देवी बार-बार मोबाइल पर पोते का भाषण सुनती हैं और खुश होती हैं. वे भावुक होकर कहती हैं, 'हमारा राजा बड़का कॉलेज का अध्यक्ष बना है. हमलोग बहुत खुश हैं. गुरुदेव महाराज की कृपा रही तो वह और आगे बढ़ेगा.' क्या बोले चाचा?: नीतीश के चाचा कहते हैं कि जब से पता चला है कि हमारा भतीजा जेएनयू के छात्र संघ का अध्यक्ष बना है, तब से आसपास के लोग लगातार हमारे घर पर आ रहे हैं. हमलोग बहुत खुश हैं. वे कहते हैं कि हमलोग उसे प्यार से 'राजा' कहकर बुलाते हैं. हमलोगों को उम्मीद है कि एक दिन अपने काम से वह सच में राजा बनकर दिखाएगा. हमलोगों के परिवार में सब लोग बहुत खुश हैं. मैं चाहता हूं कि वह आगे बढ़े. नाम राजा है तो राजा वाला काम भी करके समाज में दिखाए.- दिलीप यादव, नीतीश के चाचा 'नीतीश कुमार की जगह लेगा हमारा नीतीश': वहीं, नीतीश के चचेरे भाई शानू यादव तो उनमें बिहार की राजनीति का भविष्य देखते हैं. वे कहते हैं कि क्या संयोग है कि एक तरफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उम्र हो रही है और वह अंतिम पारी खेलने वाले हैं तो वहीं हमारे नीतीश का आगाज हो रहा है. हमलोग तो यही मानकर चल रहे हैं कि वही आने वाले समय में सीएम नीतीश कुमार की जगह लेगा हमनीतीश कुमार जो बिहार में शासन कर रहे हैं, इनका समय और उम्र अब जाने वाला है. भगवान की महिमा देखिये कि एक नीतीश कुमार का उम्र जाने वाला है और दूसरे नीतीश कुमार का आगाज हो गया है. अभी देश के सबसे बड़े यूनिवर्सिटी का अध्यक्ष चुना गया है और आने वाले भविष्य बिहार पर राज करेगा. दूसरा नीतीश कुमार यही होगा.- शानू यादव, नीतीश के चचेरे भाई एबीवीपी को हराकर बने अध्यक्ष?: ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन यानी आइसा उम्मीदवार नीतीश कुमार उर्फ राजा ने जेएनयू छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है. उन्हें 1702 मत मिले, जबकि एबीवीपी की शिखा स्वराज को 1430 वोट मिले, वहीं स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) समर्थित तैयब्बा अहमद को 918 वोट मिले. कन्हैया भी बने थे अध्यक्ष: दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी में बिहार के छात्रों का पहले भी वर्चस्व रहा है. आइसा और डीएसएफ गठबंधन के समर्थन से अररिया के नीतीश कुमार ने इस बार जीत हासिल की है.

प्रधानमंत्री ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना के प्रमुखों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस तरह की बैठक आमतौर पर सीमा पर जवाबी कार्रवाई या ऑपरेशन की मंजूरी से पहले होती है। इसमें ऑप्शन, टाइम, टारगेट और मैसेज जैसे मसलों पर चर्चा होती है। न्यूज एजेंसी ढक्कके मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करे। प्रधानमंत्री ने यह बात मंगलवार को तीनों सेनाओं के प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ हाई लेवल मीटिंग में कही। यह बैठक डेढ़ घंटे से ज्यादा चली। पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी के शब्दों में गुस्सा और दृढ़ता साफ नजर आई।

5 ऐसे संकेत जिससे लग रहा कि इस बार पाकिस्तान को तगड़ी मार पड़ने वाली है

वरुण शैलेश

नई दिल्ली : कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को भारत ने बहुत गंभीरता से लिया है। इस बात को इससे भी समझा जा सकता है कि सरकार को देश में हर तरफ से समर्थन मिल रहा है। विपक्षी दलों ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने के लिए सरकार जो भी करेगी, हम उसके हर कदम के साथ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों सेना के साथ बैठक की और उन्हें कहा कि आप जैसे चाहें कदम उठाएं। पीएम मोदी की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत संग बैठक में यही संकेत मिला कि संघ भी आतंकवाद के खिलाफ सरकार के हर फैसले के साथ है। 22 अप्रैल को पहलगाम की बैसारन घाटी में 26 लोग मारे गए थे। ये सभी लोग वहां घूमने गए थे। इस हमले से पूरा देश हिल गया था। फिलहाल, हम उन 5 संकेतों को समझते हैं जिससे लग रहा है कि इस बार कुछ खास होने वाला है...

1. तीनों सैन्य प्रमुखों के साथ पीएम की हाई लेवल मीटिंग : प्रधानमंत्री ने थलसेना, वायुसेना और नौसेना के प्रमुखों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस तरह की बैठक आमतौर पर सीमा पर जवाबी कार्रवाई या ऑपरेशन की मंजूरी से पहले होती है। इसमें ऑप्शन, टाइम, टारगेट और मैसेज जैसे मसलों पर चर्चा होती है। न्यूज एजेंसी ढक्कके मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करे। प्रधानमंत्री ने यह बात मंगलवार को तीनों सेनाओं के प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ हाई लेवल मीटिंग में कही। यह बैठक डेढ़ घंटे से ज्यादा चली।

2. भूलने और माफ करने की नीति अब नहीं चलेगी-पीएम मोदी : पहलगाम हमले के बाद पीएम मोदी के शब्दों में गुस्सा और दृढ़ता साफ नजर आई। उनका कहना था कि हमारा धैर्य हमारी कमजोरी न समझें। यह वैसी ही भाषा है जैसी उन्होंने उरी और पुलवामा हमलों के बाद इस्तेमाल की थी- जिनके बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की थी। बीते रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री ने कड़ा संदेश दिया था।

3. कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की सक्रियता : पहलगाम हमले के बाद CCS की बैठक तुरंत बुलाई गई, जो कि युद्ध, आतंकी हमले या बड़ी सुरक्षा चुनौतियों के समय होती है। पिछले उदाहरणों जैसे सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट एयर स्ट्राइक में भी यही पैटर्न देखा गया था। यह संकेत है कि सरकार जवाबी कदम के लिए राजनीतिक हरी झंडी दे चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को सुबह फिर कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की मीटिंग करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर जैसे बड़े नेता इस मीटिंग में शामिल होंगे। खबरों में यह भी कहा गया है कि इसके बाद कैबिनेट कमेटी ऑन इकोनॉमिक्स अफेयर्स की मीटिंग भी हो सकती है। एक हफ्ते में यह दूसरी CCS मीटिंग है। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास, 7 लोक कल्याण मार्ग पर मुलाकात की थी। पहलगाम में हुए हमले के बाद सिक्योरिटी बहुत गंभीर है और लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है। CCS की मीटिंग में इस हमले से जुड़े कई अहम मुद्दों पर बात हो सकती है। सरकार देश की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह से सतर्क है।

4. मोदी-संघ प्रमुख की बैठक के संकेत भी समझिए : प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत के बीच मंगलवार को बैठक हुई। आमतौर पर ऐसी बैठक राष्ट्रीय सुरक्षा या कड़े निर्णयों से पहले होती है। जब भी सरकार कोई बड़ा राजनीतिक या सैन्य फैसला लेने वाली होती है, संघ से विचार-विमर्श किया जाता है। यह संकेत देता है कि सरकार को कुछ बड़ी योजना है। इससे पहले, आरएसएस ने इस राष्ट्र की एकता और अखंडता पर हमला करार देते हुए दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। संघ ने कहा था कि सरकार को प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता और सांत्वना सुनिश्चित करनी चाहिए और इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को उपयुक्त सजा सुनिश्चित करनी चाहिए।

5. सर्वदलीय बैठक में विपक्ष को भरोसे में लिया : जब भी सरकार को लगता है कि राष्ट्रव्यापी एकता जरूरी है, तो वह सभी दलों को विश्वास में लेती है। विपक्ष से विचार-विमर्श का मतलब है कि देश की राजनीति से ऊपर उठकर कोई बड़ा कदम लिया जा सकता है, जिसकी जानकारी पहले से साझा की जा रही है। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक हुई। गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई नेता इसमें शामिल हैं। बैठक में सभी नेताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ सरकार के कदमों का समर्थन किया। सरकार ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति होगी।

अंबेडकर-अखिलेश वाले पोस्टर पर यूपी में सियासी उबाल, बीजेपी ने सपा के खिलाफ खोला मोर्चा

अजवेंद्र राजन शुक्ला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के होर्डिंग में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की आधी तस्वीर काटकर उसे हिस्से में अखिलेश यादव की तस्वीर लगाए जाने के मामले में उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने इस मामले में चौतरफा हमला बोल दिया है। योगी सरकार में मंत्री से लेकर सांसद-विधायकों ने इसे बाबा साहेब और उनके अनुयायियों का अपमान बताया। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी संगठन की तरफ से आज पूरे प्रदेश में लखनऊ सहित सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान कर दिया गया है। मामले में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती भी भड़की हुई हैं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस इस बात का विशेष ध्यान रखें कि बाबा साहेब का अपमान न हो वर्ना तो बीएसपी इनके खिलाफ सड़कों पर उतर सकती है। दरअसल लखनऊ में समाजवादी पार्टी दफ्तर के सामने एक पोस्टर लगाया था जिसमें एक तरफ में आधा चेहरा बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर का है, जबकि आधा चेहरा अखिलेश यादव का दिखाया गया है। इस पोस्टर को लेकर बवाल मच गया। बीजेपी सरकार में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण, विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल, राज्य सभा सदस्य बृजलाल, बीजेपी विधायक मीनाक्षी सिंह और प्रो. श्याम बिहारी लाल समेत कई नेताओं ने घेराबंदी की है। बीजेपी के तमाम नेताओं ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के कृत्य को बेहद शर्मनाक बताया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर पोस्ट किया है, भारतीय संविधान के निर्माता परमपूज्य बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का अपमान कतई न किया जाए। खासकर सपा व कांग्रेस को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए, वरना बीएसपी इनके विरुद्ध सड़कों पर भी उतर सकती है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने होर्डिंग पर कहा, ये सपा की दूषित मानसिकता है। बाबा साहेब का जिस तरह से इन लोगों ने अपमान किया है इसको देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी और समय आने पर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई बार समाजवादी पार्टी के नेता बाबा साहेब का अपमान कर चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में बाबा साहेब के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज और बाबा साहेब की पत्नी रमाबाई अंबेडकर के नाम से बने जिले कानपुर देहात से भी रमाबाई अंबेडकर का नाम हटाया था। अंबेडकर के प्रति सपा की घृणा पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित हो रही है। उन्होंने पोस्टर लगाने वाले के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की बात भी कही। वहीं यूपी सरकार में समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण ने कहा कि यह एक कानूनी जुर्म के साथ बाबा साहेब के अनुयायियों की आस्था पर कुठाराघात है। ये हम सभी को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। हम सभी इसकी निंदा करते हैं। मंत्री ने कहा कि अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को खत्म कर दिया था। उन्होंने सारे महापुरुषों का अपमान किया है। इसे जनता कभी भी नहीं भूलेगी। वहीं विधान परिषद सदस्य डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि हम अंबेडकरवादी लोग बाबा साहेब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अखिलेश यादव का कुल खुद दलित विरोधी है। उन्होंने अपने शासनकाल में दलित कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई, जिससे लाखों दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा। दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है। बाबा साहेब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाकर ये सिद्ध कर दिया कि वो बाबा साहेब से बड़े हो गए हैं। सपा के लोग बाबा साहेब के बराबर है, लेकिन उनके इस कृत्य से दलित समाज न सिर्फ आहत है बल्कि इसे अखिलेश द्वारा जानबूझकर बाबा साहेब का अपमान किया जाना मान रहा है। राज्य सभा सदस्य बृजलाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने ये जो पोस्टर लगाया है और पोस्टर के माध्यम से अखिलेश यादव अपने आपको बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बराबर समझ रहे हैं, जबकि अखिलेश यादव बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के पैरों की धूल भी नहीं हैं। उनको इस हरकत पर उत्तर प्रदेश की जनता माफ नहीं करेगी। बीजेपी विधायक मीनाक्षी सिंह ने कहा, "समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का फोटो आधा काटकर लगाया गया जोकि बहुत ही निंदनीय है। समाजवादी पार्टी हमेशा पीडीए की बात करती है और दूसरी तरफ इस पार्टी के कार्यकर्ता बाबा साहेब का आधा फोटो लगाकर उनका अपमान करते हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव इस कृत्य पर मौन धारण किये हुए हैं। इसका सीधा अर्थ है कि बाबा साहेब के इस अपमानजनक कृत्य में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की पूरा सहमति है। मैं अखिलेश यादव से मांग करती हूं कि वो इस अक्षम्य कृत्य के लिए माफी मांगें।" उधर भारतीय जनता पार्टी ने भी इस मुद्दे पर आक्रामक रुख अपना लिया है। भारतीय जनता पार्टी बुधवार को विरोध में प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने ऐलान किया है कि सपा द्वारा किये गए बाबा साहेब के अपमान के विरोध में बुधवार 30 अप्रैल 2025 को भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता अनुसूचित मोर्चा के नेतृत्व में जिला मुख्यालयों पर बाबा साहेब की प्रतिमाओं के समक्ष विरोध प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को सुबह 11 बजे अटल चौक स्थित बाबा के संविधान निर्माता बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

'पता नहीं अब अपने पति से दोबारा कब मिल पाऊंगी', सीआरपीएफ जवान की पत्नी मीनल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच रिश्ते में आई तल्खी का असर साफ नजर आने लगा है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहा था। इसी क्रम में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक जवान की पाकिस्तानी पत्नी को भारत छोड़कर वापस पाकिस्तान भेजा गया है। अधिकारी ने इस बात की जानकारी मंगलवार को दी है। अधिकारी ने बताया कि मीनल खान अपने पति मुनीर खान के साथ जम्मू में बाघा बॉर्डर के लिए रवाना हुई थी। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जवान से शादी की थी। एक मीडिया चैनल से बात करते हुए मीनल खान ने कहा, "जाहिर तो है कि यह सब जो कुछ हुआ है वह बहुत गलत है। जिसने भी यह सब किया है, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। मेरा दोनों देशों की सरकार से यही अपील है कि जिन लोगों की शादियां हुई है उनको वीजा दिया जाए। हमारी डेढ़-साढ़ महीने की दूर ना रहें। बच्चे भी अपनी नानी से दूर ना रह पाएं। इसके अलावा दूसरे वीजा ना दें। मीनल ने यह भी कहा कि वह अपने पति से जुदा हो रही हैं और पता नहीं अब दोबारा कब मिल सकेंगी। मीनल और मुनीर की दोस्ती सोशल मीडिया के जरिये हुई थी और बाद में दोनों ने एक-दूसरे से शादी रचा ली थी। सीआरपीएफ जवान मुनीर खान ने 24 मई 2024 को ऑनलाइन निकाह किया था। मार्च में ही मीनल पाकिस्तान से जम्मू में अपने ससुराल पहुंची थीं। घर पहुंचने पर वहां का ससुराल वालों ने पैसे दहेज के साथ स्वागत कर रिश्तेदारों को दावत दी थी। अब मीनल को पाकिस्तान की नागरिक होने की वजह से भारत से जाना पड़ रहा है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तानी लोगों के लिए सभी तरह की वीजा सेवाओं को रद्द कर दिया है। अभी तक 59 पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़ चुके हैं। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की समय सीमा तय कर भारत छोड़ देने के लिए कहा था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने यह भी घोषणा की थी कि पाकिस्तानी लोगों को अब सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की इजाजत भी नहीं दी जाएगी।

ब्यूरो

पहलगाम हमले के बाद मसूरी और अलीगढ़ में समुदाय विशेष से नफरत वाली घटनाएं हुई हैं। ऐसी घटनाएं घटने के कारण बढ़ रही हैं। सांप्रदायिक असहिष्णुता भारत के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। उत्तराखंड के मसूरी और उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में दो अलग-अलग घटनाओं ने देश में बढ़ती सांप्रदायिक असहिष्णुता और हिंसा की चिंताजनक स्थिति को पेश किया है। मसूरी में दो कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर कुछ स्थानीय लोगों ने कथित तौर पर हमला किया था, जिसके बाद 16 विक्रेता डर और असुरक्षा के कारण अपने घर कश्मीर लौट गए। वहीं, अलीगढ़ में एक 15 वर्षीय नाबालिग लड़के पर हमला किया गया और उसे कथित तौर पर पाकिस्तानी झंडे पर पेशाब करने के लिए मजबूर किया गया। दोनों घटनाएं सामाजिक एकता और मानवीय मूल्यों पर गंभीर सवाल उठाती हैं। मसूरी की घटना के मामले में पुलिस ने कुछ उपद्रवियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मसूरी में दो कश्मीरी शॉल विक्रेताओं पर कुछ स्थानीय लोगों ने बेरहमी से हमला किया। पीड़ितों का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें गाली-गलौज की। उनकी धार्मिक पहचान को निशाना बनाया और मारपीट की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद देहरादून पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, इस घटना ने

नफरत का बाजार : मसूरी में कश्मीरी शाल वाले पलायन को मजबूर, अलीगढ़ में भी क्रूरता

मसूरी में मौजूद अन्य कश्मीरी विक्रेताओं के मन में डर पैदा कर दिया। एक पीड़ित विक्रेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हम यहां सालों से शॉल बेच रहे हैं। हमारा काम ईमानदारी से जीविका कमाना है, लेकिन इस बार हमें अपमानित किया गया। कोई हमारे लिए नहीं खड़ा हुआ। इस घटना के बाद, 16 कश्मीरी शॉल विक्रेता, जो मसूरी में मौसमी व्यापार करते थे, अपने परिवारों के साथ कश्मीर वापस लौट गए। स्थानीय व्यापारियों और निवासियों का कहना है कि यह घटना मसूरी जैसे शांत और पर्यटक-केंद्रित शहर के लिए शर्मनाक है। कुछ लोगों ने इसकी निंदा की, लेकिन कई विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें अब वहां सुरक्षित महसूस नहीं होता। सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी रमेश सिंह ने कहा, यह सिर्फ दो लोगों पर हमला नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक एकता पर हमला है। हमें सभी समुदायों के साथ सम्मान और भाईचारे से रहना चाहिए। देहरादून पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अतिरिक्त सुरक्षा उपायों की घोषणा की है। पुलिस अधीक्षक ने कहा, हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, और हम सुनिश्चित करेंगे कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। पुलिस ने कुछ लोगों को इस मामले में गिरफ्तार भी किया है। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक और दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 15 वर्षीय लड़के पर कुछ लोगों ने हमला किया और उसे कथित तौर पर पाकिस्तानी झंडे पर पेशाब करने के लिए मजबूर किया। पुलिस के अनुसार, यह घटना सांप्रदायिक नफरत से प्रेरित थी, और हमलावरों ने लड़के को धार्मिक पहचान को निशाना बनाया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है और जांच शुरू कर दी है। पीड़ित लड़के के परिवार ने बताया कि इस घटना से वह गहरे सदमे में है और बच्चे को मनोवैज्ञानिक सहायता की जरूरत है। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस ने शुरू में मामले को गंभीरता से नहीं लिया, लेकिन जब मामला मीडिया में उजागर हुआ, तब कार्रवाई शुरू हुई। अलीगढ़ के पुलिस अधीक्षक ने एक बयान में कहा, "हम इस मामले की गहन जांच कर रहे हैं। यह एक गंभीर अपराध है, और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि पीड़ित को न्याय मिले। सामाजिक संगठनों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने इस घटना की कड़ी निंदा की है और इसे बच्चों के खिलाफ हिंसा का परिणाम बताया है। इन दोनों घटनाओं ने देश में बढ़ती सांप्रदायिक असहिष्णुता और अल्पसंख्यक समुदायों के प्रति हिंसा के मुद्दे को फिर से चर्चा में ला दिया है। मसूरी की घटना में कश्मीरी विक्रेताओं का कहना है कि उन्हें न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी अपमानित किया गया। वहीं, अलीगढ़ की घटना एक नाबालिग के साथ क्रूरता का उदाहरण है, जो समाज में बढ़ती नफरत की मानसिकता को दर्शाती है। मानवाधिकार कार्यकर्ता शबनम हाशमी ने कहा, ये घटनाएं समाज में गहरे तक फैली नफरत के बीज को दिखाती हैं। हमें शिक्षा, जागरूकता और सख्त कानूनी कार्रवाई के माध्यम से इस प्रवृत्ति को रोकना होगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं और पीड़ितों को त्वरित न्याय दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

मांडर, किसान समृद्धि योजना के तहत 23 किसानों के बीच चलंत सोलर सिंचाई पंप का वितरण

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर- प्रखंड मुख्यालय में बुधवार को प्रमुख निर्मला सहाय एक्का ने किसान समृद्धि योजना के तहत 23 किसानों के बीच चलंत सोलर सिंचाई पंप का वितरण किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि 90 प्रतिशत अनुदान पर किसान समृद्धि योजना के तहत मिलने वाली चलंत सोलर सिंचाई पंप सेट से किसानों को काफी लाभ होगा. किसान बिना बिजली के भी इस चलंत सोलर सिंचाई पंप से कहीं पर भी अपने खेत में फसल को सिंचाई कर सकेंगे. प्रखंड प्रमुख ने इस योजना से चलंत सोलर पंप लेने की जानकारी भी उपलब्ध करायी. मौके पर उप प्रमुख अमानत अंसारी, अर्जुन महतो, बीटीएम गोपाल महतो, नसीम अंसारी सहित लाभुक किसान मंगरा उरांव, दीपक मिंज, मालती देवी, कमला उरांव, असलम अंसारी आदि उपस्थित थे।

वनांचल महाविद्यालय, टंडवा में वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर हुई कार्यशाला आयोजन

दिव्य दिनकर: संवाददाता

टंडवा-चतरा: वनांचल महाविद्यालय टंडवा में वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि सिमरिया विधानसभा के विधायक कुमार उज्जवल उपस्थित हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ संजय नारायण दास ने एवं संचालन भारतीय जनता युवा मोर्चा चतरा के सुमन सौरभ ने की, कार्यक्रम में ईश्वर दयाल पांडेय, प्रोफेसर रामदेव पासवान राष्ट्रीय सेवा योजना के डॉक्टर प्रमोद कुमार पाठक, प्रोफेसर नवल किशोर प्रसाद आदि ने अपने विचार रखे। एन एस एस के छात्र-छात्राओं में बिजली महतो, रूपा कुमारी, स्वाति कुमारी, ने भी वन नेशन वन इलेक्शन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में इस विषय पर प्रकाश डालते हुए विधायक कुमार उज्जवल ने वन नेशन वन इलेक्शन से देश को होने वाले फायदे के विषय में बताया, सुमन सौरभ ने भी इस विषय पर अपने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के शासी निकाय के सचिव अवधबट पांडेय ने भी अपने संबोधन में विस्तार से एक राष्ट्र एक चुनाव पर प्रकाश डाला। सर्वाधिक छात्र- छात्राओं के साथ-साथ क्षेत्रीय नेताओं की आदरपूर्ण उपस्थिति रही। मौके पर प्रमोद सिंह, रामचंद्र साहू, डॉ नवल कुमार, प्रोफेसर प्रतिमा शरण, प्रोफेसर मनोहर चौबे, प्रोफेसर मनोज पांडेय, डॉ नवल कुमार, प्रोफेसर अंसार उल हक, सहायक छोटन राम, सहायक भुनेश्वर रजक, बालकृष्ण कुमार, राजेंद्र गंझू मौजूद थे।

अनियमितताओं के आलोक में 11 क्रशर यूनिट को अगले आदेश तक किया गया सील

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, क्षेत्रीय पदाधिकारी, प्रदूषण नियंत्रण पर्षद, दुमका के संयुक्त जाँच दल के नेतृत्व में पाकुड़ अंचल अंतर्गत विभिन्न मौजा में स्थापित क्रशर यूनिट का औचक निरीक्षण किया गया। औचक निरीक्षण के क्रम में पायी गयी अनियमितताओं के आलोक में 11 क्रशर यूनिट को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक सील कर दिया गया।

सील किए क्रशर ससंचालकों का नाम

एम अली स्टोन वर्क्स, मोसलिम शेख, अकबर स्टोन वर्क्स, मेसर्स कमरुद्दीन शेख, मेसर्स टू स्टार स्टोन वर्क्स, यार मोहम्मद, मेसर्स निपुल शेख, मेसर्स नूर स्टोन वर्क्स, मेसर्स न्यू सूर्या स्टोन वर्क्स एवं मेसर्स अजहर इस्लाम के क्रशर को अगले आदेश तक सील कर दिया गया है। साथ ही बिजली का कनेक्शन भी काट दिया गया है।

तीन सेविका तथा एक सहायिका के सेवानिवृत्त पर विदाई समारोह का हुआ आयोजन

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:हिरणपुर पावरजानी स्थित हिरणपुर प्रखंड सभागार में आंगनबाड़ी सेविकाओं की बैठक हुई जिसमें तीन सेविका तथा एक सहायिका का सेवानिवृत्त विदाई प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सीडीपीओ टुडू दीलिप के द्वारा बुके तथा शॉल भेंट कर की गई। सेवानिवृत्त सेविका में सालोमी हेम्ब्रम, पेखरिया, कलमदिना हेम्ब्रम, बड़ा बलरामपुर, सरला मराण्डी, रामारिया एवं एक सहायिका कौशल्या देवी, सीतपहाड़ी ने अपने कार्यकाल पर प्रकाश डालते हुए बतायी की 1992 में योगदान के समय 225 रूपए प्रतिमाह मानदेय मिलता था। 1987 से वे कार्य प्रारंभ किए जिसमें 5 वर्ष अवैतनिक कार्य किया। महिला पर्यवेक्षिका टुम्पा मुनी मुर्मू एवं चंचली शर्मा ने बारी-बारी से इनके सेवानिवृत्त पर इनसे जुड़े बातों को सभी के समक्ष रखी। बीडीओ सह सीडीपीओ टुडू ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य एवं सेवा में बहुमूल्य समय एवं कार्यालय में इनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दी।

विद्या की देवी मां सरस्वती जी के नवनिर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूमधाम से संपन्न हुई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - विद्या की देवी मां सरस्वती जी का नव निर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा समारोह धूमधाम से संपन्न हुई इस समारोह की अध्यक्षता गुरुकुल पब्लिक स्कूल (जतरामैदान, दयालनगर, सिरकाटोड़) के निदेशक रमेश सिंह सोलंकी ने किया प्रसिद्ध पुजारी रवि शास्त्री जी ने मूर्ति का अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, महाआरती कर सरस्वती माता जी के मूर्ति का प्राण प्रतिष्ठा कराया उसके बाद महाभंडारा का आयोजन हुआ। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चे रंगारंग धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस समारोह में अतिथि के रूप रांची के सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, राज्यसभा सांसद महुआ मांझी, विधायक रांची सी.पी.सिंह, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, अल्पसंख्यक आयोग (झारखंड स्टेट माइनॉरिटीज कमीशन) के उपाध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा), ज्योति सिंह मथारू, विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार डेगवाल, नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अभिषेक कुमार रामाधीन, समाजसेवी राघवेन्द्र सिंह, अंकशास्त्री अभिषेक पांडे, वाणिज्यकर पदाधिकारी रांची नवीन प्रसाद साहू, संत जेवियर्स कॉलेज रांची के व्याख्याता ईमाना चक्रवर्ती, भारतीय लोक कल्याण संस्थान के निदेशक चंद्रशेखर सिंह उर्फ नंदू जी, झारखंड उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता सोनाली भट्टाचार्य, छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच इनिर (छात्र क्लब हुए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, झारखंड रत्न डॉक्टर आर.के. हाजरा (कार्ड क्लास एक्यूपंक्चर स्पाईन स्पेशलिस्ट) उपस्थित थे इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से विद्यालय परिवार के प्रबंधक नीतू सिंह, स्वाभिमान सिंह सरस, रानी किंगर, कोमल जसूजा, अनिता राय, काजल चक्रवर्ती, तराना प्रिया, निशा शहदेव, विक्की घोष, पूनम प्रसाद, अंकिता डे सरकार, सुजाता तिवारी, मधु सिंह, रामप्रवेश दुबे, रिंकी पांडे, प्रीति कुमारी, मौसमी घोष, सोनू गोप, अर्जुन गोप, दीपक कुमार, अनीता टोप्पो, पम्मी ठाकुर, उषा वर्मा, लाली उरांव, निशा उरांव, नंदन कुमार, विराज कुमार, काव्या कुमारी, आदि।

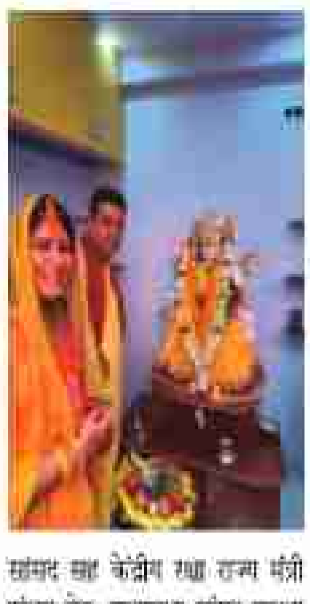

दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल मांडर मे एक राष्ट्र एक चुनाव से संबंधित एक सभा का आयोजन किया गया

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - आज दिन बुधवार को दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल मांडर के प्रांगण में एक राष्ट्र एक चुनाव के विचार से संबंधित एक भव्य सभा का आयोजन हमारे आदरणीय निदेशक डॉ राजेश दत्त द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आरंभ ज्योति प्रज्वलन की पारंपरिक प्रथा से किया गया तथा स्वागत गान से सभी अतिथि गणों का स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मांडर की पूर्व विधायिका श्रीमती गंगोत्री कुजूर ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा एक राष्ट्र एक चुनाव से संबंधित अपने विचारों को हमारे समक्ष रखा और सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा झारखंड प्रदेश की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती आरती कुजूर जी, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती आरती सिंह जी, भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती नेहा सिंह जी, भाजपा रांची जिला ग्रामीण महामंत्री श्री शशिकांत सिंह जी, भाजपा महिला मोर्चा की जिला की कर्मठ कार्यकर्ता श्रीमती प्रज्ञा भारती जी, श्रीमती अर्चना दत्ता जी तथा श्री राम बालक ठाकुर जी ने अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा अपने विचारों को सभी के समक्ष प्रस्तुत कर सभी का मार्गदर्शन किया तथा एक राष्ट्र एक चुनाव से होने वाले लाभों से सभी को अवगत कराया। मुख्य वक्ता के रूप में दयानंद आर्य विद्या पब्लिक स्कूल के निदेशक डॉक्टर राजेश दत्त ने इस संबंध में अपना दृष्टिकोण रखते हुए सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन सही रूप से करने में श्रीमती संगीता सिंह जी ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा कार्यक्रम का संचालन रेहाना बैग के द्वारा सुचारू रूप से किया गया। अंत में कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावक गण तथा अन्य अतिथियों ने एक राष्ट्र एक चुनाव के पक्ष में अपनी सहमति दर्ज कराई और श्रीमती प्रज्ञा भारती जी तथा डॉक्टर राजेश दत्त जी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

डीपीएस विद्यालय में प्रकृति की गोद में हरा रंग दिवस का उल्लासपूर्वक हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ की दिल्ली पब्लिक स्कूल की बाल वाटिका एवं प्री-प्राइमरी विभाग में बुधवार को हरा रंग दिवस का उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। इस विशेष दिन का उद्देश्य बच्चों को रंगों के महत्व से परिचित कराना और प्रकृति से जोड़ना था। छात्रों ने इस दौरान विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधों, फूलों और पत्तियों को देखा। इस अनुभव ने न केवल उनकी जिज्ञासा को बढ़ाया बल्कि उन्हें प्रकृति के प्रति संवेदनशील भी बनाया। छोटे बच्चों ने हरे रंग की पोशाक पहनकर विद्यालय प्रांगण को हरियाली से भर दिया। कक्षा को भी हरे रंग के गुब्बारों, पत्तियों, पौधों और अन्य सजावटों से सजाया गया। शिक्षिकाओं ने बच्चों को हरे रंग की वस्तुओं की पहचान कराई और उनसे जुड़ी जानकारी साझा की। बच्चों ने रंगीन गतिविधियों में भाग लिया, जैसे हरे रंग की चीजें पहचानना, पत्तियों की छपाई, ड्राइंग और क्राफ्ट वर्क। बच्चों को प्रकृति का सानिध्य प्रदान करने और पेड़ पौधों का महत्व समझाने के लिए विद्यालय में मौजूद पुष्प वाटिका और बगीचे की भी सैर कराई गई। बच्चों ने छोटे पौधे लगाकर हरता है तो जीवन हरे का संदेश भी दिया। विद्यालय प्रधानाचार्य जे के शर्मा ने जानकारी दी कि विद्यालय में संचालित इको क्लब के तत्वाधान में समय-समय पर प्रकृति से संबंधित कार्यक्रम होते रहते हैं इस प्रकार के आयोजन बच्चों में रंगों की समझ के साथ-साथ प्रकृति के प्रति प्रेम और जागरूकता बढ़ाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि यह दिन बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक और आनंददायक अनुभव लेकर आया।

उच्च विद्यालय बेलवरना में बच्चों को मिला बैग, खुश हुए बच्चे

देवगढ़ से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

मारगो/ प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय बेलवरना में बच्चों के बीच झारखंड सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए निःशुल्क बैग का वितरण किया गया। मुखिया प्रतिनिधि गौतम मंडल के द्वारा बच्चों के बीच बैग वितरण किया गया। श्री मंडल ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकार द्वारा बैग के अलावा निःशुल्क पुस्तकें, कॉपी, कलम, पेंसिल, यूनिफार्म दिया जाता है। सभी बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने का सुझाव दिया गया। बैग पाकर बच्चे काफी खुश दिखाई दे रहे थे। पहली से आठवीं कक्षा तक के 200 से अधिक बच्चों को बैग दिया गया। मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापक दिलीप कुमार राय, सहायक अध्यापक विश्वनाथ पंडित, ललन प्रसाद साह, राजेश्वर प्रसाद सिंह, अनिता सहाय, अनुराग सिन्हा, अध्यक्ष पिंकू कुमार यादव मौजूद थे।

श्री श्री फुलवंती माता की वार्षिक नगर पूजा धूमधाम से मनाया गया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। स्थानीय श्यामगंज रोड अवस्थित फुलवन्ती मंदिर में श्री श्री फुलवन्ती पूजा समिति द्वारा नगर कल्याण, एवं सुख-शांति हेतु श्री श्री फुलवन्ती माता की वार्षिक नगर पूजा धूमधाम, हर्षोल्लास व पूरे विधि-विधान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरे मन्दिर परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों को फूलों एवं रंग-बिरंगे लाईटोंसे भव्य रूप से सजाया गया। स्थानीय, कबूतर धर्मशाला परिसर में नगर कुमारी भोजन कराया गया। नगरवासी एवं भक्तों की भारी भीड़ देखी गयी। मौके पर हिन्दू विकास मंच (समग्र-भारत) के जिला अध्यक्ष प्रभाष गुप्ता ने मातारानी से भक्तों व नगरवासी के सुख-समृद्धि, शांति व कल्याण की कामना की।

वन नेशन वन इलेक्शन पर भाजपा ने एकदिवसीय कार्यशाला का किया आयोजन

दिव्य दिनकर:संवाददाता

टंडवा-चतरा। भारतीय जनता युवा मोर्चा चतरा जिला के द्वारा टंडवा के वनांचल कॉलेज में वन नेशन वन इलेक्शन पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें वनांचल कॉलेज की एनएसएस के स्वयं सेवी सक्रिय छात्र छात्राओं ने भारी संख्या में भाग लिया, सेमिनार का मुख्य मकसद युवाओं के बीच मेंर वन नेशन वन इलेक्शनके बारे में जन जागरूकता फैलाना और भारत सरकार से आग्रह करना की देश में एक टैक्स की तर्ज पर एक चुनाव हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुमन सौरभ एवं कार्यक्रम का संचालन विकास मालाकार ने किया तथा सुमन सौरभ ने विषय प्रवेश कराते हुआ उन्होंने कहा कि स्कूल और कॉलेज सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं चुनावी प्रक्रिया से एक राष्ट्र एक चुनाव होने से शिक्षक संस्थानों को लाभ होगा। क्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सिमरिया विधायक उज्जवल दास एवं कॉलेज के सचिव अवधबट पांडेय उपस्थित थे। सिमरिया विधायक ने संबोधन करते हुए कहा क्या चार संहिता होने के कारण काफी समय चुनावी प्रक्रिया में बर्बाद हो जाता है जिससे विकास कार्य बाधित होता है एक समय में एक बार चुनाव होने से समय की भी बचत होगी ज्यादा से ज्यादा विकास हो पाएगी। भाजपा वरिष्ठ नेता अवधबट पांडेय ने कहा कि चुनाव के समय में गाड़ियों का परिचालन बंद हो जाता है एक समय में चुनाव होने से लोगों के आने-जाने की सुविधा रहेगी। छात्रों के बीच बिजली महतो, आदित्य कुमार एवं रूपा कुमारी ने अपने विचार रखा।

स्टेज में मुख्य रूप से वनांचल कॉलेज के प्राचार्य सत्यनारायण दास, रामप्रवेश राम, प्रो अंसार उल हक, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार, ईश्वर पांडेय, प्रमोद सिंह, रामचंद्र गुप्ता, रवींद्र गुप्ता, सुखी गंझू, रामलाल महतो, संजय भोक्ता, आदर्श, रंजीत रजक व सैकड़ों लोग मौजूद थे।

आयुष जांच शिविर में 193 लोगों का स्वास्थ्य जांच किया गया

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़:अमड़ापाड़ा प्रखंड के गोरपाड़ा आंगनबाड़ी केंद्र, पाकुड़ प्रखंड के चंद्रपाड़ा, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रोड़मों, पाकुड़िया प्रखंड के चौकीसाल एवं फुलझिंझरी में आयुष विभाग की ओर से बुधवार को आयुष कैंप लगाकर कुल 193 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ० मिथलेश सिंह, डॉ०अमरेश कुमार, डॉ अबूतालिब शेख, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ वीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं डॉ० सौरभ विश्वास ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। हेल्थ कैंप के साथ साथ पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को पौष्टिक भोजन /संतुलित आहार /व्यायाम/ के बारे में भी बताया गया।

सरकारी चावल की कालाबाजारी से लेकर दहेज उत्पीड़न तक के मामले में हुई गिरफ्तारी

मुफस्सिल थाना पुलिस कई मामलों में अपराधियों को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ मुफस्सिल थाना पुलिस ने हाल के दिनों में अपराध नियंत्रण के तहत कार्रवाई करते हुए चार अलग-अलग संगीन मामलों में कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां हत्या की साजिश, जानलेवा हमला, सरकारी अनाज की कालाबाजारी और दहेज प्रताड़ना जैसे गंभीर अपराधों से जुड़ी हुई हैं। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर थाना प्रभारी ने लगातार छापेमारी अभियान चलाया ताकि फरार आरोपियों को भी शीघ्र पकड़ा जा सके। हत्या की साजिश और गंभीर धाराओं में तीन गिरफ्तार थाना कांड संख्या 23/2025 में वादी अली अहमद के आवेदन पर ग्राम ईलामी निवासी कौसरूल हक, सदीकुल आलम और साबीरूल शेख को गिरफ्तार किया गया है। इनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 316(2), 318(4), 126(2), 115(2), 118(1), 117(2), 109(1), 74, 352, 351(2) व 3(5) के तहत मामला दर्ज है। पुलिस ने बताया कि अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है। कोर्ट से लौटते समय वादी पर जानलेवा हमला, दो आरोपी गिरफ्तार थाना कांड संख्या 244/2024 के तहत वादी उसमान अली की शिकायत पर बानी इसराईल और नूर आलम, दोनों निवासी सितेशनगर, को गिरफ्तार किया गया है। दोनों पर आरोप है कि कोर्ट में गवाही देकर लौटते समय उन्होंने वादी पर चाकू से जानलेवा हमला किया। इस मामले में धारा 126(2), 115, 118(1), 109, 352 और 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। सरकारी चावल की कालाबाजारी का भंडाफोड़, एक गिरफ्तार, भारी मात्रा में चावल जब्त कांड संख्या 107/2025 के तहत प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी के प्रतिवेदन पर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिला निवासी हैदर अली को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर आरोप है कि वह सरकारी चावल की कालाबाजारी कर उसे बंगाल ले जा रहा था। पुलिस ने मौके पर एक टोटो में लदे छह बोरे में करीब चार क्विंटल चावल बरामद किया है। इस मामले में नामजद डीलर मनीरूल हक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा में पांच आरोपी गिरफ्तार कांड संख्या 87/2025 में एक महिला वादी की शिकायत पर हाजिकुल शेख, जहाँनारा बीबी, अब्दुल शेख, समसेदा बीबी और साकिकुल शेख, सभी निवासी चंद्रपाड़ा को गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 498अ, 494, 341, 323, 313, 504, 506, 34, दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 और मुस्लिम महिला विवाह संरक्षण अधिनियम-2019 की धारा 3/4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पाकुड़ पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है और साथ ही फरार अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर हुई उच्चस्तरीय बैठक, सेहिस पोर्टल प्रशिक्षण को मिली प्राथमिकता

साहिबगंज: जिले में सरकारी अनारक्षित स्वास्थ्य बीमा योजना के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता विकास आयुक्त सतीश चंद्र ने की। बैठक में राज्य स्वास्थ्य समिति, रांची द्वारा भेजे गए निर्देशों के आलोक में जिले के सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के प्रशिक्षण और पंजीकरण व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। बैठक में निर्देश दिया गया कि जिले के सभी ड्राइंग एंड डिसबर्सिंग ऑफिसर (डीडीओ) एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों के लिए सेहिस पोर्टल से संबंधित उन्नत ऑनलाइन प्रशिक्षण अनिवार्य होगा। यह प्रशिक्षण नामित मास्टर ट्रेनरों द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संपन्न कराया जाएगा। मास्टर ट्रेनरों के रूप में संदीप कुमार (डीपीओ, युआईडी), हिना गौरव बरनवाल (डीपीएम, एनएचएम), रोहित दुबे (प्रोजेक्ट मैनेजर), कुमार हर्ष (जिला शिक्षा अधीक्षक) एवं अभिजीत शर्मा (मिट्टी रसायनज्ञ) को नामित किया गया है। इन प्रशिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे डीडीओ एवं कंप्यूटर ऑपरेटरों को पूरी दक्षता के साथ प्रशिक्षण प्रदान करें ताकि पोर्टल संचालन में कोई तकनीकी बाधा उत्पन्न न हो। उप विकास आयुक्त ने कहा कि इस प्रयास से जिले में स्वास्थ्य बीमा योजना के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और कार्यकुशलता बढ़ेगी तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सकेगा। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, भू-अर्जन पदाधिकारी भुनेश्वर कुमार दास, जिला आपूर्ति पदाधिकारी कुंदन कुमार सिंह, श्रम अधीक्षक वीरेंद्र नाथ भारती, सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत कई अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लंबे समय से मामले में फरार चल रहे वारंटी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़। मोहनपुर थाना कांड संख्या- 68/2016 तथा माननीय न्यायालय के जी. आर. संख्या 366/2016 के अंतर्गत वांछित गैर-जमानती वारंटी बाबुल मंडल, पिता स्वर्गीय साधीन मंडल, निवासी बाड़िग्राम, थाना मालपहाड़ी ओ.पी., जिला पाकुड़ को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बाबुल मंडल लंबे समय से मामले में फरार चल रहे थे। विशेष छापेमारी अभियान के तहत उन्हें उनके गांव से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद उन्हें स्थानीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध दर्ज मामले की कानूनी प्रक्रिया पूर्व से लंबित थी और लगातार प्रयास के बाद आज गिरफ्तारी संभव हो सकी है।

प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस जिला महासचिव ने प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़/पाकुड़िया प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को कांग्रेस जिला महासचिव सह प्रखंड पर्यवेक्षक अर्वेंदु शेखर गांगुली ने प्रखंड कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। जिसमें खासतौर पर आगामी 6 मई को झारखंड कांग्रेस द्वारा रांची में आयोजित संविधान बचाओ कार्यक्रम पर चर्चा एवं प्रखंड कमेटी का चुनाव किया गया साथ ही संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा करते हुए जरूरी दिशा निर्देश दिया। जिला महासचिव श्री गांगुली ने कार्यकर्ताओं से कहा कि प्रदेश स्तर से लेकर विधानसभा और जिला स्तर पर भी संविधान बचाओ रैली करना है जिसमें अधिक से अधिक संख्या में पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को शामिल होना है प्रखंड अध्यक्ष इस्लाम मियां ने कहा कि इस बैठक में रैली को सफल बनाने पर विशेष रूप से जोर दिया गया। साथ ही प्रखंड कांग्रेस कमेटी में ओबीसी, एसटी, एससी सहित अन्य से महासचिव एवं उपाध्यक्ष का चुनाव से संपन्न किया गया है उन्होंने कहा कि रैली के दौरान हर कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और लोगों को संविधान के बारे में बताएंगे। देश के लिए, देश की जनता के लिए संविधान क्यों जरूरी है, इसके बारे में जानकारी देंगे। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष इस्लाम मियां, उपाध्यक्ष नकुल राम, स्टीफन मरांडी, मुस्तकीम अंसारी, मैनुद्दीन अंसारी, कमाल अंसारी, आसी अहमद सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने शीतल जल प्याऊ का उद्घाटन किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच देवघर शाखा के द्वारा शहर के विभिन्न मुख्य स्थान पर अस्थायी प्याऊ का उद्घाटन किया और राह चलते हुए व्यक्ति को ठंडा पानी पिलाया गया. यह अनुष्ठान गरमी भर चलेगी कार्यक्रम को सफल बनाने में रोहित सुल्तानिया अमरदीप शर्मा आलोक अग्रवाल नवीन मोदी केशव चौखानी अभिषेक सिंघानिया गौरव अग्रवाल प्रसून सुल्तानिया आनंद झुनझुनवाला अक्षय केडिया पुष्प सिंघानिया निशित तमाकोरिया रितेश पेसवीवाल विवेक अग्रवाल एवं मानिक डालमिया निम्नलिखित सदस्यों की उपस्थिति रही

हनुमान जी प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा विधिवत किया गया

मंझरी-झारखंड बिहार के सीमा के एन एच 80 स्थित हाजीपुर फौजदारी में पंचमुखी हनुमान जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हाजीपुर फौजदा-री निवासी स्व. विष्णुदेव ओझा के स्मृति में उनके दत्तक पुत्र उमाशंकर मिश्रा उर्फ बुटुल मिश्रा एवं उनकी धर्मपत्नी कुमकुम देवी द्वारा आयोजित पंचमुखी हनुमान जी की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा विधिवत बनारस से आए आचार्य त्रिलोकी नाथ झा एवं गोपाल पांडेय व सात पंडितों द्वारा देवी-देवताओं को मंत्रोच्चार कर आवाह कर विधि विधान के साथ पंचमुखी वीर बजरंगबली जी की प्राण-प्रतिष्ठा किया गया। इस-के पूर्व सोलह पहर अखंड संकीर्तन आयोजित कर बुधवार को समापन किया गया वहीं देर संध्या तक भंडारा के तौर पर महाप्रसाद का वितरण किया गया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भंडारा में भोजन ग्रहण किया इस संबंध में बाटुल मिश्रा ने बताया कि यह समा-रोह तीन दिवसीय था कलियुग में हनुमान जी साक्षात दर्शनीय प्रभु है जो हर दुख पीड़ा को क्षण भर में हरण करते हैं सच्ची भक्ति से प्रभु हनुमान जी खुश होते हैं एवं मनोवांछित फल प्राप्त होता है उनकी मनोकामना पूर्ण हुई जिससे प्राण-प्रतिष्ठा कराया वहीं समाज व दुर्गा पूजा समिति के सदस्य व गणमान्य बुद्धिजीवी व्यक्तियों को आभार व्यक्त किया मौके पर डब्लू ओझा, शिवनंदन ओझा, विनोद पाण्डेय, लक्ष्मण पांडेय हाजीपुर फौजदारी दुर्गा मंदिर समिति के अध्यक्ष बंटी यादव, सचिव चंद्रशेखर यादव, कोषाध्यक्ष दीपक यादव, उप-कोषाध्यक्ष रंजीत कुशवाहा, सिकंदर पासवान, संजय पासवान, मुकेश यादव, पिंका शर्मा, विनोद बिहारी यादव मुखिया प्रतिनिधि घनश्याम दास, सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं सैकड़ों ग्रामीण इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे थे।

6 मई को रांची में संविधान बचाओ रैली को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी में जुटी कांग्रेस

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

कांग्रेस का संगठन सृजन तथा संविधान बचाओ अभियान अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा संगठन महासचिव के.सी. वेणु गोपाल के निर्देश पर पूरे देश में चलाया जा रहा है। हर राज्यों में प्रदेश स्तरीय रैलियां की जा रही है। झारखंड में भी आगामी 6 मई को रांची के पुरानी विधानसभा मैदान धुर्वा में संविधान बचाओ रैली आयोजित की गई है, जिसे हमें सफल बनाना है। उक्त बातें झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने प्रेस को देवघर जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताई। आगे उन्होंने बताई कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस रैली को ऐतिहासिक बनाने के लिए हर जिले में तैयारियां चल रही है। इस बाबत प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर ही यह प्रेस वार्ता आयोजित की गई है। प्रदेश स्तरीय इस अभियान कार्यक्रम में प्रदेश के बड़े नेताओं के साथ प्रदेश अध्यक्ष, विधायक दल के नेता, सभी मंत्री, सभी विधायकगण, तथा पार्टी संगठन के प्रखंड स्तर के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। इस आयोजन के बारे में जैसे ही पता चला है तो कई सामाजिक संगठन भी निकल कर आगे आए हैं, जो इस रैली में बढ़ चढ़कर शामिल होंगे। आप सभी अवगत है कि केंद्र सरकार की जो नीति है, वह सभी संवैधानिक एजेंसियों को ध्वस्त करने की है, यहां तक सुप्रीम कोर्ट पर भी ये लोग टिप्पणी कर रहे हैं। कायास लग रहा है कि सभी संवैधानिक एजेंसियों को ध्वस्त किया जाए और देश में तानाशाह कायम करें, इसका पुरजोर विरोध कांग्रेस के लोग करते हैं और जनता के सुख-दुख में खड़े रहते हैं। हमारा देश सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इस लोकतंत्र को और जो हमारे देश का संविधान है उसे सुरक्षित रखने का प्रयास हमारे द्वारा किया जाता रहा है

और करते रहेंगे। प्रदेश प्रवक्ता शमशेर आलम ने कहा कि आज देश में मोदी सरकार हिटलर शाही से शासन कर रहे हैं। संविधान के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। संवैधानिक संस्थाओं का गलत दुरुपयोग करके विपक्ष के नेताओं को डराया धमकाया जा रहा है। ईडी, सीबीआई, आईटी जैसे केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से उन्हें परेशान करते हुए जेल में भी डालने का काम कर रही है। आज संविधान खतरे में है, देश की एकता एवं अखंडता पर प्रहार किया जा रहा है। ऐसे में संविधान को बचाने के लिए 6 मई को रांची में आयोजित रैली को सफल बनाने के लिए आज हम लोग यहां आए हैं। संविधान की रक्षा के लिए हमारा संघर्ष जारी रहेगा और इस महा रैली को हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल झारखंड प्रदेश के प्रभारी के. राजू एवं प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश संबोधित करेंगे। वहीं प्रदेश प्रवक्ता श्यामल किशोर सिंह ने कहा कि 90 दिवसीय संगठन सृजन तथा 40 दिवसीय संविधान बचाओ अभियान कार्यक्रम राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा तय किया गया है। जिनका समय सीमा तय करते हुए कैलेंडर जारी कर दिया गया है। प्रारंभिक में प्रदेश स्तर पर 6 मई को रांची की रैली को ऐतिहासिक बनाया जाएगा। इसके लिए हर प्रखंड एवं मंडल स्तर पर बैठकें कर रणनीति बनाई जा रही है। 10 मई तक जिला स्तर पर, 17 मई तक विधान स्तर पर रैलियां निकाली जाएगी उसके बाद 30 मई तक हर घर तक संदेश पहुंचाने का काम किया जाएगा। केंद्र में भाजपा कि मोदी सरकार द्वारा लगातार संवैधानिक मूल्यों को नष्ट किया जा रहा है, उसमें प्रदत्त हक एवं अधिकारों को भी हक मारी की जा रही है। हम कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता अपने संविधान की सुरक्षा के लिए आंदोलनरत रहेंगे। जिला अध्यक्ष प्रो उदय प्रकाश ने कार्यक्रम के मूल बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार नरेंद्र मोदी जनहित के कार्यों को छोड़कर देश को अपने गलत नीतियों से देश को नफरत की आग में डाल दिया है। देश की एकता एवं अखंडता पर सीधा प्रहार किया जा रहा है। ऐसे फिरका परस्त सरकार से देश को बचाना होगा। महंगाई, बेरोजगारी, मजदूर और किसानों की जनसमस्याओं से सरकार को कोई लेना देना नहीं है। हमारा आंदोलन जारी रहेगा। इस दौरान जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष डॉ मुन्नम संजय, प्रदेश प्रवक्ता राजेंद्र दास, अवधेश प्रजापति, अमित कुमार पांडेय, रवि गुप्ता आदि दर्जनों मौजूद थे।

नेताजी सुभाष जागृति मंच ने अक्षय तृतीया के अवसर पर लोगों को ठंडा शरबत पिलाया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

नेताजी सुभाष जागृति मंच के द्वारा हर साल की तरह इस साल भी दो जगह दुमका रोड एवं धनवाम टावर देवघर रोड अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर शरबत वितरण किया गया शरबत वितरण के पहले विधिवत उद्घाटन फीता काट किया नेताजी सुभाष जागृति मंच के केंद्रीय अध्यक्ष उदय चक्रवर्ती पूर्व वार्ड पार्षद नंबर 24 दिनेश कुमार यादव, भाजपा नेता राम शंकर दुबे, बिंदु पाठक, केंद्रीय सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता, केंद्रीय संरक्षक टीपू झा ने संयुक्त रूप से किया उसके पश्चात सभी राहगीरों को गुड़, चना, तरबूज, खीरा रसयुक्त शरबत वितरण किया गया और गर्मी भर के लिए प्याऊ का व्यवस्था नेताजी सुभाष जागृति मंच दुमका रोड स्थित प्रधान कार्यालय के पास की गई इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक करने में सहयोग किया जिला अध्यक्ष पुष्प प्रसाद साह, महिला अध्यक्ष ट्विंकल दत्ता, जिला उपाध्यक्ष आशीष गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष अभिजीत दे, सदस्य शिव शंकर दास, कल्पना कुमारी, सोनाली घोष, कुमकुम वर्मन, शुक्ला राय, भवानी सिंह, संजय जयसवाल, राकेश जयसवाल, सुनील गुप्ता, राजेंद्र दुबे, चंदन जी इत्यादि मौजूद थे

कब्रिस्तान की घेराबंदी के विवाद पर आक्रोशित लोगों से मिलने पहुंचे लोजपा प्रदेश महासचिव - प्रमोद कुमार सिंह

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। कब्रिस्तान की घेराबंदी के विवाद पर आक्रोशित लोगों से मिलने पहुंचे लोजपा प्रदेश महासचिव - प्रमोद कुमार सिंह, जिले के रफीगंज प्रखंड के कजपा पंचायत के ग्राम जाखिम में आम गैरमजरुआ स्थल पर कब्रिस्तान की घेराबंदी की जा रही थी। इस बात की जानकारी जैसे ही जिले के सुप्रसिद्ध समाज सेवी सह रफीगंज विधानसभा क्षेत्र निर्दलीय प्रत्याशी रहे प्रमोद कुमार सिंह ने घटना स्थल पर जाकर लोगों से विस्तृत जानकारी ली और पुलिस प्रशासन से बात किया। बताते चलें कि यह स्थान वर्षों से गांव के सभी समुदायों के लिए साझा और सार्वजनिक उपयोग की भूमि रही है। जब इस भूमि को एकपक्षीय रूप से कब्रिस्तान घोषित कर घेराव शुरू किया गया तो गांव के तमाम लोगों ने एकजुट होकर इसका विरोध किया। ग्रामीणों के सूचना पर लोजपा प्रदेश महासचिव सह रफीगंज विधानसभा प्रत्याशी प्रमोद कुमार सिंह गांव पहुंचे और वहां मौजूद

सभी ग्रामीणों से संवाद किया। लोगों की भावनाओं को समझते हुए और शांति बनाए रखते हुए उन्होंने सभी पक्षों को यह स्पष्ट किया कि गरमजरुआ आमजमीन है जिस पर हर वर्ग का समान अधिकार है। ऐसे में बिना समुचित विचार-विमर्श और कानूनी प्रक्रिया के इस पर किसी एक पक्ष का कब्जा न्यायसंगत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस विषय पर सर्वसम्मति बने और किसी भी प्रकार का विवाद या विभाजन गांव में न हो। इसलिए मैंने सभी से निवेदन किया कि प्रशासन से विचार-विमर्श कर दस्तावेजों की पुष्टि के बाद ही आगे की कोई कार्यवाही हो। और दलित महिला पुरुष से बातचीत कर पूरी घटना से जानकारी ली तत्पश्चात प्रभारी अंचलाधिकारी रामकुमार रमन से टेलीफोनिक माध्यम से बात कर एन ओ सी को जल्द से जल्द रद्द करने की बात कही और काम रोकवाने का की मांग की। ठेकेदार से भी बातचीत कर काम बंद करने की बात कहा तो ठेकेदार ने काम बंद रखने का आश्वासन दिया। उन्होंने ने कहा कि विधायक नेहालुद्दीन सिर्फ एक समुदाय को बढ़ावा दे रहे हैं सिर्फ और सिर्फ कब्रिस्तान घेराबंदी पर विशेष कार्य कर रहे हैं। उन्होंने ने कहा कि बटोगे तो कटोगे सभी हिन्दु समाज एकजुट रहे। महादलित लोगों ने कहा कि हम लोगों के लिए सिर्फ एक ही चापाकल है जिसमें एक समुदाय के द्वारा बालू छड़ी एवं चापाकल के मुंह को ? दिया गया है और बोलता है कि कब्रिस्तान का घेराबंदी हो जाएगा तुम लोगों को दौड़ा दौड़ा कर मारेंगे। इस मौके पर अनिल मिश्रा, सरपंच समदर्शी सिंह, शशिभूषण मिश्रा, संजय सिंह सुनीता देवी, नदिया देवी, द्रिशीया देवी, बसंती देवी, कौशल्या देवी, जवाहर यादव, रविंद्र मेहता, हसन पासवान, रामबीर महतो, राहुल कुमार, राकेश कुमार, राकेश विकियासन, दीप नारायण पासवान, गुड्डू साव, श्रुति देवी आंती देवी, रामरती देवी, मुनवां कुंवर के साथ सैकड़ों महादलित महिला पुरुष मौजूद रहे।

विष्णु धाम का स्थापना दिवस एवं अक्षय तृतीया धूमधाम से मनाया गया

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जम्होर थानांतर्गत मोक्षदायिनी पुनपुन एवं पुण्यदायिनी बटाने के पावन संगम तट पर अवस्थित सनातनी परंपरा का विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल विष्णु धाम का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया. आज ही के दिन अक्षय तृतीया को महान संत एवं परमहंस खाकी बाबा द्वारा विष्णु धाम का स्थापना किया गया था। सैकड़ों वर्ष पूर्व जब खाकी बाबा इस संगम तट पर आए थे उन्होंने यहां विश्राम किया था विश्राम के दरम्यान रात्रि में उन्हें स्वप्न आया कि अनादि ब्रह्म परम परम पिता परमेश्वर इस संगम तट पर युगों युगों से सूक्ष्म रूप में विराजमान हैं इसे स्व-प्न मानकर खाकी बाबा ने यहां पर भव्य एवं दिव्य भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित कराई। भगवान विष्णु की इतनी अद्भुत एवं सुंदर प्रतिमा है जिसे देखकर किसी भी भक्त के मन

में भक्ति की अविरल धारा बहने लगती है दर्शन मात्र से ही हृदय में हर्षित विचारधारा पल्लवित एवं पुष्पित होने लगती है न्यास समिति के सचिव उपेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष पूर्व मुखिया सु-रेंद्र प्रसाद गुप्ता एवं अन्य सदस्यों ने स्थापना दिवस में विशेष सहभागिता निभाई तो वर्तमान महंत बालकानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि अक्षय तृतीया को जो भी कार्य संपादित किए जाते हैं उसके अक्षय पुण्य प्राप्त होते हैं विष्णु धाम में इस दिन किए गए पूजा पाठ विशेष फलदाई होती हैं सुबह सवेरे से ही सैकड़ों भक्तों ने संगम तट में आस्था की डुबकी लगाई और भगवान विष्णु की विशेष पूजा अर्चना की विष्णु धाम के अन्य मंदिरों में भी विशेष पूजा पाठ की गई। जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी एवं समाजसेवी मधुसूदन कुमार त्रिवेदी ने विष्णु धाम का अवलोकन किया और बताया कि प्र-कृतिक सुषमा से आच्छादित विष्णुधाम वैष्णवी परंपरा का महान तीर्थ स्थल है पुनपुन तीर्थ के रूप में विख्यात है मगध प्रमंडल के चार धामों में से एक है तथा तीर्थ का प्रथम द्वार है इस स्थल को पर्यटन स्थल का दर्जा दिए जाने की आवश्यकता है साथ ही साथ रामायण सर्किट में जोड़ने की भी मांग की गई।

15 साल से फरार हार्डकोर नक्सली विकास यादव गिरफ्तार

बंदेया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कई संगीन मामलो मे था वांछित

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)बंदेया पुलिस को मंगलवार को एक बड़ी सफलता मिली जब बंदेया थाना क्षेत्र से 15 वर्षों से फरार चल रहे हार्डकोर नक्सली विकास यादव उर्फ जनार्दन यादव उर्फ रामचंद्र यादव उर्फ सिद्धनाथ यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि वह दरार देवी स्थान के पास छुपा हुआ है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने उसे मौके से धर दबोचा। अभियुक्त बंदेया थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव का रहने वाला है और उसके खिलाफ औरंगाबाद, गया समेत विभिन्न जिलों में करीब 20 से अधिक संगीन मामले दर्ज हैं। इनमें हत्या, रंगदारी, हथियार कानून उल्लंघन व यूएपीए एक्ट जैसे गंभीर

आरोप शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद विकास यादव को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और पुलिस उससे आगे की पूछताछ में जुट गई है। छापेमारी टीम में बंदेया थाना प्रभारी सूरज कुमार, अपर थानाध्यक्ष कृष्ण राम, मोहित कुमार तथा अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

जनप्रतिनिधियों की फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में होगी सीधी भागीदारी

आमजनों को बीमारियों के प्रति जागरूक करने में पीएसपी का होगा अहम योगदान

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद। जिले से फाइलेरिया बीमारी को जड़ से मिटाने और इसके उन्मूलन को लेकर स्वास्थ्य विभाग लगातार दृढ़संकल्पित है। इस अभियान का बेहतर क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को औरंगाबाद जिले के बारुण प्रखंड के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, धनौती पर रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) का गठन किया गया। सबसे पहले उप मुखिया मान्ती कुमारी की अध्यक्षता में पीएसपी सदस्यों की बैठक हुई। बैठक का संचालन सामुदायिक हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) कुमारी निति ने किया।

जागरूकता से ही फाइलेरिया उन्मूलन अभियान होगा सफल

इस मौके पर उप मुखिया मान्ती कुमारी ने कहा कि जन-जागरूकता से ही कोई भी अभियान को सफल बनाया जा

सकता है। इसलिए फाइलेरिया बीमारी के उन्मूलन के लिए जो रोगी हितधारक मंच (पीएसपी) का गठन किया गया है। इससे जुड़े सभी सदस्य काफी तत्परता के साथ अपने-अपने कार्य क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर फाइलेरिया के साथ-साथ अन्य बीमारियों के प्रति आमजनों को जागरूक करें। ताकि अपने प्रखंड और जिले से फाइलेरिया बीमारी के साथ-साथ अन्य कम्युनिकेबल बीमारी का उन्मूलन हो सके। सीएचओ कुमारी निति ने कहा कि सभी पीएसपी सदस्यों से फाइलेरिया बीमारी के साथ-साथ मलेरिया, टीबी और कालाजार के प्रति लोगों को जागरूक होना होगा। साथ ही फाइलेरिया मरीजों के अधिकारों तथा बचाव के उपायों के बारे में लोगों को जागरूक करेंगे।

पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म में सीएचओ व जनप्रतिनिधियों की भूमिका होगी अहम

औरंगाबाद के बारुण प्रखंड के हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, धनौती पर गठित पेशेंट स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म में सामुदायिक हेल्थ अधिकारी (सीएचओ) के साथ-साथ उप मुखिया, वार्ड सदस्य के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भूमिका काफी अहम होगी। इस मुहिम को सफल बनाने में सीफार संस्था के द्वारा टेक्निकल सपोर्ट किया जा रहा है। इस अवसर पर वार्ड सचिव रामनाथ साव, एएनएम प्रभा कुमारी, संगिता कुमारी, आशा सुमित्रा देवी, ललिता देवी, आशा देवी पूनम कुमारी, सीएनआरपी रीना कुमारी, सीएम प्रतिमा देवी तथा सिफार के जिला समन्वयक अमित कुमार व प्रोजेक्ट एसोसिएट अनिल कुमार सिंह मौजूद मौजूद रहे।

गोह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उर्मिला कुमारी को दी गई भावभीनी विदाई

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत रही ए ए न एम उर्मिला कुमारी को मंगलवार को एक सादे समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह की अध्यक्षता चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अभिनव चंद्र ने की, जबकि मंच संचालन लिपिक सुभाष सिंह ने किया। इस अवसर पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्जुन कुमार (आयुष चिकित्सक) ने प्रस्तुत किया। समा-रोह में स्वास्थ्य केंद्र के सभी कर्मियों ने उर्मिला कुमारी के कार्यकाल की स-राहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उल्लेखनीय है कि उर्मिला कुमारी अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, दाउदनगर में पदस्थापित की गई हैं। कार्यक्रम में मनीष कुमार, प्रदीप कुमार, शंभु शंकर, मनोज कुमार, एएनएम गु-ड़िया कुमारी, मधुबाला, अर्चना सहित अन्य चिकित्सा कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

लावारिश मृत गौ माता का किया गया अंतिम संस्कार

सुस्मित तिवारी ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ : बुधवार को राष्ट्रीय संगठन रामभक्त सेवा दल के झारखंड प्रदेश महामंत्री राम ठाकुर के नेतृत्व में शहर के छोटी अलीगंज के पीछे मैदान में एक मृत गौ माता का हिंदू रीति रिवाज से अंतिम संस्कार किया गया। इस संबंध में राम ठाकुर ने बताया कि मंगलवार को शाम से एक गौ माता मैदान में मृत पड़ा हुआ था जिसकी सूचना स्थानीय मोहल्ले के लोगों के द्वारा दिया गया था। इसी के तहत बुधवार को उसी जगह पर मृत गौ माता का अंतिम संस्कार किया गया। उन्होंने कहा कि गौ हमारी माता है और हम सभी सनातनी गौ माता की पूजा करते हैं। उन्होंने जिले वासियों से निवेदन किया कि गौ माता को मृत हो जाने के बाद इधर उधर न फेंके। उनके प्रति हम सनातनियों में गहरी आत्मानुभूति- आस्था है। इसलिए जिनसे अगर गौसेवा का पाना संभव ना हो वह तुरंत संगठन को सूचित करें। बाकी सभी को अपनी जिम्मेवारी समझ कर सेवाभाव का कार्य करना चाहिए। बाकी ना कर पाने की स्थिति में संगठन गौ सेवा के लिए हर संभव प्रतिबद्ध है। वहीं मौके पर इस कार्य में जिला गौ सेवा प्रमुख अंकित भगत, विष्णु ठाकुर, माणिक राणा, दुल्लन सिंह सहित दर्जनों सदस्य एवं मोहल्ले के लोग मौजूद थे।

कटाव रोधी कार्य पास हो जाने पर ग्रामीणों मे खुशी का माहौल

सोनपुर , । सबलपुर गाँव का जल संसाधन विभाग से कटाव रोधी कार्य पास हो जाने पर ग्रामीणों मे खुशी का माहौल है आज टेंडर होने पर ग्रामीणों ने भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य सह सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह का फूल माला और अंग वस्त्र से जोरदार किया यह रोड करीब छः करोड़ कि लागत से यह कटाव रोधी कार्य होगा यह बांध बन जाने से कई गाँव के लोगों को काफी लाभ होगा इस बांध को बनवाने के लिए ग्रामीणों ने सांसद राजीव प्रताप रूडी से बहुत दिन से मांग कर रहे थे जिसको लेकर सांसद रूडी ने जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी से बात कर कार्य करवाने की बात कही थी जिसके बाद आज उनके प्रयास से कटाव कार्य का टेंडर होने पर ग्रामीणों मे खुशी का माहौल है इस अवसर पर " बीजेपी नेता पवन शर्मा ललित शर्मा सनी राम चंदन मिश्रा भाजपा नेता बिरजू पासवान बाबुल सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे इस कार्य के लिए मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा और सरपंच दिलीप शर्मा ने और सभी लोगों ने इस कार्य के लिए सांसद राजीव प्रताप रूडी जी को और माननीय मंत्री विजय चौधरी को धन्यवाद दिया।

डालसा सचिव ने वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का किया निरीक्षण

साहिबगंज: माननीय झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने गंगा विहार पार्क के समीप स्थित स्नेह स्पर्श वृद्धाश्रम एवं बाल सुधार गृह का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सचिव ने वृद्धाश्रम की समग्र स्थिति का जायजा लिया, जिसमें पेयजल सुविधा, स्वच्छता, नियमित चिकित्सीय जांच एवं भोजन व्यवस्था शामिल थी। उन्होंने वहां निवासरत वृद्ध महिलाओं एवं पुरुषों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा वृद्धाश्रम संचालक को सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बाल सुधार गृह के निरीक्षण के क्रम में श्री भगत ने वहाँ रह रहे बच्चों से मुलाकात की और उनकी सुविधाओं की स्थिति से अवगत हुए।इस अवसर पर बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अमरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पारा विधिक स्वयंसेवक (पीएलभी) समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सरकारी कार्य में बाधा डालने के आरोप में श्याम सूंदर पर केस दर्ज

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद) अवर प्रमंडल पदाधिकारी के बयान के आधार पर उपहारा थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस प्राथमिकी में पसारी गांव के स्व. राजाराम सिंह के पुत्र श्याम सुंदर सहित अन्य ग्रामीणों पर आरोप है कि उन्होंने सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की और कार्य को जबरन बंद करा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित सरकारी कार्य चल रहा था, लेकिन कुछ व्यक्तियों साथ जिला परिषद प्रतिनिधि श्याम सुंदर द्वारा विरोध करते हुए काम को रुकवा दिया गया। इस मामले को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और दोषियों पर उचित कार्रवाई की बात कही गई है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार से सरकारी विकास कार्यों में बाधा पहुंचाना कानूनन अपराध है और ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बच्चे के हौसले को सलाम! डॉक्टर कर रहे थे सर्जरी...10 साल का अनमोल मोबाइल पर देखता रहा गणित क्लास का वीडियो

मुजफ्फरपुर: कुछ लोगों को ऑपरेशन शब्द सुनकर ही घबराहट होने लगती है, लेकिन बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है। दरअसल, यहां एक 10 साल के बच्चे का एसकेएमसीएच में ऑपरेशन चल रहा था, लेकिन बिना डरे और सहमे बच्चा इस दौरान मैथ्स क्लास का ऑनलाइन वीडियो देखता रहा। वहीं, अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। हालांकि, इस वायरल वीडियो की पुष्टि पंजाब केसरी नहीं करता। जानकारी के मुताबिक, मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग में मंगलवार को शिवहर जिला के रहने वाले प्रमोद कुमार के 10 वर्षीय बेटे अनमोल कुमार तरियानी का हर्निया का ऑपरेशन हुआ है। हैरानी की बात यह है कि अनमोल का लेफ्ट इनगुइनल हर्निया का ऑपरेशन चल रहा था और वह मोबाइल पर गणित की पढ़ाई का वीडियो देख रहा था। वहीं अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

डॉक्टरों ने बच्चे के हौसले की तारीफ की

इधर, पीडियाट्रिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार ने बच्चे के हौसले की तारीफ की है और कहा कि इस तरह का मामला कम ही देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि जब ऑपरेशन शुरू हुआ तो बच्चा मोबाइल स्क्रीन पर आंख गड़ाए रखा। इस दौरान डॉक्टर ने उससे पूछा कि बड़े होकर क्या बनना है तो आगे से बच्चा बोला-इंजीनियर, जिसके बाद सभी हंसने लगे।

आनंद विहार से मुजफ्फरपुर एवं बरौनी के मध्य तथा,दिल्ली से रक्सौल, श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा से गुवाहाटी तथा कोयम्बत्तूर से धनबाद के मध्य 01-01 जोड़ी स्पेशल ट्रेन का परिचालन

हाजीपुर: ग्रीष्मकालीन अवकाश के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे द्वारा कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में और 05 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है - 1. गाड़ी संख्या 04018/04017 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल (हाजीपुर-छपरा-बलिया-गाजीपुर सिटी-जौनपुर के रास्ते): गाड़ी संख्या 04018 आनंद विहार-मुजफ्फरपुर स्पेशल 01 से 29 मई, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को आनंद विहार से 09.00 बजे खुलकर शुक्रवार को 04.30 बजे मुजफ्फरपुर पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04017 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार स्पेशल 02 से 30 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को मुजफ्फरपुर से 06.15 बजे खुलकर शनिवार को 03.10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी । 2. गाड़ी संख्या 04020/04019 आनंद विहार-बरौनी-आनंद विहार स्पेशल (हाजीपुर-छपरा-बलिया-गाजीपुर सिटी-वाराणसी के रास्ते): गाड़ी संख्या 04020 आनंद विहार-बरौनी स्पेशल 04 मई से 06 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक रविवार को आनंद विहार से 19.30 बजे खुलकर सोमवार को 18.00 बजे बरौनी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04019 बरौनी-आनंद विहार स्पेशल 05 मई से 07 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को बरौनी से 20.00 बजे खुलकर मंगलवार को 19.00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी 13. गाड़ी संख्या 04026/04025 दिल्ली-रक्सौल-दिल्ली स्पेशल (नरकटियागंज-गोरखपुर-सीतापुर-बरेली के रास्ते): गाड़ी संख्या 04026 दिल्ली-रक्सौल स्पेशल 08 मई से 10 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक गुरूवार को दिल्ली से 23.05 बजे खुलकर शुक्रवार को 19.00 बजे रक्सौल पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04025 रक्सौल-दिल्ली स्पेशल 09 मई से 11 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को रक्सौल से 22.00 बजे खुलकर शनिवार को 17.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी 14. गाड़ी संख्या 04606/04605 श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा-गुवाहाटी-श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल (कठिहार-बरौनी-हाजीपुर-छपरा-बलिया-गाजीपुर सिटी-लखनऊ-यमुनानगर जगाधरी के रास्ते): गाड़ी संख्या 04606 श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा-गुवाहाटी स्पेशल 02 मई से 30 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा से 21.30 बजे खुलकर रविवार को 01.40 बजे हाजीपुर एवं 03.25 बजे बरौनी रूकते हुए 20.20 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 04605 गुवाहाटी-श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा स्पेशल 05 मई से 02 जून, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को गुवाहाटी से 23.00 बजे खुलकर मंगलवार को 13.30 बजे बरौनी एवं 15.40 बजे हाजीपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रूकते हुए बुधवार को 20.45 बजे श्रीमाता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी । 5. गाड़ी संख्या 06063/06064 कोयम्बत्तूर-धनबाद-कोयम्बत्तूर स्पेशल (जोलारपेट्टई-विजयवाड़ा-नागपुर-सम्बलपुर-पेरम्बूर-काटापाली के रास्ते): गाड़ी संख्या 06063 कोयम्बत्तूर-धनबाद स्पेशल 02 मई से 23 मई, 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को कोयम्बत्तूर से 11.50 बजे खुलकर रविवार को 08.30 बजे धनबाद पहुंचेगी । वापसी में गाड़ी संख्या 06064 धनबाद-कोयम्बत्तूर स्पेशल 05 मई से 26 मई, 2025 तक प्रत्येक सोमवार को धनबाद से 06.00 बजे खुलकर बुधवार को 03.45 बजे कोयम्बत्तूर पहुंचेगी । गाड़ी सं. 09623/09624 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज-उदयपुर सिटी स्पेशल का परिचालन अवधि में विस्तार - इसके साथ ही पूर्णिया-कटिहार-बरौनी-हाजीपुर-पाटलिपुत्र-डीडीयू के रास्ते उदयपुर और फारबिसगंज के मध्य चलायी जा रही गाड़ी सं. 09623/09624 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज- उदयपुर सिटी स्पेशल का परिचालन अवधि में 04 फेरे का विस्तार किया गया है । गाड़ी सं. 09623 उदयपुर सिटी-फारबिसगंज स्पेशल 06.05.2025 से 27.05.2025 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गाड़ी सं. 09624 फारबिसगंज-उदयपुर सिटी स्पेशल 08.05.2025 से 29.05.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को परिचालित की जायेगी ।

भागलपुर और मुंगेर में प्रशांत किशोर की जन उद्घोष यात्रा आज

नवगछिया और हवेली खड़गपुर में पीके करेंगे जनसभा को संबोधित

जन सुराज पार्टी की ओर से पीके के कार्यक्रम को लेकर तैयारी जोरों पर

पवन कुमार चौधरी

भागलपुर/मुंगेर। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर गुरुवार को मुंगेर जिला अंतर्गत हवेली खड़गपुर स्थित आरएसके उच्च विद्यालय के खेल मैदान में पहुंच रहे हैं। प्रशांत किशोर इन दिनों जन उद्घोष यात्रा के तहत बिहार के सभी जिलों में विधानसभा स्तर पर तथा प्रखंड स्तर पर लोगों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद स्थापित कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रशांत किशोर हवेली खड़गपुर के आरएसके ग्राउंड से मुंगेर जिला के तारापुर विधानसभा क्षेत्र, मुंगेर विधानसभा क्षेत्र तथा जमालपुर विधानसभा क्षेत्र की आम जनता से सीधा संवाद करेंगे। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए जन सुराज पार्टी के प्रदेश कोर कमेटी सदस्य निरंजन निषाद एवं प्रणव कुमार ने बताया कि जन उद्घोष यात्रा के तहत प्रशांत किशोर 1 मई को भागलपुर और मुंगेर जिला में पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर चुनावी तैयारी का शंखनाद करेंगे। जन सुराज पार्टी के हवेली खड़गपुर प्रखंड अध्यक्ष गौरव कुमार, राजा राम पासवान, महिला अध्यक्ष सरोजनी देवी ने बताया कि विगत 11 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में बिहार बदलाव रैली की सफलता को बिहार के सभी 38 जिले में विधानसभा तक तथा प्रखंड स्तर पर दोहराने की तैयारी चल रही है। प्रशांत किशोर की विचारधारा से आज बिहार की आम जनता जुड़ना चाहती है। इसी के तहत प्रशांत किशोर की जन उद्घोष यात्रा भागलपुर के नवगछिया प्रखंड अंतर्गत साहू परबत्ता स्थित साहू उच्च विद्यालय खेल मैदान में पहुंचेगी। जहां से जनसभा को संबोधित करने के बाद प्रशांत किशोर की जन उद्घोष यात्रा भागलपुर से असरगंज और तारापुर होते हुए हवेली खड़गपुर के आरएसके उच्च विद्यालय खेल मैदान पहुंचेगी। आरएसके खेल मैदान में प्रशांत किशोर की ऐतिहासिक जनसभा होगी। इस कार्यक्रम को लेकर पार्टी की ओर से तैयारी जोर-शोर से की जा रही है।

पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के बच्चे अब पियेंगे शीतल जल

डॉ प्रभात एवं डॉ शशि ने पेश किया सामुदायिक भागीदारी का अनुपम मिसाल

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय में बढ़ते गर्मी से बेहाल बच्चे अब 40/80 लीटर क्षमता की अत्याधुनिक टाटा कंपनी के वाटर कूलर से ठंडा पानी प्राप्त कर सकेंगे। विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह की सहज पहल पर शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर दंपति डॉ शशि एवं डॉ प्रभात ने तत्काल विद्यालय को अस्सी लीटर क्षमता वाली वोल्टास कंपनी का वाटर कूलर,स्टेबलाइजर आदि मुहैया करा दिए। प्राचार्य ने विद्यालय के बच्चों के लिए इनकी मदद को सामुदायिक भागीदारी का एक बेजोड़ नजीर बताया सरकारी विद्यालय के आस पास के लोग अनेक प्रकार से अपनी यथोचित भागीदारी कर विद्यालय को समृद्ध बना सकते है जिसके लिए एलीएस शिक्षा विभाग डॉ सिद्धार्थ भी प्रायः अपील किया करते हैं। प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि डॉ प्रभात मिश्रा के पिताजी श्री दिनेश मिश्रा जी लंबी अवधि तक अनुग्रह मध्य विद्यालय में एक आदर्श अध्यापक के रूप में लब्धप्रतिष्ठ रहे है। इस कारण डॉ प्रभात प्रायः अपनी डॉक्टर पत्नी शशि मिश्रा के साथ विद्यालय आते रहते हैं और बच्चों के बीच बैठ बेहतर स्वास्थ्य के लिए मोटिवेट करते रहते हैं। पिता की कर्मस्थली पर बच्चों के लिए हेडमास्टर के अनुरोध पर कुछ कर सकने का उन्हें बहुत संतोष है। प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने कहा कि अनुग्रह स्कूल लगभग नब्बे साल पुराना विद्यालय है और इसे आजादी के पूर्व जन भागीदारी के द्वारा ही भारतीय संस्कृति के अनुरूप शिक्षा देने के लिए बनवाया गया था।आज विद्यालय में समाज से संपोषित कई अच्छी व्यवस्थाएं हैं जिससे विद्यालय तेजी से मुख्य धारा में लौटा है। प्राचार्य उदय कुमार सिंह सहित विद्यालय परिवार ने डॉक्टर दंपति के प्रति कृतज्ञता जताया है।

गोह पुलिस की छापेमारी में बहुरिया बर्मा गांव से शराब धंधेबाज गिरफ्तार

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)। गोह पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए बहुरिया बर्मा गांव में छापेमारी कर एक शराब धंधेबाज को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मो. इरशाद ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान गांव निवासी विजय यादव के पुत्र एडवानी यादव के रूप में की गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी झरखड़िया बाबा स्थान के समीप शराब बेच रहा है। तत्काल एक टीम गठित कर मौके पर छापेमारी की गई, जिसमें आरोपी को डेढ़ लीटर अंग्रेजी शराब के साथ धर दबोचा गया। पुलिस ने मौके से शराब जब्त कर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसे जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि अवैध शराब बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

प्रशांत ने जमुई में भरी हुंकार, बोले

नीतीश चचा को हटाना है इस बार

भूमि सर्वे और दाखिल खारिज में जमकर हो रहा भ्रष्टाचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर प्रशांत किशोर का हमला, बोले - बिहार के लोगों ने गुजरात के विकास की कहानी सुनकर मोदी जी को वोट दिया,

गुजरात में फैक्ट्रियां लग रही है और बिहार के बच्चे वहां जाकर मजदूरी कर रहे हैं

दिव्य दिनकर बिहार उप-प्रभारी पवन कुमार चौधरी

जमुई। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर जन सुराज उद्घोष यात्रा के तहत आज जमुई और बांका के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। उन्होंने जमुई के श्री कृष्ण सिंह मेमोरियल स्टेडियम में उपस्थित हजारों लोगों को जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने नीतीश कुमार पर बड़ा राजनीतिक हमला बोला और कहा कि नीतीश कुमार भ्रष्टाचार के मुखिया हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में अधिकारी और नेता राशन कार्ड बनाने के लिए दो हजार और जमीन की रसीद कटाने के लिए दस हजार रुपये रिश्वत ले रहे हैं, जिससे आम लोग परेशान हैं। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने प्रधानमंत्री मोदी पर हमला करते हुए कहा कि मोदी जी बिहार की जनता से वोट लेकर गुजरात में फैक्ट्री लगा रहे हैं। पूरे देश का पैसा लेकर गुजरात के गांव-गांव में फैक्ट्री लगाई जा रही है और जमुई के बच्चे वहां जाकर मजदूरी करने को मजबूर हैं। उन्होंने जनता से पूछा कि जब वोट आपका है तो फैक्ट्री कहां लगनी चाहिए, गुजरात में या बिहार में? इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने जनता से अपील की कि इस बार उन्हें अपने बच्चों के लिए वोट देना है। इस बार वोट नेता का चेहरा देखकर नहीं, अपने बच्चों का चेहरा देखकर देना है। इस बार वोट जाति धर्म पर नहीं, अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए देना है। इस बार लालू, नीतीश, मोदी नहीं बल्कि जनता का राज लाना है।

टेबल क्विज प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई गणनात्मक प्रतिभा जेनिथ क्रैश एकेडमी औरंगाबाद

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :जिला मुख्यालय स्थित जेनिथ क्रैश एकेडमी में दिनांक 30 अप्रैल 2025 को हटेबल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों में गणनात्मक कौशल, स्मरण शक्ति और मंच पर आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता दो वर्गों में आयोजित की गई – जूनियर वर्ग (नर्सरी से यूकेजी) और सीनियर वर्ग (कक्षा 1 से 5 तक)। बच्चों ने 2 से 20 तक पहाड़े संबंधित राउंड्स में भाग लिया, जिनमें तेजी, सटीकता और समझ को परखा गया। इस आयोजन में कुल 26 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जूनियर वर्ग से रोशनी कुमारी और सीनियर वर्ग के अंतिम राउंड में यश परमार, आयुष कुमार एवं साहिल सिद्दीकी विजेता घोषित किए गए। प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण एवं सहभागिता प्रमाण पत्र के साथ हुआ। बच्चों के प्रदर्शन को देखते हुए यह स्पष्ट हुआ कि प्रारंभिक कक्षाओं में ही यदि तार्किक दक्षता को प्रोत्साहित किया जाए, तो बालमन बड़े कौशल के साथ सीख सकता है। विद्यालय द्वारा दी गई पूर्व सूचना के कारण अभिभावकों की भागीदारी भी सराहनीय रही। यह प्रतियोगिता न केवल शैक्षिक थी बल्कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और सहयोग भावना को बढ़ाने वाली रही। गणित को खेल और प्रतियोगिता के रूप में प्रस्तुत करने का यह प्रयास बच्चों और शिक्षकों – दोनों के लिए उत्साहवर्धक सिद्ध हुआ। इस अवसर पर शिक्षिका आस्था प्रिया, रानी शर्मा, खुशबू शर्मा, रागनी कुमारी , अंजलि सिंह तथा हर्षित पाठक मौजूद रहे।

बिहार: फोटो स्केन कर स्कूल में लगाई जा रही थी फर्जी उपस्थिति, शिक्षक पर FIR की तैयारी

पटना: बिहार के शिक्षा विभाग ने ई-शिक्षाकोष एप पर फर्जी उपस्थिति दर्ज कराने की गंभीर शिकायत के बाद एक अहम निर्देश जारी किया है। यह मामला मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर प्रखंड के मिस्त्री टोला दुलारपुर प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा है, जहां शिक्षक राजेश कुमार पर आरोप है कि वे विद्यालय आए बिना उपस्थिति दर्ज करा रहे थे। जानकारी के अनुसार, राजेश कुमार की हाजिरी विद्यालय से सम्बद्ध टोला सेवक द्वारा की जाती थी। ई-शिक्षाकोष एप पर जांच में सामने आया कि फरवरी, मार्च और अप्रैल 2025 में उनकी उपस्थिति के साथ कोई वास्तविक फोटो अपलोड नहीं हुआ। तकनीकी जांच में यह भी पाया गया कि उनका पासपोर्ट साइज फोटो स्कूल में रखा गया था, जिसे स्कैन कर अन्य शिक्षक उनकी अनुपस्थिति में अपलोड कर देते थे। शिक्षा विभाग ने इसे संगीन अपराध मानते हुए कहा है

चिराग पासवान से मिलीं दिल्ली पैरा ओलंपिक कमेटी की अध्यक्ष पारुल सिंह

अंतरराष्ट्रीय पैरा गेम्स में किया आमंत्रित

नई दिल्ली, दिल्ली स्टेट पैरा ओलंपिक कमेटी की अध्यक्ष पारुल सिंह ने मंगलवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से उनके कार्यालय में मुलाकात कर उन्हें आगामी अंतरराष्ट्रीय पैरा गेम्स में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस बार पैरा गेम्स 26 सितंबर से 7 अक्टूबर 2025 तक नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। यह आयोजन भारत की राजधानी में होने वाला अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगा, जिसमें 115 से अधिक देश भाग लेंगे इस मुलाकात के दौरान पारुल सिंह के साथ पैरा ओलंपिक कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू, दिल्ली सचिव राहुल कसाना, कमेटी सदस्य ललित, और वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार भी मौजूद रहे बैठक में खास तौर पर पैरा खिलाड़ियों के पोषण और सहयोग को लेकर मंत्रालय और कमेटी के बीच संभावित सहयोग पर चर्चा हुई। पारुल सिंह ने मंत्री को बताया कि कमेटी किस तरह से खिलाड़ियों के लिए बेहतर संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है बिहार से आने वाले श्री चिराग पासवान ने कमेटी के विजन और प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस तरह की पहलें दिल्ली के साथ-साथ बिहार और अन्य राज्यों के पैरा खिलाड़ियों को भी लाभ पहुंचा सकती हैं।पारुल सिंह ने कहा, हम एक ऐसा माहौल तैयार करना चाहते हैं जहां पैरा खिलाड़ियों को सही पोषण, बेहतर ट्रेनिंग और जरूरी सुविधाएं मिलें। मैं श्री चिराग पासवान जी का धन्यवाद करती हूं कि उन्होंने समय निकालकर हमसे मुलाकात की और हमारे प्रयासों में रुचि दिखाई।

राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा बन गई है टीवी पत्रकारिता

विचार

> जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चैनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफ़रत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है। टीवी चैनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था।

अनिल जैन

इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बाशिंदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए संपूर्ण कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए 'कश्मीर बंद' रखा। भारतीय मीडिया, खासकर टेलीविजन के राष्ट्रीय न्यूज चैनल इस वक्त अपने अल्प इतिहास में सर्वकालिक पतन के दौर से गुजर रहे हैं। ताजा मामला है कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले को लेकर उनका रवैया। कश्मीर घाटी के बाशिंदों को पिछले एक दशक में जितना बदनाम और भावनात्मक रूप से जितना आहत भाजपा की प्रोपेगेंडा मशीनरी ने नहीं किया है, उससे ज्यादा उन्हें बदनाम करने और उनके जख्मों को कुरेदने का काम देश के इन राष्ट्रीय टीवी चैनलों ने किया है। इसीलिए आम तौर पर इन टीवी चैनलों को भी अब भाजपा के प्रचार तंत्र का हिस्सा ही माना जाने लगा है। इस समय पहलगाम में आतंकवादियों के हाथों हुए भीषण नरसंहार का मामला पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। हमले के दौरान कई पर्यटकों की जान बचाने में कश्मीर के स्थानीय बाशिंदों ने अहम भूमिका निभाई। हमले में मारे गए लोगों के शोक स्वरूप और आतंकवादियों के खिलाफ अपने गुस्से का इजहार करने के लिए संपूर्ण कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से एक दिन के लिए 'कश्मीर बंद' रखा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्य की कानून-व्यवस्था को लेकर अपने पास कोई अधिकार न होने के बावजूद विधानसभा का विशेष सत्र बुलाकर आतंकवादी हमले के लिए पूरे देश से माफी मांगी। इस सबके बावजूद टीवी चैनलों का रवैया कतई सकारात्मक नहीं है। उनका पूरा जोर आतंकवादियों के बहाने कश्मीरियों और पूरे देश के मुसलमानों को अपमानित करने और उनके खिलाफ नफरत का वातावरण तैयार करने और युद्धोन्माद पैदा करने पर है। टीवी चैनलों का यह रवैया छह साल पुराने उस दौर की याद ताजा कर रहा है जब केंद्र सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को प्राप्त विशेष राज्य का दर्जा खत्म कर दिया था और उसका विभाजन कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया था। तब भी इन टीवी चैनलों ने अपने संवाददाताओं को कश्मीर भेजे बगैर ही कश्मीर के बारे में खूब मनगढ़ंत और बेसिर-पैर की खबरें अपने दर्शकों को परोसी थीं। उस समय विशेष दर्जा खत्म करने के केंद्र सरकार के फैसले से कश्मीर घाटी के लोग बेहद क्षुब्ध और निराश थे। अपना विरोध जताने के लिए उन्होंने कई दिनों तक अपना काम-काज बंद रखा था। समूची कश्मीर घाटी में लॉकडाउन जैसे हालात थे। उसी दौरान इन पंक्तियों के लेखक ने अपने साथी पत्रकार महेंद्र मिश्र के साथ हालात का जायजा लेने के लिए कश्मीर घाटी की यात्रा की थी। हम लोग वहां एक सप्ताह तक रहे थे। उस समय तमाम टीवी चैनल कश्मीर को लेकर ऐसी तस्वीर पेश कर रहे थे मानो वह किसी दूसरे देश का हिस्सा था, जिसे भारत सरकार ने हमला कर जीत लिया है और अपना हिस्सा बना लिया है। यह बात बार-बार जोर देकर बताई जा रही थी कि अब कोई भी भारतीय वहां आसानी से जमीन खरीद सकेगा, वहां बस सकेगा। यही नहीं, भाजपा के कुछ नेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने तो ऐसे भी बयान दिए थे कि अब भारत के दूसरे प्रदेशों के नौजवान कश्मीर से अपने लिए दुल्हन भी ला सकेंगे। ऐसे बेहूदा बयानों को तमाम टीवी चैनल बढ़-चढ़कर दिखा रहे थे। इसी बात को सोशल मीडिया पर भाजपा का समर्थक वर्ग और भी ज्यादा भद्दे तरीके से प्रचारित कर रहा था, जिससे हर कश्मीरी बुरी तरह आहत और दुखी था, वह अपने को अपमानित महसूस कर रहा था। ऐसा महसूस करते हुए उनका दुखी होना स्वाभाविक भी था। उस समय तमाम बेशर्म टीवी चैनल रोजाना पुराने फुटेज और सरकारी दावों के आधार पर बता रहे थे कि कश्मीर घाटी में जनजीवन लगातार सामान्य हो रहा है, लेकिन श्रीनगर पहुंचकर हवाई अड्डे से बाहर निकलते ही हमने पाया था कि कहीं कुछ सामान्य नहीं है। उस दिन कश्मीर में जनता द्वारा लागू लॉकडाउन का 32वां दिन था। डिजिटल इंडिया में उस 'नए कश्मीर' का जनजीवन बगैर मोबाइल फोन और इंटरनेट के पूरे 33 दिन से अपाहिज बना हुआ था। हमने एक हफ्ते वहां रहते हुए देखा था कि सरकारी स्कूल-कॉलेज खुल रहे हैं लेकिन वहां पढ़ने वाले बच्चे नदारद हैं। सरकारी परिवहन के साधन बंद थे। सरकारी दफ्तर, बैंक आदि भी खुलते थे लेकिन उनमें सन्नाटा पसरा रहता था। होटलें, रेस्टोरेंट, दुकानें पूरी तरह बंद थे। देशी-विदेशी पर्यटकों का आना पूरी तरह बंद था। डल झील में तमाम शिकारे खामोश और उदास खड़े थे। पूरे श्रीनगर में हर दस कदम पर पैरामिलिट्री फोर्स के जवान तैनात थे। हमने देखा था कि सुबह के वक्त दो घंटे के लिए खाने-पीने के सामानों की दुकानें खुलती थीं, ताकि लोग अपनी रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खरीद सकें। बस उन्हीं दो घंटों की लड़खड़ाती और उदास चहल-पहल के बाद पूरे दिन घाटी में सन्नाटा पसरा रहता था। यही माहौल बाद में दो महीने तक और रहा था। फिर भी टीवी चैनलों की खबरों में इन सब बातों का कोई जिक्र नहीं हो रहा था। जो कुछ बताया जा रहा था, वह हकीकत से एकदम उलट यानी सफेद झूठ था। इसी वजह से घाटी के बाशिंदों में जबरदस्त गुस्सा था। उनका कहना था कि ये सारे चैनल कश्मीर के मौजूदा हालात की लगातार गलत तस्वीरें पेश कर रहे हैं। बहरहाल, इस समय पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर भी टीवी चैनलों का खेल बेहद आपत्तिजनक और भद्दा है। उनकी खबरों के प्रस्तुतिकरण में वस्तुनिष्ठता सिरे से नदारद है। हमले के दौरान और हमले के बाद श्रीनगर, पहलगाम और आसपास के इलाकों के बाशिंदों ने पीड़ित पर्यटकों की जिस तरह मदद की, उसे सिरे से नजरअंदाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा और फिर उन्हें मारा। अगर यह बात सही है तो जाहिर है कि उनका मकसद इस नरसंहार के जरिये देश के हिंदुओं और मुसलमानों के बीच अलगाव व नफरत की खाई को और ज्यादा गहरा व चौड़ा करना था। तमाम टीवी चैनल आतंकवादियों के इसी मकसद को पूरा करने की दिशा में काम कर रहे हैं। किसी भी टीवी चैनल की ओर से सरकार से यह सवाल नहीं पूछा जा रहा है कि जब पूरे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न सुरक्षा बलों के सात लाख से ज्यादा जवान तैनात हैं तो जिस जगह हमला हुआ वहां सुरक्षा बल का एक भी जवान क्यों नहीं तैनात था? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के एक बार नहीं, कई मर्तबा किए गए इस दावे पर कोई सवाल नहीं उठ रहा है कि नोटबंदी और जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद आतंकवाद की कमर टूट गई है। सबसे खतरनाक बात तो यह है कि देश में युद्धोन्माद फैलाने के मकसद से कुछ चैनलों पर भारतीय सेना की संभावित रणनीतियों और पाकिस्तान को दी जाने वाली संभावित चालों पर भी खुली बहस हो रही है। जिस जानकारी तक दुश्मन देश को पहुंचने में समय लगता है, उसे टीवी चैनलों के स्टूडियो से मुफ्त में परोसा जा रहा है। सवाल है कि ऐसे चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाने की इजाजत किसने दी है? राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम और ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट भी इस सिद्धांत को मजबूती से स्थापित करते हैं कि किसी भी परिस्थिति में संवेदनशील सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं। हालांकि केंद्र सरकार की ओर से मीडिया के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई है, लेकिन लगता नहीं है कि सरकार में बैठे राष्ट्रवाद और देशभक्ति के ठेकेदार भी उस एडवाइजरी को लेकर गंभीर हैं। कुछ टीवी चैनल तो टीआरपी बटोरने की अंधी दौड़ में इस कदर बदहवास हो चुके हैं कि देश के पूर्व सैन्य अधिकारियों को नाटकीय तौर पर भारतीय और पाकिस्तानी खेमों में बांटकर काल्पनिक युद्ध में भिड़ाने का तमाशा भी करवा रहे हैं। यह सिर्फ पत्रकारिता का ही पतन नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत की भी आपराधिक अनदेखी है। कोई भी पेशेवर सैन्य अधिकारी इस तरह टीवी कैमरों के सामने बैठकर ऐसे आपराधिक तमाशे का हिस्सा कैसे बन सकता है? कहने की आवश्यकता नहीं कि इन टीवी चैनलों ने राष्ट्र की सुरक्षा को लोगों के मनोरंजन और अपने धंधे का साधन बना लिया है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

संपादकीय

सड़कों पर क्यों लहूलुहान हो रही जिंदगी?

सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अगर सड़क हादसों में इतने लोगों की जान जा रही है, तो बड़े-बड़े राजमार्गों के निर्माण का क्या उद्देश्य है। अदालत ने केंद्र सरकार से सड़क हादसों में नकदीरहित इलाज की योजना के अब तक लागू न होने को लेकर भी सवाल पूछे। अव्वल तो सड़क सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है, चाहे उसके लिए नियम-कायदे बनाना हो या फिर लोगों के भीतर जिम्मेदारी से वाहन चलाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाना। दूसरे, अगर किन्हीं हालात में हादसे होते हैं तो उसके बाद हताहतों के जीवन को बचाना सबसे पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यह तथ्य है कि सड़क दुर्घटना में अगर कोई घायल हो जाता है तो उसके बाद के एक घंटे का वक्त यानी 'गोल्डन आवर' उसके जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस अवधि में अगर उसे उचित इलाज मिल जाए तो उसकी जान बच सकती है। मगर हकीकत यह है कि लंबी दूरी के राजमार्गों या एक्सप्रेस-वे तो बना दिए गए हैं, लेकिन हादसे की स्थिति में घायलों को समय पर इलाज मुहैया कराने के लिए अस्पताल की व्यवस्था से लेकर वहां पहुंचाने के जरूरी इंतजामों की अनदेखी की जाती है। सवाल है कि अगर सरकार ने हादसे के बाद एक घंटे की बेशकीमती अवधि में नकदीरहित इलाज का भरोसा दिया है, तो व्यवहार में उसे लागू करने में उसे क्या दिक्कत है। सड़क हादसों में अनेक ऐसे लोगों की भी मौत हो जाती है, जिन्हें समय पर इलाज मुहैया करा कर बचाया जा सकता था।

मजदूरों के महत्व को दर्शाता मजदूर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

मजदूर दिवस मजदूरों के महत्व को दर्शाने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य इस दिन मजदूरों की भलाई के लिए काम करने व मजदूरों में उनके अधिकारों के प्रति जागृति लाना होता है। मगर ऐसा हो नहीं पाया है। भारत में 90 फीसदी मजदूर असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं जिनको सभी सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं प्राप्त नहीं हैं। देश में श्रमिक वर्ग की संख्या संगठित व असंगठित क्षेत्र में 50 करोड़ से ज्यादा है। भारत में एक मई का दिवस सबसे पहले चेन्नई में एक मई 1923 को मद्रास दिवस के तौर पर मनाना शुरू किया गया था। इस की शुरुआत भारती मजदूर किसान पार्टी के नेता कामरेड सिंगारवेलु चेट्यार ने शुरू की थी। भारत में मद्रास के हाईकोर्ट सामने एक बड़ा प्रदर्शन किया और एक संकल्प के पास करके यह सहमति बनाई गई कि इस दिवस को भारत में भी कामगार दिवस के तौर पर मनाया जाये और इस दिन छुट्टी का ऐलान किया जाये। वर्तमान में भारत सहित लगभग 80 देशों में एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मजदूर दिवस दुनिया के सभी कामगारों, श्रमिकों को समर्पित होता है। इस बार की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 2025 में वर्ल्ड डे फॉर सेफ्टी एंड हेल्थ एट वर्क की थीम है। स्वास्थ्य और सुरक्षा में क्रांति, कार्यस्थल पर एआई और डिजिटलाइजेशन की भूमिका। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, वर्चुअल रियलिटी और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कार्यस्थल को और ज्यादा सुरक्षित और सेहतमंद बनाने में किया जाएगा। स्मार्ट हेलमेट्स, सेफ्टी सेंसर, ऑटोमेटेड मॉनिटरिंग सिस्टम ये सब भविष्य की सुरक्षा के अहम हिस्से बनेंगे। यह थीम हमें इस बात के लिए तैयार करती है कि हम तकनीक का सही इस्तेमाल करते हुए कर्मचारियों की भलाई सुनिश्चित कर सकें। किसी भी राष्ट्र की प्रगति करने का प्रमुख भार मजदूर वर्ग के कंधों पर ही होता है। मजदूर वर्ग की कड़ी मेहनत के बल पर ही राष्ट्र तरक्की करता है। लेकिन भारत का श्रमिक वर्ग श्रम कल्याण सुविधाओं के लिए आज भी तरस रहा है। मजदूर दिवस को लेकर श्रमिक तबके में अब कोई खास उत्साह नहीं रह गया है। बढ़ती महंगाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों ने भी मजदूरों के उत्साह को कम कर दिया है। अब मजदूर दिवस इनके लिए सिर्फ कागजी रस्म बनकर रह गया है। महात्मा गांधी ने कहा था कि किसी देश की तरक्की उस देश के कामगारों और किसानों पर निर्भर करती है। उद्योगपति खुद को मालिक समझने की बजाय अपने-आप को ट्रस्टी समझें। मगर ऐसा होता नहीं है। मालिक आज भी मालिक बने हुए हैं। मजदूर सिर्फ मजबूर होकर रह गया है। इसी कारण भारत में मजदूरों की स्थिति बेहतर नहीं है। गुरु नानक देव जी ने भी अपने समय में किसानों, मजदूरों और कामगारों के हक में आवाज उठाई थी। गुरु नानक देव जी ने 'काम करना, नाम जपना, वंड छकना और दसवंध निकालना' का संदेश दिया था। गरीब मजदूर और कामगार का किरतवान का दर्जा स्थापित करने के लिए मनमुख से गुरमुख तक की यात्रा करने का संदेश दिया था। मजदूर एक ऐसा शब्द है जिसके बोलने में ही मजबूरी झलकती है। सबसे अधिक मेहनत करने वाला मजदूर आज भी सबसे अधिक बदहाल स्थिति में है। दुनिया में एक भी ऐसा देश नहीं है जहां मजदूरों की स्थिति में सुधार हो पाया है। दुनिया के सभी देशों की सरकार मजदूरों के हित के लिए बातें तो बहुत बड़ी-बड़ी करती है मगर जब उनकी भलाई के लिए कुछ करने का समय आता है तो सभी पीछे हट जाती है। इसीलिए मजदूरों की स्थिति में सुधार नहीं हो पाता है। हमारे देश के मजदूरों को न तो मालिकों द्वारा किए गए कार्य की पूरी मजदूरी दी जाती है और ना ही अन्य वांछित सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती है। गांव में खेती के प्रति लोगों का रुझान कम हो रहा है। इस कारण बड़ी संख्या में लोग मजदूरी करने के लिए शहरों की तरफ पलायन कर जाते हैं। जहां ना उनके रहने की कोई सही व्यवस्था होती है ना उनको कोई ढंग का काम मिल पाता है। मगर आर्थिक कमजोरी के चलते शहरों में रहने वाले मजदूर वर्ग जैसे तैसे कर वहां अपना गुजर-बसर करते हैं। बड़े शहरों में झोपड़पट्टी बस्तियों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। जहां रहने वाले लोगों को कैसी विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। उनको देखने की न तो सरकार को फुर्सत है ना ही किसी राजनैतिक दलों के नेताओं को। झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले मजदूरों को शौचालय जाने के लिए भी घंटों लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। झोपड़पट्टी बस्तियों में ना रोशनी की सुविधा रहती है। ना पीने को साफ पानी मिलता है और ना ही स्वच्छ वातावरण। शहर के किसी गंदे नाले के आसपास बसने वाली झोपड़पट्टियों में रहने वाले गरीब तबके के मजदूर कैसा नारकीय जीवन गुजारते हैं। उसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है। मगर उसको अपनी नियति मान कर पूरी मेहनत से अपने मालिकों के यहां काम करने वाले मजदूरों के प्रति मालिकों के मन में जरा भी सहानुभूति के भाव नहीं रहते हैं। उनसे 12-12 घंटे लगातार काम करवाया जाता है। घंटों धूप में खड़े रहकर बड़ी बड़ी कोठियां बनाने वाले मजदूरों को एक छप्पर तक नसीब नहीं हो पाता है। देश के कारखानों में काम करने वाले मजदूरों पर हर वक्त इसी बात की तलवार लटकती रहती है कि ना जाने कब मालिक उनको छंटनी कर काम से हटा दे। कारखानों में कार्यरत मजदूरों से निर्धारित समय से अधिक काम लिया जाता है। विरोध करने पर काम से हटाने की धमकी दी जाती है। मजबूरी में मजदूर कारखाने के मालिक की शर्तों पर काम करने को मजबूर होता है। कारखानों में श्रम विभाग के मापदण्डों के अनुसार किसी भी तरह की कोई सुविधायें नहीं दी जाती है। कई कारखानों में तो मजदूरों से खतरनाक काम करवाया जाता है जिस कारण उनको कई प्रकार की बिमारियां लग जाती है। कारखानों में मजदूरों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा, पीने का साफ पानी, विश्राम की सुविधा तक उपलब्ध नहीं करवायी जाती है। मालिकों द्वारा निरंतर मजदूरों का शोषण किया जाता है। मगर मजदूरों के हितों की रक्षा के लिये बनी मजदूर यूनियनों को मजदूरों की बजाय मालिकों की ज्यादा चिंता रहती है। हालांकि कुछ मजदूर यूनियनें अपना फर्ज भी निभाती है मगर उनकी संख्या कम है। हर बार मजदूर दिवस के अवसर पर सरकारें मजदूरों के हित की योजनाओं के बड़े-बड़े विज्ञापन जारी करती है। जिनमें मजदूरों के हितों की बहुत सी बातें लिखी होती हैं। किन्तु उनमें से अमल किसी बात पर नहीं हो पाता है। देश में सभी राजनीतिक दलों ने अपने यहां मजदूर संगठन बना रखे हैं। सभी दल दावा करते हैं कि उनका दल मजदूरों के भले के लिये काम करता है। मगर ये सिर्फ कहने सुनने में ही अच्छा लगता है हकीकत इससे कोसों दूर है। मजदूर दिवस सिर्फ एक अवकाश का दिन न होकर श्रमिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का दिन है। हमारे देश का मजदूर दिन प्रतिदिन और अधिक गरीब होता जा रहा है। दिन रात रोजी-रोटी के जुगाड़ में जद्दोजहद करने वाले मजदूर को दो वक्त की रोटी मिल जाए तो मानो सब कुछ मिल गया। आजादी के इतने सालों में भले ही देश में बहुत कुछ बदल गया होगा। लेकिन मजदूरों के हालात तो आज भी नहीं बदले हैं तो फिर श्रमिक वर्ग किसके लिये मजदूर दिवस मनायेगा।

'उन्हें' नहीं पता कि गुस्सा किस पर करें!

व्यंग्य

राजेंद्र शर्मा

भाई ये कमाल देश है। पहलगाम में आतंकवादी हमला हो गया। अट्ठाईस लोग मारे गए और डेढ़ दर्जन से ज्यादा घायल। नाम पूछकर और धर्म देखकर, गोली मारी। फिर भी पब्लिक है कि ढंग से गुस्सा तक नहीं है। लोग गुस्सा भी हो रहे हैं तो बच-बचकर। और तो और, जिन्होंने अपने परिजन खोए हैं, वह भी एक ही सांस में आतंकवादियों को गाली भी दे रहे हैं और कश्मीरियों के गुन भी गा रहे हैं। और कश्मीरी नेताओं के नहीं, मामूली कश्मीरियों के गुन गा रहे हैं। टट्टू वालों का, टूर वालों का, छोटे-मोटे सामान की दुकान चलाने वालों का, टैक्सी ड्राइवरों का, होटल वालों का शुक्रिया अदा कर रहे हैं कि उन्होंने संकट के वक्त में बड़ा साथ दिया। जो बच गए, उन्हीं ने तो मौत के मुंह से बचा के निकाला। अपनी जान की परवाह नहीं की, अपरिचित सैलानियों को, बच्चों को, औरतों को, बच्चों को बचाकर निकाला। जब गोलियां चल रही थीं, तब भी खुद बचकर भागने के बजाय, पीठ पर उठाकर घायलों को बचाया। अजब देश है, जहां आंसुओं के बीच से भी मौका निकालकर भुक्तभोगी, स्थानीय कश्मीरियों, दुकानदारों, व्यापारियों तक की तारीफ कर रहे हैं, जिन्होंने अपना नफा-नुकसान नहीं देखा, दर्द से तड़पते सैलानियों को इस कदर अपना लिया कि उनकी हमदर्दी में, कई दिन सब काम-काज बंद ही रखा। मारने वाले कश्मीरी थे कि नहीं, यह तो पता नहीं, पर खुद को मुसलमान जरूर कहते थे। पर मदद करने वाले पक्के कश्मीरी भी थे और मुसलमान भी। मारने वाले अगर चार या छह थे, हालांकि उनके पास बंदूक की राक्षसी ताकत थी, लेकिन जो मदद को बढ़े हाथ हजारों थे, जिनके पीछे इंसानियत का जज्बा था। फिर मारने वालों की वजह से, बचाने वालों पर गुस्सा कैसे करें? और वह भी तब, जबकि मरने वालों में टट्टू चलाने वाला सैयद आदिल हुसैन शाह भी था, जो सैलानियों को बचाने के लिए आतंकवादियों से ही भिड़ गया और मरते-मरते आतंकवादियों का मुसलमान का नकाब फाड़कर, उनकी पहचान फकत आतंकवादी की कर गया। तब सिर्फ गुस्सा करें, तो कैसे? गुस्से के साथ ही जो प्यार आ रहा है, उसका क्या करें? फिर भी देशभक्त लोग, परदेश में बहुत से अजीब लोग भी हैं। वे परेशान हैं कि गुस्सा करें, तो किस पर? सिर्फ अकारणीय आतंकवादी पर गुस्सा करें, तो गुस्सा निकालें किस पर? आगे-पड़ोस का कोई तो होना चाहिए, जिस पर गुस्सा कर सकें! अफसोस कि हिंदुओं का खून, उतना नहीं खौला, जितना खौलना चाहिए था और भोर नगाड़ों के साथ चढ़ाने के बाद भी हिंदुओं का खून उतना नहीं खौला। फिर भी उनकी मेहनत भी पूरी तरह अकारथ नहीं हुई और कुछ गर्मी तो हिंदुओं के खून ने दिखाई ही। भुक्तभोगी अपीलें करते रह गए कि आम कश्मीरी मुसलमानों को दोषी बनाकर, गुस्से के नाम पर आतंकवादियों के मंसूबों को उनकी गोलियों से आगे बढ़ाने का काम कोई नहीं करे, पर खून की गर्मी जोर मारे बिना नहीं रही। नाराजगी भी आतंकवादियों से और निकल दी पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा वगैरह में जगह-जगह कश्मीरी छात्रों पर, छोटे-मोटे काम करने वाले आम कश्मीरियों पर। जोड़-जोड़ राज में, व्यापारी, यहां-वहां जानों से मार गर्मी गर्मी! देश अजब-गजब है, जो राज करने वाले और भी गजब हैं। पहलगाम के हमले की खबर मिली, तो मोदी जी अपनी विदेश यात्रा अधूरी छोड़कर फौरन ही वापस लौट आए। पर कश्मीर नहीं आए। शाह साहब को पहले ही कश्मीर भेज चुके थे, वह भी मन को बहलाकर। शाह साहब भी बिना वक्त गंवाए, मरने वालों को सरकारी श्रद्धांजलि देने पहुंचे, लाल कालीन पर चलकर। शाह साहब मीटिंग-मीटिंग खेलकर दिल्ली लौट भी आए, पर मोदी जी कश्मीर नहीं आए। कश्मीर तो कश्मीर, मोदी जी तो पहलगाम पर अपनी सरकार की बुलायी सर्वदलीय बैठक तक में नहीं आए। मोदी जी आए बिहार में मधुबनी में। बिहार में जल्द ही चुनाव भी तो होना है। मौका, पब्लिक का दिमाग गर्म है, वोटों को ले सकते हैं। फिर क्या था, आतंकवाद एक्सपोज कर बरसे। मधुबनी में हिंदी में तो हिंदी में, अंग्रेजी में भी बरसे, ताकि दुनिया-अमेरिका तक सुनाई दे। आतंकवादियों को और उनके मददगारों को मिट्टी में मिला देने का एलान कर दिया। ऐसी सजा देने की धमकी दे डाली, जिसकी किसी ने कल्पना तक नहीं की होगी। फिर बिहार के लिए, तोहफों की एक और किश्त का एलान किया। दो रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। मंच पर नीतीश कुमार के साथ खी-खी की और दिल्ली आ गए। राहुल गांधी कश्मीर हो आए, पर मोदी जी कश्मीर नहीं आए। वैसे, मणिपुर तो उनका दो साल से इंतजार कर रहा है, कश्मीर का नंबर तो अभी चार-छह रोज पहले ही लगा है। जनता त्रस्त है, तो मोदी जी के विरोधी भी कम अजीब नहीं हैं। पहलगाम की खबर आने के बाद से, एक ही बात का शोर मचा रहे हैं कि यह तो सुरक्षा चूक हुई। फिर खुद ही सवाल करने लग जाते हैं कि इस सुरक्षा चूक के लिए जिम्मेदार कौन है? बेचारी सरकार कह रही है कि हां चूक है, क्या हुआ है, पर ये चूक और उसकी जिम्मेदारी पर ही अड़े हुए हैं। विपक्ष वालों ने चूक का इतना शोर मचाया, इतना शोर मचाया कि बेचारे डरी वाले मंत्री, किरण रिजिजू, ने एक चूक तो कबूल ही ली। अपने के मुंह से निकल ही गया कि चूक हुई थी, सब कुछ अच्छा चलने के बावजूद, कुछ चूक हुई थी। क्या चमत्कार हुआ? बेचारे को बाद में चूक वाला जिसका बयान जारी करना पड़ा। पर तब तक जुबान से निकले हुए शब्द, वह भी वीडियो में दर्ज शब्द, दूर-दूर तक फैल चुके थे। खैर! जैसे चूक की बात मानकर भी सरकार तो पल्ली ले रही है, वैसे तो कहीं जिम्मेदार कौन, का अपना जवाब भी सरकार को नहीं लेना पड़ जाए। सर्वदलीय बैठक में सरकार ने कहा कि बैसरन घाटी में कोई सुरक्षा नहीं थी, क्योंकि सरकार को किसी ने बताया ही नहीं था कि वहां सैलानी जा रहे थे। सौ रुपयों मारने वालों के बाद अगर मरने वालों को नहीं भी माने जाए, तब तो होटल वालों और टूर ऑपरेटरों की जरूरत थी, सरकार की इजाजत के बिना ही घाटी को सैलानियों के लिए खोल दिया। पर पता नहीं क्यों पहलगाम वाले और जम्मू-कश्मीर की सरकार वाले इस पर अड़े हुए हैं कि बैसरन वाली घाटी तो हमेशा से, ज्यादा बर्फ के टैम को छोड़कर, पूरे साल ही खुली रहती है। ना किसी से इजाजत ली जाती है, ना किसी को लिखकर दी जाती है। सरकार तो ऐसा बताए कि वहां से तो आशंका किस के कहने पर हटाई गयी थी। दिल्ली की सरकार को अगर यह बताना भी भारी लेना पड़ गया, तो सर्वदलीय बैठक में से क्यों ले कर बचा? आप जी का दुख। पर दुख क्या कौन कहे!

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, लक्ष्मण मूर्ति पथ, आनंदपुर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित। संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

नगर निगम व जीएमडीए द्वारा शहर में जलभराव निकासी को लेकर किए जा रहे उपायों का डीसी ने स्वयं फील्ड में उतरकर लिया जायजा

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में जलभराव की समस्या के निवारण के लिए जिला प्रशासन एक्शन मोड में है। आमजन को राहत देने के लिए नगर निगम व गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण द्वारा किए गए प्रबंधों का जायजा लेने के लिए डीसी अजय कुमार ने आज स्वयं फील्ड में उतरकर जलभराव वाले क्रिटिकल प्वाइंट्स का दौरा किया और जलनिकासी से जुड़े कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान जलनिकासी से जुड़े विभाग नगर निगम गुरुग्राम व गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के अधिकारी भी साथ रहे। डीसी अजय कुमार ने निरीक्षण दौरे में पंचशील भीत, शंकर चौक, सिकंदरपुर, शिव नादर स्कूल, एआईटी चौक, सेक्टर 52, 56, 46, 47, 57, सुशांत लोक, आर्टेमिस रोड तथा मेफील्ड गार्डन का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में जिन स्थानों पर पिछले मॉनसून में ज्यादा जलभराव हुआ था। वहां इस बार मॉनसून से पूर्व सभी आवश्यक

तैयारियां समय रहते पूरी कर लें। डीसी ने एनएचएआई के अधिकारियों को अंडरपास में एंट्री से पहले टेबल टॉप ब्रेकर का निर्माण करने के साथ-साथ वहां अधिक क्षमता वाले वॉटर पंप लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम की सीमा में राष्ट्रीय राजमार्ग के नीचे बने सभी कलवर्ट व साथ लगती ड्रेन की सफाई करवाना सुनिश्चित करें ताकि बरसात का पानी मुख्य ड्रेन में आसानी से चला जाए। इसके साथ ही एनएचएआई के अधिकारियों को उनके कार्यक्षेत्र में बरसाती पानी निकासी के प्रबंधों में आवश्यकतानुसार सुधार करने की हिदायत दी गई।

एनएचएआई के अधिकारियों ने डीसी को बताया कि शहर के विभिन्न हिस्सों में लोगों द्वारा सर्विस ड्रेन में कूड़ा फेंकने से वहां ड्रेन का अवरुद्ध होना एक बड़ी समस्या है। डीसी ने उल्लेखित समस्या पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम के अधिकारियों से कहा कि वे एनएचएआई द्वारा बताए गए ऐसे चिन्हित स्थानों पर बड़े कूड़ादान रखवाएं व इसके साथ ही स्थानीय लोगों को इस बारे में जागरूक भी करें कि वे कूड़ा उन कूड़ादानों में ही डालें। डीसी ने कहा कि वे जल्द ही नरसिंहपुर, हीरो होंडा चौक का दौरा कर वहां किए जा रहे कार्यों का जायजा लेंगे।

सोशल मीडिया पर ना डालें आपत्तिजनक पोस्ट वरना होगी सख्त कानूनी कार्रवाई: राजेश कुमार

नूंह। मेवात पुलिस कप्तान राजेश कुमार ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया पर कोई भी व्यक्ति ऐसी पोस्ट ना डाले जिससे किसी व्यक्ति की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचती हो या धार्मिक सौहार्द को खतरा पैदा हो। पुलिस अधीक्षक ने यह भी कहा कि किसी भी तरह की अमर्यादित भाषा किसी व्यक्ति विशेष, जाति, धर्म संप्रदाय को आहत करने की मंशा से पोस्ट के रूप में कोई भी वीडियो/फोटो या अभिलेख ना डालें। अगर किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा कोई भी आपत्तिजनक पोस्ट डाली गई तो उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की भी कोई गलत अफवाह ना फैलाए। अगर कोई भी सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएगा या फिर किसी के धर्म या जाति पर कोई गलत टिप्पणी करेगा तो उस पर पुलिस सख्त एक्शन लेगी। नूंह पुलिस सोशल मीडिया पर लगातार पैनी नजर बनाए हुए है। लोगों से भी अपील है कि समाज में आपसी भाईचारा बनाकर रखें और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का प्रयोग सदैव आपसी भाईचारे व सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए ही करें। गलत कार्य करने वालों और शरारती तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। आगे कहा कि यदि आपके आसपास कोई भी असामाजिक तत्व, संदिग्ध व्यक्ति व वाहन दिखाई दें तो उसकी सूचना तथा किसी भी आपातकालीन स्थिति में आवश्यकता पड़ने पर तुरंत संबंधित थाना या डायल 112 पर सूचना दें।

किसानों को गाय के संरक्षण व खेती-बाडी गतिविधियों में पशु धन को शामिल करना चाहिए : रोशन लाल

तावडू। हमारा धार्मिक स्वभाव हमारी गतिविधियों व व्यवहारिकता में भी झलकना चाहिए। देश का दुर्भाग्य है कि गाय जिसे हम गौ माता के नाम से संबोधित करते हैं, वही गाय सड़कों पर विचर रही है। आज हमें इस विषय पर ध्यान देकर कोई हल निकालने की आवश्यकता है। यह विचार गांव खोरी कलां के विजय नगर में स्थित श्रीकृष्ण गौशाला के रोशन लाल ने रखे। उन्होंने कहा कि किसानों को गाय के संरक्षण व खेती-बाड़ी गतिविधियों में पशु धन को शामिल करना चाहिए। हर क्षेत्र में गाय की अहम भूमिका है। गाय का दूध सबसे स्वच्छ व सेहतमंद तथा रोग प्रतिरोधक व शक्तिवर्धक है। एक ग्राम गाय के गोबर में तीन सौ करोड़ उपयोगी जीवाणु पाए जाते हैं। गौ मूत्र अमृत के समान उपयोगी है। आयुर्वेदिक दवाइयों में भी गौ मूत्र इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गौरक्षण-गौसंवर्धक कानून बनाया है। लेकिन जबतक किसान जागरूक नहीं होगा और खेती बाड़ी में पशुधन को शामिल नहीं करेगा तब तक गौ वंश का संरक्षण-संवर्धन संभव नहीं। प्रदेश सरकार को भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

तावडू में नव द्विसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं राष्ट्र आराधना का भव्य आयोजन किया जाएगा

तावडू। शहर की पंजाबी धर्मशाला में अनुपम ज्योति जागरूक परिवार एवं पटौदी मानव निर्माण अभियान के तत्वाधान में आगामी 2 मई से 11 मई तक नव द्विसीय श्रीमद भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं राष्ट्र आराधना का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी समाज सेवी बल्लभ जैन ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को परिणामी-भक्तिभाव से पूर्ण बनाने के लिए पूज्य गुरुदेव स्वामी सुशीलगिरि महाराज के कृपा पात्र शिष्य पंडित देवेश कृष्ण मस्तिंद्रानंद श्रीधाम वृंदावन वाले ज्ञान वर्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी 2 मई को प्रातः 8 बजे मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी। वहीं 2 मई से 11 मई तक सायं 3 बजे से 7 बजे तक कथा की जाएगी। उन्होंने बताया कि 11 मई को हवन कीर्तन एवं प्रसाद प्रभु इच्छा तक चलेगा।

जैन धर्म में अक्षय तृतीया का है अनंत महत्व : रजत जैन

नूंह। वैशाख शुक्ल पक्ष अक्षय तृतीया का जैन धर्म में अनंत महत्व है। ये पर्व समृद्धि व अनंत वैभव का प्रतीक है। ये दिन सुख के अनंत भाग्यशाली दिनों में से एक है। आज के दिन वर्तमान चौबीसी के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) ने लगभग एक वर्ष एक माह 10 दिन के पश्चात आहार ग्रहण किया था। सर्वजातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष रजत जैन ने यह जानकारी देते हुए बताया की भगवान आदिनाथ ने छह माह का उपवास (व्रत) रखा था। उपवास की समय अवधि पूर्ण होने के पश्चात तीर्थंकर आदिनाथ आहार लेने के लिए नगर में गए तो जनता को आहार देने की विधि का ज्ञान (जानकारी) नहीं था इस कारण से वह ज्ञान के अभाव में उन्हें हीरे जवाहरात आदि वस्तुएं देने का प्रयास किया लेकिन भगवान आदिनाथ ने उन्हें ग्रहण नहीं किया इसी प्रकार सात माह एक 09 दिन का समय बिना आहार लिए और व्यतीत हो गया।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 1 को कनीना में करोड़ों रुपए की विकास परियोजनाओं का करेंगी उद्घाटन व शिलान्यास

एजेंसी

नारनौल। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव 1 मई को कनीना में करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की जा रही विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगी। यह जानकारी देते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इन परियोजनाओं में सिंचाई, सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति, शिक्षा एवं ग्रामीण आधारभूत ढांचे से संबंधित कार्य शामिल हैं, जिनका उद्देश्य क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति करना और ग्रामीण जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है।मंत्री आरती सिंह राव इसी कार्यक्रम में कोरियावास और खैराना गावों में रेडक्रास सोसाइटी द्वारा आयोजित किए जा चुके स्वास्थ्य जांच एवं सहायता शिविरों में पंजीकृत परिवारों को राहत सामग्री भी वितरित करेंगी। इस राहत सामग्री में कृत्रिम अंग, दवाइयां आदि वस्तुएं

शामिल हैं। कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि, पंचायत प्रतिनिधि, जिला प्रशासन के अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी व अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद रहेंगे।

यदुवंशी स्कूल, नारनौल के 6 छात्रों ने यूपीएससी की एनडीए-एक परीक्षा में पाई शानदार सफलता

एजेंसी

नारनौल। यूपीएससी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए-एक) परीक्षा 2025 में यदुवंशी शिक्षण संस्थान, नारनौल के 6 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर संस्थान और जिले का नाम गौरव से ऊंचा कर दिया है। जिसमें सिद्धार्थ, अंकित दहिया, गौरव, समीर, गगनदीप व यश यादव शामिल हैं। इस उल्लेखनीय सफलता पर चेयरमैन राव बहादुर सिंह, डायरेक्टर सुरेश यादव, प्राचार्य डॉ. अनंत शर्मा एवं उप-प्राचार्य नरेश यादव सभी सफल छात्रों को बधाई दी। उन्होंने इसे संस्थान की गुणवत्ता शिक्षा, कठिन परिश्रम और विद्यार्थियों की लगन का परिणाम बताया। राव बहादुर सिंह ने कहा हमारे छात्र हर वर्ष नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। यह सफलता देश सेवा की भावना को और मजबूती देगी। प्राचार्य डॉ. अनंत शर्मा ने कहा कि यह विद्यार्थियों की मेहनत और सही मार्गदर्शन का उत्कृष्ट

डायरेक्टर सुरेश यादव ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों को भी प्रेरणा देगी और आने वाले वर्षों में और अधिक छात्र एनडीए, जेईई, नीट, क्लैट जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे।

उदाहरण है। डायरेक्टर सुरेश यादव ने कहा कि यह उपलब्धि अन्य छात्रों को भी प्रेरणा देगी और आने वाले वर्षों में और अधिक छात्र एनडीए, जेईई, नीट, क्लैट जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। यदुवंशी नारनौल ने एक बार फिर साबित किया कि मेहनत और समर्पण से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

भाकड़ौजी गांव के लोगों ने सीखा आपदा से निपटना

रात्रि ठहराव कार्यक्रम में एनडीआरएफ की टीम ने लगाया स्टॉल

एजेंसी

नूंह। गत रात्रि उपायुक्त विश्राम मीणा के मार्गदर्शन में उप मंडल फिरोजपुर झिरका के गांव भाकड़ोजी में समाधान शिविर लगाया गया जिसमें 8th BN NDRF की टीम द्वारा कम्युनिटी अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया गया

जिसमें की गांव के महिलाओं, बच्चों, एवं बुजुर्गों को आपदा से निपटने के गुर सिखाये गये इसके बाद NDRF टीम द्वारा NDRF के उपकरणों की प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमें की टीम द्वारा , बाढ़ से बचाव के उपकरण, रेडियोलॉजिकल उपकरण, C.S.S.R उपकरण,केमिकल उपकरण,माउंटेनिंग उपकरण , मेडिकल उपकरण ,रेडियो टेलिकॉम उपकरण आदि के बारे में ग्रामीणों को जानकारी दी गई। इस प्रदर्शनी में NDRF टीम के मुख्य रूप से सरोज रानी (सहायक सेनानी),इंस्पेक्टर नीरज कुमार,मोहन लाल , सुनिल कादेला,हवलदार कुलविंदर, भागमल, सुनील, अनिल, अभिमन्यु, श्यामलखन, आशीष व सिपाही जगबीर सिंह, सचिन, भीमाराम, कमलजीत परमजीत अंकित, शिशिर , गौतम तथा भगवान राम शर्मा मौजूद रहे।

हर भारतवासी को खड़े होकर यह कहना चाहिए कि 'नरेंद्र मोदी हम आपके साथ है' : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाने पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह युद्ध का समय है और ऐसे समय में आपस में नहीं लड़ा करते। वैसे तौर पर इनके दिमाग में कुछ प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन उन्हें उठाने का यह समय नहीं है। उन्होंने कहा यह समय सारे देश की एकता दिखाने का है, हर भारतवासी को खड़े होकर यह कहना चाहिए कि नरेंद्र मोदी हम आपके साथ है, आप लड़ाई करो हम आपके साथ हैं। भारत की जवाबी कार्रवाई से बचने के लिए पाकिस्तान ने आतंकियों को उनके लांच पैड से हटाकर कैंप में भेज दिया है पर प्रतिक्रिया देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह रहेंगे तो पाकिस्तान में ही न, कहीं भी यह दौड़कर चले जाएंगे इन्हें हम नहीं छोड़ेंगे। यह बार-बार हमारी शांति भंग करते हैं, कश्मीर की खुशहाली देखकर इनके सीने पर जो सांप लोटता है कि हम तो भूखे मर रहे हैं और कश्मीर तो तरक्की कर रहा है। कश्मीर में पौने दो करोड़ सैलानी आए जिससे कश्मीर की अर्थव्यवस्था कितनी बढ़ती है। ऐसे में यह धर्म पूछ-पूछकर लोगों को मार रहे हैं। यदि किसी दिन हिंदुओं ने निर्णय कर लिया कि न हम वैष्णो

देवी जाएंगे, न अमरनाथ जाएंगे और न हम कश्मीर में सैलानी बनकर जाएंगे। ऐसे में अर्थव्यवस्था का क्या हाल होगा। पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड पाकिस्तान का पूर्व एसएसजी कमांडर हाशिम मूसा बताया जा रहा है जबकि पाकिस्तान इस हमले में अपना कोई हाथ होने पर इंकार कर रहा है जिसपर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि फिर यह पाकिस्तान छोड़-छोड़ क्यों भाग रहे हैं और बच्चों को विदेशों में क्यों भेजा जा रहा है। आज तक किसी चोर ने यह नहीं कि मैं चोर हूं, इसका फैसला तो निष्पक्ष ताकतें कर दी है और फैसला भारत ने कर दिया है कि हम किसी भी हालत में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बार-बार कहा है कि यह जो खून तुमने बहाया है इसका हम इंसाफ करेंगे तथा मोदी जो जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमने 1965 व 1971 की लड़ाई देखी जब अम्बाला में बम गिरे और लोगों ने तब छतों पर खड़े होकर विमान देखे और हौसला दिखाया था। हमने 1999 में कारगिल लड़ाई देखी जब सैनिक दायित्व निर्वाह के लिए जोश के साथ यहां से आगे जा रहे थे। तब यहां पर लोगों ने सैनिकों के लिए जलपान आदि का प्रबंध भी किया। हम पूरी तरह से आज भी तैयार हैं और कोई भी भेष बदलकर आ जाए उसे भेद दिया जाएगा।

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए एहतियात बरतें जिलावासी: अजय सिंह तोमर

एजेंसी

अम्बाला। उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने कहा कि गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी बचाव इलाज से बेहतर है। जिला प्रशासन द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका सभी पालन करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखें।

हीट वेव से बचाव के लिए अपनाएं ये उपाय

उपायुक्त अजय सिंह तोमर ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल

रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। पार्किंग के समय बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आराम लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन ना करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 3 बजे के बीच धूप में सीधे ना जाएं। यदि बच्चे को उल्टी, घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

उपायुक्त ने बताया कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें। ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो, यदि वे गर्मी से बेचैनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें, उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें, उनके शरीर को ठंडक देने के साथ साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं, उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही है किसी भी क्षेत्र में विकास की कुंजी: उपायुक्त

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी क्षेत्र में विकास की कुंजी है। एक शिक्षित व्यक्ति एक बेहतर समाज और एक विकसित राष्ट्र का निर्माण करता है। जिला नूंह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है और प्रदेश के सरकारी स्कूल निजी स्कूलों के बराबर बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। उपायुक्त ने गांव भाकड़ोजी में उपयुक्त स्थान देखकर कंपटीशन एग्जाम की तैयारी के लिए एक लाइब्रेरी खोलने का आश्वासन भी दिया। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को नशे से दूर रखना है इसके लिए युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ानी होगी ताकि हमारे युवा खेलों में आगे बढ़ सकें। उन्होंने भाकड़ोजी के युवाओं के लिए वॉलीबॉल का नेट लगाने के लिए भी आदेश दिए। उन्होंने खेलों मेवात कार्यक्रम में युवाओं से बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की अपील भी की। उपायुक्त ने पेयजल संबंधित शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कहा

कि आगामी गर्मी के मौसम के दौरान गांव भाकड़ोजी व आसपास के अन्य गांवों में पेयजल की आपूर्ति निर्बाध रूप से की जाए। इसके लिए जनस्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बेहतर योजना के साथ कार्य करें तथा किसी भी गांव में पेयजल की किल्लत नहीं होनी चाहिए। अगर किसी गांव में पेयजल आपूर्ति बाधित होती है तो वहां पर पानी की आपूर्ति तुरंत टैंकर्स के माध्यम से की जाए, ताकि गर्मी के मौसम में ग्रामीणों को कोई परेशानी न हो। उपायुक्त बीती रात गांव भाकड़ोजी में आयोजित जन सुनवाई एवं रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों की शिकायतों का समाधान करने के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस रात्रि ठहराव कार्यक्रम में सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर पूरा दिन ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया तथा उन्हें अपने विभागों से संबंधित जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिनभर करीब 215 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की जांच की और उन्हें दवाइयां दी। इसी प्रकार आयुष विभाग द्वारा करीब 512 से अधिक ग्रामीणों को निशुल्क दवाइयां दी गईं। इस दौरान रक्तदान शिविर में ग्रामीणों ने 8 यूनिट रक्तदान भी किया। क्रिड से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। इसके अलावा विभिन्न विभागों से संबंधित करीब 38 शिकायतें और प्राप्त हुई, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा रात्रि ठहराव कार्यक्रम के अलावा जिला व उपमंडल स्तर पर भी सप्ताह में दो दिन शिकायतें प्राप्त कर उनका समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विभागों को भी अपने स्तर पर लोगों की समस्याओं को तत्परता के साथ निपटाना चाहिए।

कानून व्यवस्था सुदृढ और समाज में सदभावना कायम करना है उद्देश्यः अनिल कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। न्यू कालोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में पुलिस पूरी तरह से मुस्तैदी के साथ कानून व्यवस्था बनाए रखने में काम कर रही है। समाज के समस्त वर्गों में सद्भाव कायम रखने का प्रयास किया जाता है। यह बात न्यू कालोनी थाना प्रभारी अशोक कुमार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कही। उनका कहना है कि न्यू कालोनी थाना के अंतर्गत न्यू कालोनी, मदनपुरी, ज्योति पार्क, अर्जुन नगर, बलदेव नगर आदि कालोनियां आती हैं। थाना में 2 डायल 112 (पुलिस जिप्सी) और 3 राइडर हैं। पुलिस का प्रयास रहता है कि अधिक से अधिक क्षेत्रों में लगातार गश्त होती रहे और आमजन को सुरक्षित वातावरण मिले। उन्होंने कहा कि थाना पुलिस एक दिन में करीब 50 चालान करती है, जिनमें एक चालान 500 रुपए से 10 हजार रुपए तक का होता है। अधिकांश ऑनलाइन चालान का भुगतान होता है। बिना किसी नाकाबंदी के सरप्राइज विजिट करके कहीं भी चालान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा आदेशानुसार व डीसीपी ट्रैफिक विरेंद्र विज के निर्देशानुसार ब्लैक फिल्म, रॉन्ग साइड, दोपहिया वाहन पर 3 सवारी बैठाना, बिना हेलमेट, जेबा क्रॉसिंग, बिना नंबर प्लेट अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के चालान किए जाते हैं। थाना प्रभारी अनिल कुमार ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने 18 वर्ष से कम आयु के टीन एज बच्चों को वाहन न चलाने दें। जिनके बच्चे बुलेट मोटरसाइकिल में साइलेंसर लगवाकर पटाखे छोड़ते हुए जाते हैं, उनसे विशेष रूप से आग्रह किया कि वे बच्चों को हिदायत दें कि वे इस प्रकार का साइलेंसर न लगवाएं। अचानक किसी महिला या बुजुर्ग के सामने जब कोई युवा बुलेट पटाखे छोड़कर जाता है तो वे कई बार घबराकर दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। न्यू कालोनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत वैसे तो शांति है। उन्होंने असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे या तो अपनी हरकतें छोड़ दें या फिर क्षेत्र ही छोड़ दें।

रोहतक शहर में पीने के पानी को लेकर मचा हाहाकार

एजेंसी

रोहतक। शहर में पीने के पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। स्थिति यह है कि बीस दिन से अधिक समय हो चुका है और कई कालोनियों में पानी की सप्लाई नहीं हुई है। इस वक्त लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है। इसके अलावा पानी के लिए बोरिंग कराई जा रही है और वॉटर लेवल भी काफी नीचे जा चुका है। कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा ने मंगलवार को शहर की कई कालोनियों का दौरा किया और पानी सहित अन्य समस्याओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए। विधायक बीबी बत्रा पानी की समस्या को लेकर कच्चा बेरी रोड कालोनी पहुंचे और इस दौरान लोगों से बातचीत की। बत्रा ने प्रशासनिक अधिकारियों व सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 15 साल पहले जो पाइप लाइन दबाई गई थी वही पाइप लाइन आज भी चल रही है, अब जनसंख्या बढ़ चुकी है। विधायक भारत भूषण बत्रा ने कहा कि कच्चा बेरी रोड पर डेरियों के गोबर से सीवर ब्लॉक व ओवर फ्लो हो जाते हैं जिसके कारण सारा गंदा पानी व गोबर रोड पर आ जाता है। वहां रहने वाले दुकानदारों और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने नगर निगम प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि कच्चा बेरी रोड पर बनी एंक्रोचमेंट को खत्म कर रोड़ की जाली लगानी चाहिए जिससे सफाई भी हो जाए और पानी भी आसानी से जा सके। वहीं शहर की कई कालोनी में हो रही पीने के पानी की समस्या को लेकर भी विधायक भारत भूषण बत्रा ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार 10 साल में लोगों को साफ पानी तक नहीं दे पाई है। अब गर्मी का समय आ चुका है और हर कॉलोनी में पीने के पानी की समस्या है। उन्होंने कहा कि वह कई बार विधानसभा में इन मुद्दों को उठा चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारी इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

जींद में छात्रा ने खेत में संभाला ट्रेक्टर,पिता के साथ कटवा रही गेहूं

एजेंसी

जींद। जिस उम्र में बेटी पिता से स्कूटी की मांग करती है, उस उम्र में इस्सवा की मुस्कान गेहूं के सीजन में तूड़ी बनाने के लिए ट्रैक्टर से रिपर चलाकर पिता का सहारा बन रही है। बेटी बेटों से कम नहीं है, यह साबित करने का काम किया है मुस्कान ने। मुस्कान अपने पिता प्रवीण के साथ काम करा रही है। चार बहनों में सबसे बड़ी मुस्कान के भाई नहीं है। अपने ताऊ के साथ खेत के कार्य से मुस्कान 9 साल की उम्र में जाती थी। खेत में जाते-जाते वो खेत में होने वाले ट्रैक्टर से कार्य को सीखती रही। कुछ सालों से वो अपने पिता के साथ खेत की जुताई का काम करने जाने लगी। इस बार गेहूं के सीजन में रिपर से वो तूड़ी बनाने में अपने पिता का हाथ बंटवा रही है। ट्रैक्टर के कार्य से ही प्रवीण अपने परिवार का पालन पोषण करता है। मुस्कान ने कहा कि उसने अपने पिता के सहारा बनने के लिए ट्रैक्टर चलाना सीखा, ताकि गेहूं के सीजन में कार्य कर सके। दसवीं कक्षा के बाद वो अपनी पढ़ाई जारी रखेगी। साथ में अपने पिता के काम में सहयोग करती रहेगी। उसने कहा कि हर किसी को चाहिए कि वो अपने माता-पिता का सहारा बने। जो बेटी को बेटे से कम समझते हैं वो अपनी सोच को बदलें आज बेटी किसी क्षेत्र में बेटे से कम नहीं है। मुस्कान ने कहा कि उसके ताऊ का सपना था कि वो पुलिस की नौकरी करे। इसलिए वो पुलिस की नौकरी पाने के लिए पूरी मेहनत करेगी, ताकि अपने ताऊ के सपने को पूरा करे।

आनंदीबेन पटेल की पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन 1 मई को करेंगे उपराष्ट्रपति

एजेंसी

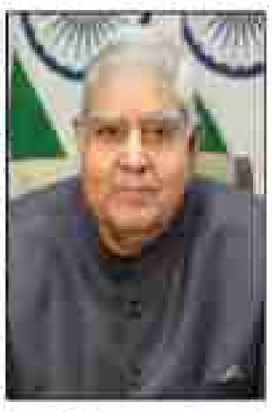

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने एक दिवसीय दौरे पर 1 मई को लखनऊ आ रहे हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ वहां एक समारोह में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की लिखित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' का विमोचन करेंगे इस संबंध में उपराष्ट्रपति सचिवालय की ओर से उत्तर प्रदेश राजभवन को यह सूचना दी गई है। कार्यक्रम के लिए स्वीकृति मिलते ही राजभवन में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। उपराष्ट्रपति के स्वागत में शहर के प्रमुख भवनों को सजाया जा रहा है।

रिजिजू ने दी हज यात्रा के लिए शुभकामनाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पवित्र हज यात्रा पर जाने वाले सभी 1,22,518 तीर्थयात्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। पहली उड़ान लखनऊ से 288 और हैदराबाद से 262 तीर्थयात्रियों के साथ रवाना हुई। अपने एक्स पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार एक सुरक्षित और निर्बाध हज यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने एक सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध तीर्थयात्रा के लिए भी प्रार्थना की।

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले आरोपी 39 कार्ड के साथ गिरफ्तार

नई दिल्ली। मानसरोवर पार्क थाना पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपित फिरोज उर्फ मोनू के पास से 39 लोगों के एटीएम कार्ड बरामद किए गए हैं। आरोपित पर इसी तरह के दर्जनों केस दर्ज हैं। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 13 अप्रैल को मानसरोवर पार्क थाने में बाबू राम ने अपने साथ एटीएम कार्ड बदलकर 60 हजार रुपए की ठगी की शिकायत दी। एसआई अमित बेनीवाल, एसआई संदीप बिश्नोई की टीम ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। पीड़ित ने बताया कि वह चंद्रलोक कॉलोनी में स्थित पीएनबी बैंक के एटीएम में गया था। जहां उसका कार्ड एक शख्स ने कार्ड बदल दिया। टीम ने घटनास्थल से सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करके आरोपी की पहचान की। आरोपित की पहचान होने के बाद पुलिस टीम ने उसे 21 अप्रैल को नत्र बंदी कॉलोनी, लोनी, गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने बताया कि वह अपने साथी फरमान और आनू कार्ड बदलता है और ठगी करता है। फिलहाल पुलिस बाकि आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

गाजियाबाद नगर निगम ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड के जरिए जल प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाई

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के तहत गाजियाबाद (उप्र) ने देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड को सफलतापूर्वक जारी करके सधारणीय बुनियादी ढांचे और शहरी लचीलेपन को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इससे अत्याधुनिक तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) के विकास के लिए 150 करोड़ जुटाए गए हैं। आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि यह सिर्फ एक और बुनियादी ढांचा परियोजना नहीं बल्कि एक गेम-चेंजर है, जो गाजियाबाद की अपने नागरिकों के लिए एक सधारणीय भविष्य बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। निधियों को एक उन्नत टीएसटीपी के विकास की दिशा में निर्देशित किया गया है, जो एक अत्याधुनिक सुविधा है। इसे अभूतपूर्व पैमाने पर अपशिष्ट जल का उपचार और पुन: उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड ने भारत के वित्तीय परिदृश्य में एक नया अध्याय लिखा, जो शहरी बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण के लिए एक सधारणीय

मॉडल प्रदान करता है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के समर्थन से यह परियोजना सिर्फ एक जल उपचार सुविधा से कहीं अधिक है। यह भारत भर के भविष्य के शहरों के लिए वित्तीय अनुशासन को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ने का खाका है। इस पहल के केंद्र में तृतीयक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (टीएसटीपी) है, जो एक तकनीकी चमत्कार है, जो माइक्रोफिल्ट्रेशन, अल्ट्राफिल्ट्रेशन, नैनोफिल्ट्रेशन और रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) सहित उन्नत मेम्ब्रेन फिल्ट्रेशन तकनीकों का उपयोग करता है। ये अत्याधुनिक तकनीकें यह सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करती हैं कि उपचारित पानी उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे यह औद्योगिक प्रक्रियाओं में पुन: उपयोग के लिए उपयुक्त हो जाता है। 40 एमएलडी की उपचार क्षमता के साथ टीएसटीपी एक विशाल 95 किलोमीटर पाइपलाइन नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जो गाजियाबाद में 1,400 से अधिक औद्योगिक इकाइयों को उपचारित पानी पहुंचाता है। यह प्लांट सुनिश्चित करता है कि अपशिष्ट जल अब बर्बाद न हो, बल्कि इसके बजाय एक मूल्यवान संसाधन में बदल जाए, जो शहर के औद्योगिक क्षेत्र का समर्थन करता है। इससे मीठे पानी के स्रोतों पर निर्भरता कम होती है। टीएसटीपी को पब्लिक-प्राइवेट हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत विकसित किया गया था, जिसमें 40% नगरपालिका निधि थी। इस सार्वजनिक-निजी भागीदारी दृष्टिकोण ने वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करते हुए परियोजना के कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने में मदद की। ग्रीन बॉन्ड जारी करने के माध्यम से 150 करोड़ रुपये जुटाने में गाजियाबाद नगर निगम की सफलता ने शहर के सतत दृष्टिकोण में निवेशकों के विश्वास को प्रदर्शित किया और शहरी स्थानीय निकाय में वित्तीय पारदर्शिता और अनुशासन का एक नया स्तर स्थापित किया है।

पद्म पुरस्कार विजेताओं ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2025 के 71 पद्म पुरस्कार विजेताओं ने राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रीय समर स्मारक पर निर्देशित दौरे पर पहुंचे 2025 के प्रतिष्ठित पद्म पुरस्कार विजेता वहां वीरता चक्र में भित्ति चित्रों पर दर्शाए गए युद्धों में बहादुरों की वीरता की कहानियों से अवगत हो गए। उन्होंने स्मारक की भव्यता और वैचारिक डिजाइन की भी सराहना की। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह-1 में वर्ष 2025 के लिए 4 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किए।

इनमें बिहार के दिवंगत पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, गायक पंकज उधास, सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख ओसामु सुजुकी और शेखर कपूर आदि प्रमुख थे। इस साल 139 व्यक्तियों का चयन पद्म पुरस्कारों के लिए किया गया था। प्रथम चरण में 71 विभूतियों को सम्मानित किया गया।

कांग्रेस के विवादित पोस्ट पर भाजपा हमलावर, कहा- आतंकी हमले में पाकिस्तान का साथ दे रही कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाने वाले कांग्रेस के एक्स पर विवादित पोस्ट को लेकर उस पर निशाना साधा है। भाजपा ने कांग्रेस पर पाकिस्तान का साथ देने का आरोप लगाया है। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान को संकेत दे रही है कि इस आतंकी हमले में वह पाकिस्तान के साथ खड़ी है, न कि अपने देश के साथ। यह कांग्रेस द्वारा किया गया कोई मासूम पोस्ट नहीं है। यह हमारे देश की अखंडता को कमजोर करने और प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाने की एक भयानक, जहरीली साजिश है। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि पहलगाम में आतंकी हमला हुआ। भाटिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी स्पष्टता से कहा कि आतंकियों को नेस्तनाबूद कर दिया जाएगा और उनके आकाओं को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो जीवन भर याद रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत की पूरी शक्ति जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व, हमारी वीर सेना की ताकत और 140 करोड़ भारतीयों की शक्ति, दुआएं और प्रार्थना शामिल है, जो आज एक लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने कहा कि एक ऐसा भारतीय राजनीतिक दल भी है, जो हमारे बीच रहता है, लेकिन अगर उसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहा जाए, तो गलत नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ता से कहा है कि आतंकियों का सफाया किया जाएगा और उन्हें समर्थन देने वाले देश को उसकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। इस मुद्दे पर पूरा देश एकजुट है। हालांकि, एक तथाकथित राष्ट्रीय पार्टी दुश्मन ताकतों के साथ गठबंधन करती दिख रही है। इसे लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहना पूरी तरह से अनुचित नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी जो भारत के हर नागरिक के लिए सुरक्षा की चट्टान हैं, उस चट्टान को तोड़ने की आज कांग्रेस कोशिश कर रही है। कांग्रेस में बिना राहुल गांधी की सहमति के पत्ता तक नहीं हिलता। राहुल गांधी के कहने पर ही ऐसे पोस्ट किए जाते हैं। भाटिया ने कहा कि पाकिस्तान और कांग्रेस की जुगलबंदी को लगता है कि वो भारतीय सरकार को कमजोर कर सकते हैं और हमारी सेना का मनोबल तोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सेना का मनोबल हिमालय से भी ऊंचा है। हमारी सरकार और हमारे देश का मनोबल चट्टान की तरह मजबूत है और किसी में भी इस समय इतना दम नहीं है कि वह देश का मनोबल तोड़ना तो दूर, कम भी कर सके।

दिल्ली में नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की मनमानी, कैबिनेट ने दी फीस बिल को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने स्कूल फीस बिल को मंजूरी दी। सीएम रेखा गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए खुद यह जानकारी दी। इस बिल के लागू होने के बाद दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों को फीस बढ़ाने की मनमानी पर रोक लग जाएगी। पिछले कुछ दिनों से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से अभिभावक मिलकर इस बात की शिकायत कर रहे थे। अब जल्द ही विधानसभा में इसे कानून की शक्ल दी जाएगी। एक अर्जेंट सत्र बुलाकर इस बिल को प्रस्तुत किया जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जिन अभिभावकों ने बताया है कि हमारे बच्चों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है और फीस के लिए अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है, उसकी जांच के लिए हमने अपने जिला अधिकारियों को स्कूलों में भेजा। सीएम ने कहा कि 1973 के दिल्ली स्कूल एक्ट में फीस को लेकर एक प्रावधान 17(3) है, जिसमें ऐसी कोई गाइडलाइन नहीं थी कि प्राइवेट स्कूलों की फीस न बढ़े और जिसके लिए सरकार के पास क्या ताकत है और क्या प्रक्रिया अपनाई जानी चाहिए। 1973 से लेकर आज तक इस पर कोई प्रावधान नहीं हुआ कि स्कूलों पर लगाम कैसे लगाई जाए। लेकिन आज मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासिक और साहसिक फैसला लिया है। आज हमने कैबिनेट में ड्राफ्ट बिल पास किया है, जिसमें सभी प्राइवेट स्कूलों में फीस को लेकर पूरी गाइडलाइन तय की जाएगी और इतिहास में पहली बार दिल्ली

सरकार द्वारा ऐसा बिल तैयार किया जा रहा है, जो अपने आप में फूल प्रूफ है। सीएम ने कहा कि अब माता-पिता को अपनी शिकायतों के लिए किसी के दरवाजे पर जाने या आंसू बहाने की जरूरत नहीं होगी। एक अर्जेंट सत्र बुलाकर इस बिल को प्रस्तुत किया जाएगा।

महिला संबंधी विषयों पर अभाविप के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मुलाकात कर महिलाओं एवं छात्राओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर एक 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन 10 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित छात्रा संसद में देशभर से आए 300 से अधिक छात्रा प्रतिनिधियों द्वारा विस्तृत की गई विस्तृत चर्चा एवं संवाद के आधार पर तैयार किया गया है इस संसद में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आत्मरक्षा, आर्थिक सहभागिता, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण जैसे प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। उन्हीं चर्चा के निष्कर्षस्वरूप यह ज्ञापन तैयार कर भारत सरकार को प्रस्तुत किया गया है, ताकि महिलाओं और छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए नीतिगत स्तर पर प्रभावी पहल की जा सके। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, देश की छात्राएं और महिलाएं न केवल वर्तमान भारत की रीढ़ है, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा भी निर्धारित करती हैं। शिक्षा परिसरों से लेकर समाज के हर क्षेत्र में उनकी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का यह 13 सूत्रीय ज्ञापन केवल मांगों की सूची नहीं, बल्कि छात्राओं की जमीनी चुनौतियों का प्रतिबिंब और उनके समाधान का ठोस खाका है। हम अपेक्षा करते हैं कि केंद्र सरकार इन सुझावों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र अति शीघ्र प्रभावी कदम उठाएगी।

विशाखापत्तनम मंदिर हादसे में 8 श्रद्धालुओं की मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख, मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में हुए हादसे पर दुख जताया। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। साथ ही मृतक और घायलों के लिए मुआवजे की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पीएम मोदी के बयान के हवाले से एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा, 'आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई मौतों से बहुत दुखी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। इससे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने लक्ष्मी

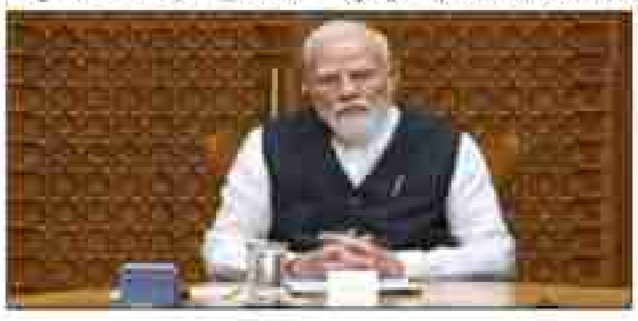

नरसिंह स्वामी मंदिर में दीवार गिरने से तीन महिलाओं समेत 8 श्रद्धालुओं की मौत पर दुख जताया था। साथ ही उन्होंने इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक्स पर लिखा, श्री वराह लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के चंदनोत्सव के दौरान दीवार गिरने से श्रद्धालुओं की मौत से मैं बहुत दुखी हूं। भारी बारिश के कारण दीवार गिरने से हुई इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैंने वहां के हालात के बारे में जिला कलेक्टर और एसपी से बात की है। मैंने घायलों को इलाज मुहैया कराने के आदेश दिए हैं। मैं समय-समय पर स्थिति की समीक्षा कर रहा हूं। शुरू होने वाले वार्षिक उत्सव चंदनोत्सवम के दौरान दर्शन के लिए टिकट खरीदने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं पर दीवार गिर गई। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवान मौके पर पहुंचे और पुलिस तथा अन्य विभागों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि मलबे से आठ शवों को निकाला गया और किंग जॉर्ज अस्पताल ले जाया गया। मृतकों में पांच पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इसके अलावा, पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने श्रद्धालुओं की दुखद मौत पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया।

पहलगाम हमले के खिलाफ एकजुटता दिखाने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्र में आआपा ने निकाला कैंडल मार्च

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ एकजुटता दिखाने के उद्देश्य से आम आदमी पार्टी (आआपा) ने दिल्ली के सभी विधानसभा क्षेत्रों में कैंडल मार्च निकाला। इस कैंडल मार्च में पार्टी के विधायक, विधायक प्रत्याशी, पार्षद, विधानसभा अध्यक्ष समेत सभी नेता अपनी-अपनी विधानसभा में शामिल शामिल हुए। साथ ही, आआपा की अपील पर बड़ी तादात में स्थानीय लोगों ने भी कैंडल मार्च में शामिल होकर भारत माता की एकता और अखंडता का प्रण लिया और मृतकों को अपनी श्रद्धांजलि दी।आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज पूरा देश केंद्र सरकार के फैसले के साथ खड़ा है और चाहता है कि केंद्र सरकार आतंकवादियों को उन्हीं की भाषा में करारा जवाब दे।आआपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मार्केट, मेन मंडावली रोड, वेस्ट विनोद नगर, पटपड़गंज कैंडल मार्च निकाला और देश के साथ अपनी एकजुटता दिखाई। इसी तरह, पूर्व कैबिनेट मंत्री रघुविंदर शोकीन और वार्ड 45 से पार्षद संतोष पप्पू चिल्लाल ने नांगलोई के ज्वालापुरी में पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ कैंडल मार्च निकाल कर मृतकों को श्रद्धांजलि दी और देश की एकता और अखंडता का प्रण लिया। इसके अलावा, कबीरपुर विधानसभा में बाबा रामदेव मंदिर, निवार गुरुद्वारा से डी व सी-ब्लॉक होते हुए बी-ब्लॉक सब्जी मंडी व बाल्मिकी मंदिर ए से एल ब्लॉक जैसे कॉलोनी तक कैंडल मार्च किया गया।

भोपाल दुष्कर्म मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग ने गठित की जांच समिति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने भोपाल के एक कॉलेज में छात्राओं के साथ दुष्कर्म मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह समिति 03 से 05 मई तक भोपाल का दौरा करेगी और मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर आयोग को सौंपेगी। राष्ट्रीय महिला आयोग की राष्ट्रीय अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पत्रकारों को बताया कि घटना का स्वत:- संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित कारवाई के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। जांच समिति की अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी निर्मल कौर करेंगी। समिति के अन्य सदस्यों में जबलपुर हाई कोर्ट की अधिवक्ता निर्मला नायक और आयोग के अवर सचिव आशुतोष पांडेय शामिल है। रहाटकर ने बताया कि जांच समिति घटना से जुड़ी कार्रवाई की जानकारी लेने के लिए संबंधित अधिकारियों, पीड़ित छात्राओं, उनके परिजनों और अन्य संबन्धित लोगों से मुलाकात करेगी। उल्लेखनीय है कि भोपाल के एक कॉलेज में कुछ छात्रों ने अपनी पहचान छिपाकर कई छात्राओं को अपने झूठे प्रेम में फंसाया। इसके बाद

सभी पक्षों से बातचीत के आधार पर समिति अपनी रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जरूरी सुझाव देगी। आयोग यह सुनिश्चित करेगा कि पीड़िताओं को न्याय मिले और दोषियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए। दुष्कर्म का मामला सामने आया। आरोपितों ने दुष्कर्म का वीडियो बनाकर पीड़ित छात्राओं को ब्लैकमेल किया। आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। कुछ आरोपित गिरफ्तार भी किए गए हैं।

दिल्ली की सीएम ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के गिनाए फायदे, बोली- पैसा बचेगा, विकास को मिलेगी गति

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों की तरफ से आयोजित 'वन नेशन, वन इलेक्शन मेगा रन' को हरी झंडी दिखाई। इस मेगा रन में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लेकर 'एक देश, एक चुनाव' की अहमियत बताने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए 'एक देश, एक चुनाव' के फायदे बताए। साथ ही, इस मेगा रन में हिस्सा लेने वाले छात्रों के प्रति अपना आभार भी प्रकट किया। मुख्यमंत्री ने कहा, बार-बार चुनाव होने से देश के संसाधनों की हानि होती है। समय जाया होता है, लोगों की ऊर्जा जाती है। अगर हम एक ही बार में सभी चुनाव करा लेंगे, तो निश्चित तौर पर इस ऊर्जा को बचाकर इसका उपयोग किसी और काम में कर सकेंगे, जिससे देश के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, देश में बार-बार चुनाव होने से लाखों करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, जिससे देश और राज्य का विकास रुक जाता है। आप कल्पना कीजिए, अगर हम एक ही बार में सभी चुनाव संपन्न कराने की प्रक्रिया स्थापित कर लेंगे, तो कितना पैसा बचा लेंगे। इससे हमें अपने देश के विकास की गति तेज करने में मदद मिलेगी, जो न सिर्फ हमारे लिए बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए भी फायदेमंद साबित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा, चुनाव के समय में आचार संहिता लग जाती है, जिससे विकास की गति थम जाती है। पूरी शासन व्यवस्था चुनाव संपन्न कराने में लग जाती है। सभी का ध्यान सिर्फ चुनाव पर ही होता है। इससे विकास कार्यों की अनदेखी होती है। जनता पर भी हम बार-बार मतदान करने की जिम्मेदारी छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा, आमतौर पर चुनाव के दौरान शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोग चुनाव से संबंधित कार्यों को संपन्न कराने में लग जाते हैं। इससे दूसरे काम प्रभावित होते हैं। वहीं, नेता चुनाव लड़ने में लग जाते हैं। मैं बार-बार यही कहती हूं कि अगर जनता को जमीन पर होना चाहिए।

महाराष्ट्र के लोनावाला में आयोजित होगा राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण

एजेंसी

नई दिल्ली। पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव का दूसरा संस्करण महाराष्ट्र के लोनावाला में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में समग्र, सुलभ और समावेशी स्वास्थ्य सेवा के लिए एक रोडमैपतैयार किया जाएगा। आयुष मंत्रालय द्वारा लोनावला के कैवल्यधाम में 1-2 मई को राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यक्रम भारत में आयुष-आधारित स्वास्थ्य सेवा के भविष्य को आकार देने के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगा। आयुष मंत्रालय ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि इस सम्मेलन के माध्यम से आयुष विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, स्वास्थ्य पेशेवरों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को एक साथ लाकर पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों को मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकृत करने का काम किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव करेंगे जबकि राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री और भारत के नौ राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्री के भी सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है। आयुष

मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी कार्यक्रम के दौरान उपस्थित होंगे। इस आयोजन में पूर्ण सत्र, नीति गोलमेज बैठकें, तकनीकी सेशन के अलावा आयुष क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं, राज्य की सफलता की कहानियों और तकनीक-आधारित नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस कॉन्क्लेव के बारे में आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव देश भर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य एक मजबूत और एकीकृत आयुष ढांचे के माध्यम से सभी के लिए समग्र स्वास्थ्य के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना है। राष्ट्रीय आयुष मिशन कॉन्क्लेव भारत के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिगपा और होम्योपैथी में नवीनतम विकास, अनुसंधान नवाचारों और क्षेत्रीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम कर रहा है।

समाज कल्याण मंत्री ने आशा होम्स में समर एक्शन प्लान को लेकर की समीक्षा बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। । समाज कल्याण मंत्री रविन्द इंद्राज सिंह ने आशा होम्स में समर एक्शन प्लान को लेकर समाज कल्याण और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। रविन्द इंद्राज सिंह ने मानसिक दिव्यांगों के लिए बने दिल्ली के सभी आशा होम्स में समर एक्शन प्लान के तहत गर्मी से बचाव, भोजन व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं और बुनियादी सुविधाओं के किये गये इंतजामों पर चर्चा की। उन्होंने रोहिणी, नरेला, हरि नगर और तिमारपुर में बने होम्स में रह रहे मानसिक दिव्यांगों के लिए एसी, डेजर्ट कूलर, रूम कूलर, पंखों की व्यवस्था, ठंडे और शुद्ध पेयजल के लिए वाटर कूलर और आरओ की स्थिति जानी। साथ ही

टॉयलेट्स और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश दिये। रविन्द इंद्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आदेश है कि आशा होम्स में सुविधाओं में कोई लापरवाही न हो। उनके गर्मी से बचाव, भोजन व्यवस्था, बुनियादी सुविधाओं और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग करें। समाज कल्याण मंत्री ने दिव्यांगों को हीट एक्सपोजर से बचाने के लिए सभी आवश्यक इंतजामों के निर्देश दिए। तेज धूप से बचाने के साथ उन्होंने गर्मियों के हिसाब से भोजन में फ्रेश सलाद, दही, लेमन वाटर शामिल करने की बात कही। अधिकारियों ने गर्मी से राहत के लिए बिल्डिंग मेंटेनेंस, शेड निर्माण और वाटर स्प्रिंकलिंग की जानकारी दी।

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ के 4.5लाख नए मोबाइल ग्राहक जियो से जुड़े-ट्राई

एजेंसी

भोपाल। जियो मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ टेलीकॉम बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) की ताजा रिपोर्ट में जियो के साथ सबसे ज्यादा ग्राहक जुड़े है। फरवरी 2025 में जियो पर मप्र-छग के 4.5 लाख नए मोबाइल ग्राहकों ने भरोसा जताया है। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ सर्किल में सभी टेलीकॉम कंपनियों में से 8 करोड़ से ज्यादा मोबाइल ग्राहक है। इन आंकड़ों में जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 4.5 करोड़ हो चुकी है वहीं, वायरलाइन ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपयोग करने वाले ग्राहकों की संख्या 23.2 लाख है। इनमें जियो फाइबर और जियो एयर-फाइबर इंटरनेट उपयोग करने वाले उपभोक्ता 12.4 लाख से ज्यादा है। ग्राहकों में जियो अनलिमिटेड ऑफर खासा पसंद किया जा रहा है। इस ऑफर के तहत 299 रुपये या अधिक के प्लान वाला नया जियो सिम कनेक्शन लेने पर या फिर कम से कम 299 रुपये का रिचार्ज कराने पर जियो ग्राहक, जियोहॉटस्टार पर मुफ्त में पूरे आईपीएल क्रिकेट सीजन का मजा ले सकते है। इसके साथ ही जियो घरों के लिए जियोफाइबर या जियोएयरफाइबर का मुफ्त ट्रायल कनेक्शन भी दे रहा। अल्ट्रा-फास्ट इंटरनेट का मुफ्त ट्रायल कनेक्शन 50 दिनों तक फ्री रहेगा। ग्राहक 4K में क्रिकेट देखने के बेहतरीन अनुभव के साथ शानदार होम एंटरटेनमेंट का लाभ भी उठा सकेंगे। जियोफाइबर या जियोएयरफाइबर के मुफ्त ट्रायल कनेक्शन में 800+ TV चैनल, 11+ OTT ऐप, अनलिमिटेड WIFI की सुविधा भी मिलेगी।

फिलिप्स ने लॉंच की नई प्रीमियम शेवर रेंज

नई दिल्ली। हैल्थ टेक्नोलॉजी और नए-नए प्रयोग करने वाली प्रमुख कंपनी फिलिप्स ने भारतीय बाजार में अपनी नई प्रीमियम इलेक्ट्रिक शेवर रेंज लॉन्च करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 34999 रुपये तक है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ये प्रीमियम इलेक्ट्रिक शेवर्स फिलिप्स सीरीज 7000, आई9000 और आई9000 प्रेस्टीज अल्ट्रा अत्याधुनिक एआई-पावर्ड स्किनआईक्यू टेक्नोलॉजी के साथ डिजाइन किए गए हैं। ये शेवर्स सटीकता, आराम और उपयोग में आसानी का अनूठा मेल प्रस्तुत करते हैं, जो हर बार एक सहज और जलन-रहित शेव का अनुभव देते हैं। जैसे-जैसे पुरुषों का ग्रूमिंग सेगमेंट लगातार विकसित हो रहा है, फिलिप्स तकनीक को आम दिनचर्या का हिस्सा बनाकर ग्रूमिंग को नए आयाम दे रहा है। ये प्रीमियम शेवर्स सटीकता, आराम और टिकाऊपन के साथ नया मानदंड स्थापित करते हैं, जिससे हर शेव आसान और सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने कहा कि भारत में ग्रूमिंग सेगमेंट में यह अपनी तरह की पहली पेशकश है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.76 प्रतिशत लुढ़ककर 61.58 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.30 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

नथिंग ने लॉंच किया सीएमएफ फोन 2 प्रो

नयी दिल्ली। प्रौद्योगिकी कंपनी नथिंग ने भारतीय बाजार में अपने सीएमएफ ब्रांड के तहत एक नया स्मार्टफोन सीएमएफ फोन 2 प्रो लॉन्च करने की घोषणा की, जिसकी कीमत 16999 रुपये है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इस श्रेणी में यह पहला स्मार्टफोन है जिसमें तीन-कैमरा सिस्टम, ब्राइट डिस्प्ले और प्रीमियम डिजाइन दिया गया है। नथिंग के लिए यह सबसे पतला स्मार्टफोन है जिसकी मोटाई 7.8 मिलीमीटर और वजन 185 ग्राम है। यह एल्युमिनियम कैमरा सराउंड के साथ एक बॉडी में आता है। सबसे बड़े सेंसर वाले 50 एमपी का मुख्य कैमरा है। इसके साथ ही 50 एमपी का टेलीफोटो लेंस 2एक्स ऑप्टिकल जूम और 20 एक्स अल्ट्रा जूम तक प्रदान करता है। इसमें 8 एमपी अल्ट्रा-वाइड कैमरा भी है जबकि 16 एमपी का फ्रंट कैमरा आपको सबसे शानदार सेल्फी लेने के लिए तैयार है। नए अपग्रेड किए गए मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 प्रो 5 जी प्रोसेसर में 8-कोर सीपीयू है। इसमें 5000 एमएएच की बैटरी है इसमें 6.77 इंच का एफएचडी प्लस एमोलेड डिस्प्ले है।

जावेद अख्तर ने रचनात्मक स्वतंत्रता को बाजारवाद से बचाने के लिए मजबूत तंत्र बनाने का किया आग्रह

एजेंसी

नई दिल्ली। फिक्की ने नई दिल्ली में 'आईपी एंड म्यूजिक: फील द बीट ऑफ आईपी' सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें प्रसिद्ध गीतकार एवं भारतीय परफॉर्मिंग राइट सोसायटी (आईपीआरएस) के अध्यक्ष जावेद अख्तर ने रचनात्मक स्वतंत्रता को बाजारवाद से बचाने के लिए मजबूत तंत्र बनाने का आग्रह किया। अख्तर ने चेतावनी दी कि कॉरपोरेटाइजेशन ने एक ऐसी व्यवस्था बनाई है, जहां रचनात्मकता के लिए जगह कम होती जा रही है क्योंकि मार्केटिंग विभाग कलात्मक विकल्पों को निर्धारित करते है। अख्तर ने कहा कि रचनात्मकता और बाजार के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने कहा, आप बाजार के आदेश का पालन कर रहे हैं, तो आप किस तरह के मार्केटिंग व्यक्ति हैं? कोई रचनात्मकता नहीं है, कोई प्रयोग नहीं है, कोई साहस नहीं है। अख्तर ने बताया कि 2017 में कानून संशोधन के बाद आईपीआरएस ने लोगों को एक नया मार्ग प्रशस्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 2017 में आईपीआरएस की आय 42 करोड़ रुपये थी, जो इस साल 730 करोड़ रुपये पार कर गई और जल्द ही एक हजार करोड़ तक पहुंच जाएगी।

संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने कई नए पहलों की घोषणा की, जिनमें स्पॉटिफाई और यू-ट्यूब जैसे डिजिटल मंचों में एकत्र कर पारंपरिक संगीत को बढ़ावा देना शामिल है। साथ ही पारंपरिक वाद्ययंत्रों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग योजना भी साझा की गई। इसमें आईपीआर पंजीकरण में क्षेत्रीय कलाकारों की सहायता देना, सांस्कृतिक उद्योगों में विशेष सेल बनाना शामिल है। फिक्की-आईपीआर समिति के अध्यक्ष अनिल राजपूत ने बताया कि एक दशक की मेहनत के बाद विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) के साथ आईपी घरेलू बिजनेस सेंटर की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ है। सम्मेलन में डिजिटल युग में आईपी लागू करने का अनावरण भी किया गया और पुलिस अधिकारियों के लिए एक नया आईपी प्रवर्तन टूलकिट पेश किया गया।

रायपुर के आईआईएम और एनआईटी को 178 करोड़ रुपये देने की घोषणा

एजेंसी

रायपुर। भारत के टॉप फाइव स्टॉक एक्सचेंज ब्रोकर कंपनी मोतीलाल ओसवाल फाइनेंसियल लिमिटेड के मालिक रामदेव अग्रवाल ने रायपुर के आईआईएम और एनआईटी को 178 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी और रायपुर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर रह चुके अविनाश मिश्रा ने उन्हें इन दोनों संस्थाओं को दान देने के लिए प्रेरित किया। । ओपी चौधरी ने सोशल मीडिया पर इसके लिए रामदेव अग्रवाल को आभार जताया है। रामदेव अग्रवाल रायपुर जिले के आरंग के रहने वाले हैं। उनका बचपन आरंग में गुजरा, स्कूली शिक्षा भी आरंग में हुई। इसके बाद वे मुंबई चले गए। वे देश की शीर्षस्थ फाइनेंसियल कंपनी मोतीलाल ओसवाल लिमिटेड के मालिक हैं। उन्होंने गरीब बच्चों और एजुकेशनल संस्थाओं की मदद के लिए मोतीलाल ओसवाल फाउंडेशन बनाया है। उनकी संपत्ति 107 बिलियन डॉलर है। इस संबंध में मोतीलाल ओसवाल

फायनेंसियल लिमिटेड रायपुर के आईआईएम और एनआईटी के प्रबंधन को एक मेल भेजा है।

डाक विभाग और एसबीआई म्यूचुअल फंड के बीच करार, निवेशकों को घर बैठे केवाईसी सुविधा का लाभ

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्राहक ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया को आसान बनाने के उद्देश्य से डाक विभाग और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है। इस करार से अब एसबीआई म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ग्राहकों को केवाईसी के लिए डाकघर जाने की आवश्यकता नहीं होगी, उन्हें घर बैठे यह सुविधा प्राप्त होगी। यह समझौता डाक भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुआ। इसमें डाक विभाग की व्यवसाय विकास निदेशालय की महाप्रबंधक मनीषा बंसल बादल और एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुनीश सभरवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

डाक विभाग के पास देशभर में 1.64 लाख से अधिक डाकघरों का व्यापक नेटवर्क है, जो सबसे दूरदराज क्षेत्रों तक फैला हुआ है। यह साझेदारी वित्तीय समावेशन को

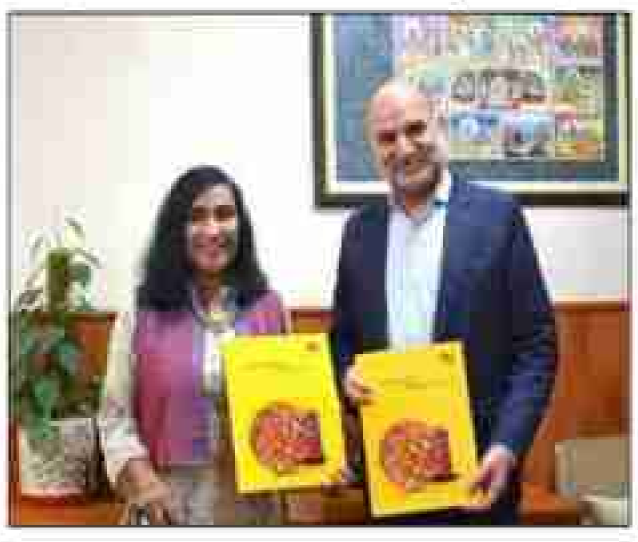

बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौते के अनुसार, डाक विभाग के प्रशिक्षित कर्मचारी निवेशकों से उनके जरूरी दस्तावेज और फॉर्म घर जाकर एकत्र करेंगे। इससे दस्तावेजी प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, सटीक और गोपनीय होगी। इस पहल से न केवल निवेशकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि इससे ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में रहने वाले लोगों को भी निवेश से जुड़ने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा। यह कदम डिजिटल और वित्तीय समावेशन की दिशा में सरकार के प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगा।

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता प्रगति की ओर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय और अमेरिकी अधिकारियों की वाशिंगटन में बैठक हुई है। इसमें द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी वार्ता पर चर्चा हुई है जिसमें सकारात्मक प्रगति है। टीम ने 2025 की शरद ऋतु तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने के उपायों पर चर्चा की, जिसमें शुरुआती पारस्परिक लाभप्रद अवसर भी शामिल है।

वाणिज्य मंत्रालय ने आज इसकी जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चल रही चर्चाओं के हिस्से के रूप में भारत के वाणिज्य विभाग और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के प्रतिनिधियों ने 23 से 25 अप्रैल तक वाशिंगटन, डी.सी. में मुलाकात की। नई दिल्ली में मार्च, 2025 में आयोजित द्विपक्षीय चर्चाओं के बाद यह बैठक हुई थी। वाशिंगटन, डी.सी.

में बैठकों के दौरान, टीम ने टैरिफ और गैर-टैरिफ मामलों को कवर करने वाले व्यापक विषयों पर लाभदायक चर्चा की। यह ध्यान देने योग्य बात है कि वर्चुअल तौर पर सेक्टर विशेषज्ञ स्तर की बैठकें लाभदायक रही हैं और मई के अंत से व्यक्तिगत सेक्टर बैठकों की योजना हैं। ये लाभदायक चर्चाएं द्विपक्षीय व्यापार समझौते के माध्यम से भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों और आपूर्ति श्रृंखला के एकीकरण को आगे बढ़ाने और विस्तारित करने के लिए फरवरी 2025 में नेताओं के नजरिए के अनुरूप द्विपक्षीय प्रयासों का हिस्सा है।

रोजगार को लेकर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और रैपिडो के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और रैपिडो के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह करार नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) पोर्टल के माध्यम से लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में रोजगार के अवसरों को सशक्त करने के उद्देश्य से किया गया है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ मनसुख मांडविया और राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में आज एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर डॉ मांडविया ने कहा, "एनसीएस पोर्टल देशभर में नौकरी चाहने वालों और नियोक्ताओं को जोड़ने वाला एक सशक्त मंच बन

चुका है। इस पोर्टल पर 1.75 करोड़ से अधिक सक्रिय नौकरी खोजने वाले और 40 लाख से अधिक पंजीकृत नियोक्ता हैं। रैपिडो के अगले 1-2 वर्षों में 50 लाख आजीविका अवसर प्रदान करने के लक्ष्य की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि एनसीएस पोर्टल माय भारत, ई-श्रम, सिद्ध और एमएसएमई मायरोट जैसे प्लेटफॉर्म्स से जुड़ चुका है। राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने रैपिडो के महिला-केंद्रित रोजगार प्रयासों की सराहना की, जिसमें 5 लाख महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य रखा गया है।

रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटुपल्ली ने 'पिंक रैपिडो' पहल की चर्चा करते हुए कहा कि यह सहयोग रोजगार को नए स्तर पर ले जाएगा। एमओयू के अंतर्गत रैपिडो एनसीएस पोर्टल पर नियमित रूप से दोपहिया टैक्सी, ऑटो और कैब के लिए वेरिफाइड नौकरियों की जानकारी साझा करेगा और एपीआई इंटीग्रेशन के माध्यम से रियल टाइम भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। यह कदम रोजगार, समावेशन और डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में सरकार और निजी क्षेत्र की साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

बजाज फाइनेंस का शुद्ध मुनाफा 18.9 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी

मुंबई। देश की प्रमुख गैर बैंकिंग वित्तीय सेवा कंपनी बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) का 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 3,824.53 करोड़ रुपये के मुकाबले 18.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 4,545.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उसे 4,545.57 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही के 3,824.53 करोड़ रुपये से 18.9 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 14,931.84 करोड़ रुपये से 23.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 18,468.74 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह उसका कुल व्यय भी 9,829.77 करोड़ रुपए से 30.5 प्रतिशत बढ़कर 12,830.18 करोड़ रुपये रहा। बीएफएल ने बताया कि 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में उसे 16,779.48 करोड़ रुपये का सकल शुद्ध मुनाफा हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 14,451.17 करोड़ रुपये से 16.1 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में उसकी कुल आय 54,982.51 करोड़ रुपये से 26.8 प्रतिशत बढ़कर 69,724.78 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। इसी तरह उसका कुल व्यय 35,660.58 करोड़ रुपये के मुकाबले 33.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 47 ,662.96 करोड़ रुपये हो गया।

अक्षय तृतीया 2025: सोने-चांदी की रिकॉर्ड कीमतों के बीच 16 हजार करोड़ के व्यापार की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्षय तृतीया को सौभाग्य और समृद्धि से जोड़ा जाता है। इस दिन सोने-चांदी की खरीद को अत्यंत शुभ माना जाता है। हालांकि इस बार त्योहार से पहले सोने और चांदी की कीमतों में ऐतिहासिक वृद्धि देखने को मिली है। इससे बाजार में खरीदारी का रुझान प्रभावित हो सकता है।

इसके बावजूद भी अनुमान है कि कल 16 हजार करोड़ के सोना-चांदी के व्यापार होने की संभावना है। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार इस वर्ष 10 ग्राम सोने का दाम 1 लाख रुपये और चांदी 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। पिछले वर्ष ये दरें क्रमशः 73,500 और 86 हजार थी। कैट के अनुसार 2023 में अक्षय तृतीया पर करीब 14,500

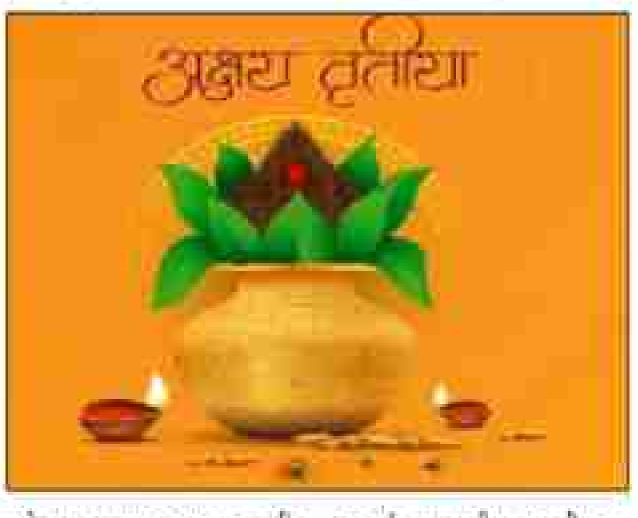

करोड़ का व्यापार हुआ था, जबकि 2024 में लोकसभा चुनाव के चलते इसमें गिरावट देखी गई। ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने बताया कि इस वर्ष अक्षय तृतीया पर करीब 12 टन सोना (12 हजार करोड़) और 400 टन चांदी (4 हजार करोड़) की बिक्री संभावित है, जिससे कुल व्यापार 16 हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। अरोड़ा ने सोने-चांदी के दाम बढ़ने के पीछे अंतरराष्ट्रीय आर्थिक अनिश्चितता, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी, भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की बढ़ती रुचि को प्रमुख कारण बताया। विवाह सीजन के चलते बाजार में कुछ मांग बनी हुई है। कैट अध्यक्ष बी. सी. भरतिया के अनुसार, शादी-ब्याह में सोने की खरीद परंपरागत है, जिससे ग्राहक कम मात्रा में ही सही, लेकिन खरीदारी कर रहे हैं। व्यापार संगठनों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे केवल हॉलमार्क ज्वेलरी खरीदें और विश्वसनीय ज्वेलर्स से ही लेन-देन करें।

मुथूट फिनकॉर्प ने लॉन्च की नई एनसीडी सीरीज, 350 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य

एजेंसी

मुंबई। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड ने सुरक्षित और प्रतिदेय गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) की नई श्रृंखला लॉन्च की है, जिसके जरिए उसने इस वर्ष 29 अप्रैल से 13 मई तक 350 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इस इश्यू के माध्यम से उसने 350 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य रखा है, जिसमें 100 करोड़ रुपये का बेस साइज और 250 करोड़ रुपये का ग्रीन शू विकल्प शामिल है। 29 अप्रैल से 13 मई, 2025 तक खुली रहने वाली यह पेशकश 1,000 रुपये अंकित मूल्य वाले सुरक्षित एनसीडी के रूप में है, जिसे कंपनी को ऋण-वितरण गतिविधियों, मौजूदा ऋण की अदायगी और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाएगा। यह एनसीडी श्रृंखला 24, 36, 60 और 72 महीनों के कार्यकाल में नौ प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के प्रभावी वार्षिक प्रतिफल की पेशकश करती है। इस इश्यू को क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड ने 'क्रिसिल एए-/स्टेबल' रेटिंग दी है, जो समय पर वित्तीय दायित्वों के भुगतान के लिए उच्च सुरक्षा को दर्शाती है। इन एनसीडी को बीएसई के ऋण बाजार खंड में सूचीबद्ध किया जाएगा। निवेशक पांच लाख रुपये तक के आवेदन यूपीआई के माध्यम से किया जा सकता है जबकि एएसबीए, स्टॉक एक्सचेंज प्लेटफार्म और डिपॉजिटरी प्रतिभागी जैसे माध्यम भी उपलब्ध हैं। मुथूट फिनकॉर्प वन मोबाइल ऐप के माध्यम से निवेश को सरल और सहज बनाया गया है, जो कंपनी के 3,700 से अधिक शाखाओं के मजबूत ऑफलाइन नेटवर्क का डिजिटल पूरक है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शाजी वर्गीस ने कहा, हमें अपनी नई एनसीडी सीरीज के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

योगी सरकार ने गुलाबी मीनाकारी को दिलाया जीआई टैग, ओडीओपी में शामिल कर दिलाया इंटरनेशनल मार्केट

वाराणसी। योगी सरकार द्वारा बनारस की गुलाबी मीनाकारी को जीआई पहचान दिलाकर और ओडीओपी में शामिल करके इसे इंटरनेशनल मार्केट दिला दिया है। जिससे गुलाबी मीनाकारी को अक्षय तृतीया में नया बाजार मिल गया है। सोने के दामों में उछाल ने अक्षय तृतीया पर कुंदन गुलाबी मीनाकारी (गहने) के उत्पादों की मांग बढ़ा दी है। देश और विदेशों दोनों ही जगहों से अक्षय तृतीया पर गुलाबी मीनाकारी के आर्डर में वृद्धि हुई है। हस्त शिल्पियों को अक्षय तृतीया पर लगभग एक करोड़ से अधिक का आर्डर मिला है। योगी सरकार ने गुलाबी मीनाकारी को दिलाया जीआई टैग, ओडीओपी में शामिल कर दिलाया इंटरनेशनल मार्केट पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जीआई और ओडीओपी उत्पादों के ब्रांड एम्बेसडर बनकर उत्तर प्रदेश के हैंडीक्राफ्ट को विश्व के बाजार में पहुंचा दिया है। बदलते ट्रेंड में अब कुंदन गुलाबी मीनाकारी की ज्वेलरी लोगों को खूब भा रही है। जीआई विशेषज्ञ पद्मश्री रजनीकांत ने बताया कि बनारस गुलाबी मीनाकारी को बनाने में सोने और चांदी का इस्तेमाल होता है, इसलिए लोग शुभ मानकर इस प्राचीन हस्तकला को अक्षय तृतीया में खूब पसंद कर रहे हैं। योगी सरकार ने गुलाबी मीनाकारी को दिलाया जीआई टैग, ओडीओपी में शामिल कर दिलाया इंटरनेशनल मार्केट लगभग 12 से 15 करोड़ से अधिक का है।

राजधानी के पांच रेस्त्रां को सेवा शुल्क वापस करने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने राजधानी के पांच रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत नोटिस जारी किए गए है और उन्हें सेवा शुल्क राशि वापस करने के निर्देश दिए हैं। जारी एक आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्णय के विपरीत सेवा शुल्क वापस न करने के मामले में मधुना डेली, जीरो कोर्टयार्ड, कैसल बारबेक्यू, चायोस और फिएस्टा बाय बारबेक्यू नेशन के खिलाफ यह कार्रवाई की गयी है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्रवाई इस उद्देश्य से की गयी है कि उपभोक्ताओं पर किसी रेस्तरां में सेवा शुल्क के अतिरिक्त राशि का भुगतान करने के लिए दबाव न पड़े। बयान में कहा गया है

कि कोई होटल या रेस्तरां उपभोक्ताओं को सेवा शुल्क का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता अथवा किसी अन्य नाम से उपभोक्ताओं से सेवा शुल्क की वसूली नहीं की जा सकती । उल्लेखनीय है कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने चार जुलाई 2022 को होटलों और रेस्तराओं में सेवा शुल्क के संबंध में अनुचित व्यापार प्रथाओं पर अंकुश लगाने और उपभोक्ता हितों की रक्षा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिनमें यह स्पष्ट निर्देश है कि कोई भी होटल या रेस्तरां भोजन बिल में स्वचालित रूप से सेवा शुल्क (सर्विस चार्ज) नहीं जोड़ेगा और न ही किसी अन्य नाम से सेवा शुल्क की वसूली करेगा।इसी तरह निर्देश है कि सेवा शुल्क के संग्रह के आधार पर उपभोक्ताओं पर प्रवेश या सेवाओं के प्रावधान पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट निर्देश है कि सेवा शुल्क को भोजन बिल के साथ जोड़कर कुल राशि पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की वसूली नहीं नहीं की जा सकती। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस वर्ष 28 मार्च सेवा शुल्क पर सीसीपीए के दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा है।

श्रीलंका विमेंस ट्राई-सीरीज के पहले मैच में धीमी ओवर गति के कारण भारतीय टीम पर जुर्माना

एजेंसी

कोलंबो। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को श्रीलंका में चल रहे विमेंस ट्राई-सीरीज के पहले मैच में धीमी ओवर गति के चलते मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना भुगतना पड़ा है। यह मुकाबला रविवार को कोलंबो में खेला गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की एमिरेट्स इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी वेनेसा डी सिल्वा ने यह दंड लगाया, जब समय छूटों को ध्यान में रखने के बावजूद भारतीय टीम एक ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, निर्धारित समय में न्यूनतम ओवर गति नहीं बनाए रखने पर हर ओवर के लिए खिलाड़ियों से पांच प्रतिशत मैच फीस वसूली जाती है। यह नियम खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ दोनों पर लागू होता है। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस गलती को स्वीकार करते हुए प्रस्तावित दंड को मान लिया, जिससे मामले में औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस उल्लंघन की रिपोर्ट मैदान पर मौजूद अंपायर अन्ना हैरिस और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर लिंडन हैनिबल, और चौथे अंपायर देदुनु डी सिल्वा ने दर्ज की थी। यह घटना महिला क्रिकेट में समय प्रबंधन और नियमों के पालन के महत्व को दर्शाती है। आईसीसी बार-बार टीमों को समयसीमा का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करती है, जिससे खेल की लय और दर्शकों का अनुभव बेहतर बना रहे।

म्यूनिख आईएसएसएफ वर्ल्ड कप के लिए भारतीय राइफल-पिस्टल टीम घोषित, स्वप्निल और पलक की वापसी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले और एशियाई खेलों की स्वर्ण विजेता पलक को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने जून के पहले सप्ताह में जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले आईएसएसएफ राइफल/पिस्टल वर्ल्ड कप के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की है। इस टीम की खास बात यह है कि डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी, जो उन्हें इस बार की टीम में सबसे व्यस्त निशानेबाज बनाता है। पेरिस ओलंपिक के बाद स्वप्निल कुसाले के साथ संदीप सिंह भी पुरुषों की एयर राइफल स्पर्धा में राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। हाल ही में अर्जेंटीना और पेरू में आयोजित दो चरणों वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारतीय टीम ने कुल 15 पदक (6 स्वर्ण सहित) जीते थे। भारत ने अर्जेंटीना में दूसरा और पेरू में तीसरा स्थान हासिल किया। उस प्रतियोगिता की 13 सदस्यीय टीम को म्यूनिख टीम में भी बनाए रखा गया है। विशेषकर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया।

स्विस पैरा-आर्म रेसलिंग कप में भिलाई के श्रीमंत झा ने जीता सिल्वर मेडल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी भिलाई के निवासी और पैरा आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने स्विट्जरलैंड में 25 अप्रैल से 27 अप्रैल 2025 तक आयोजित स्विस पैरा-आर्म रेसलिंग कप में 85 किलोग्राम वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीतकर देश का तिरंगा लहराया। उन्होंने अपने इस मेडल को पहलगाम के आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को समर्पित किया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रीमंत झा के जज्बे की सराहना करते हुए उन्हें सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि श्री झा ने अपनी उपलब्धि से छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। श्रीमंत झा दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर वन आर्म रेसलर हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के 85 किलोग्राम वर्ग में क्रोएशिया के लुका झुकन को हराकर सिल्वर मेडल जीता। श्रीमंत झा ने सिल्वर मेडल जीतने के बाद कहा कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी की थी। अब वे आगामी अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। झा ने आगे कहा यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। मैं हर एक मैच शहीद जवानों के सम्मान के लिए जीतता हूं।

सुनील नरेन ने टी20 क्रिकेट में हासिल किया नया कीर्तिमान, इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर की बराबरी की

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रमुख स्पिनर सुनील नरेन ने इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण में अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच जीतने वाले स्पेल के बाद एक टीम के लिए प्रारूप टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर समित पटेल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। नरेन ने तीन विकेट लेकर बाजी पलट दी और गत चैंपियन को 14 रन से जीत दिलाई। उन्होंने अहम मौकों पर बेहतरीन प्रदर्शन किया और ऐसे जाल बिछाए जिसका दिल्ली के मध्यक्रम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। मंगलवार की रात को अपने मैच जीतने वाले कारनामों के बाद, कोलकाता के लिए नरेन के विकेटों की संख्या 208 हो गई।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आजमाएगी नए संयोजन

एजेंसी

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मुकाबलों में हार के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में उतरने जा रही है। यह मुकाबले 1, 3 और 4 मई को पर्थ हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

शुरुआती दो हार के बाद अब नई रणनीति की तैयारी

पहले मैच में भारत ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन अंत में 3-5 से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले हाफ में ही चार गोल दाग दिए। भारत की ओर से कप्तान सलीमा टेटे (27'), नवनीत कौर (45') और लालरेमसियामी (50') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया ए के लिए नीका फ्लिन (3'), ओलिविया डाउन्स (9'), रूबी हैरिस (11'), टैटम स्टीवर्ट (21') और केंद्रा फिट्जपैट्रिक (44') ने गोल किए। दूसरे मैच में भारत को 2-3 से हार झेलनी पड़ी।

इस मैच में भारत ने ज्योति सिंह (13') के जरिए शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से एबी स्टैंस्बी (17'), डेल डोलक्स (48') और जैमी-ली सुराय (52') ने गोल दागे। भारत की ओर से दूसरा गोल सुनेलिता टोप्पो (59') ने किया लेकिन बराबरी नहीं हो पाई। अब भारतीय टीम सीनियर ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ मैदान में उतरेगी, जिससे मुकाबला और भी चुनौतीपूर्ण होगा। पिछली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब भारत ने एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023-24 में 1-0 से जीत दर्ज की थी।

कप्तान सलीमा टेटे और उपकप्तान नवनीत कौर के नेतृत्व में 26 सदस्यीय भारतीय टीम इस बार भी उसी जज्बे के साथ उतरने को तैयार है। टीम के प्रदर्शन पर बात करते हुए चीफ कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने कुछ सॉफ्ट गोल जरूर खाए हैं जो निराशाजनक रहे, लेकिन प्रदर्शन काफी प्रतिस्पर्धी रहा है। यह टेस्ट सीरीज है, यहां जीत-हार से ज्यादा अनुभव अहम है। कई खिलाड़ी पहली बार देश से बाहर खेलने आए हैं। मैं उन्हें मौका दे रहा हूं ताकि वे भविष्य के लिए तैयार हो सकें। अब तक लगभग सभी को खेलने का मौका मिला है, लेकिन अब हम सर्वश्रेष्ठ संयोजनों को आजमाएंगे। सिंह ने बताया कि वर्ल्ड कप से पहले हर युवा खिलाड़ी को कम से कम 35 इंटरनेशनल मैच खेलने का लक्ष्य है।

आईपीएल 2025 : नारायण-वरुण की फिरकी में उलझी दिल्ली, कोलकाता ने 14 रन से दर्ज की जीत

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के वायुसेना स्टेशन स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर एक में संभाग स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के खो-खो, जूडो, ताइक्वांडो और शतरंज मुकाबलों में विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई जिसमें खो-खो प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय भनाला और रघुनाथपुरा ने अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं केंद्रीय विद्यालय रेवाड़ी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अंडर-14 वर्ग में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिरसा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि अंडर-17 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय मानेसर तीसरे स्थान पर रहा। इस दौरान मुख्य अतिथि ग्रुप कैप्टन एन विश्वनाथ ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और जीवन में अनुशासन व टीम भावना का विकास होता है। सहायक आयुक्त भूपेश भट्ट ने हार-जीत को जीवन का हिस्सा बताते हुए छात्रों को हार के बाद भी निराश न होने और निरंतर प्रयासरत रहने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने बताया कि श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन केंद्रीय विद्यालय संगठन की राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के लिए किया गया है। प्रतिभागियों को संगठन की ओर से मेडल और प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। जूडो अंडर-14 वर्ग में केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 गुरुग्राम की अंशिका व इसी स्कूल से अंडर-17 वर्ग में भूमिका ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। शतरंज अंडर-14 वर्ग में एयरफोर्स स्टेशन गुरुग्राम की नंदिता ने स्वर्ण पदक जीता, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय पालुवास में नताशा ने रजत पदक और मानस्वी ने कांस्य पदक हासिल किया।

एएफसी चैम्पियंस लीगः अल-अहली ने अल-हिलाल को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

जेद्दाह। एएफसी चैम्पियंस लीग एलीट सेमीफाइनल में अल-अहली ने जेद्दाह में खेले गए मुकाबले में अल-हिलाल को 3-1 से हराकर फाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ अल-अहली अब अपने पहले एशियाई खिताब से सिर्फ एक कदम दूर है।

फिरमिनो और टोनी ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच की शुरुआत से ही अल-अहली ने आक्रामक खेल दिखाया। 9वें मिनट में रॉजर इबानेज के पास पर ब्राजीलियन विंगर गैलेनो ने शानदार क्रॉस दिया, जिसे रॉबर्टो फिरमिनो ने छह गज के बॉक्स में पहुंचते हुए गोल में तब्दील कर दिया। 27वें मिनट में रियाद महरेज के पास पर इवान टोनी ने दूसरा गोल दागा। हालांकि इसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन वीएआर जांच के बाद गोल मान्य हुआ। पहले हाफ के आखिरी पलों में सालेम अल-दोसरी ने एक मौका भुनाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन दूसरे हाफ में अल-हिलाल को बड़ा झटका तब लगा जब 60वें मिनट में कालिदू कुलीबाली को दूसरा येलो कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों के साथ रह गई।

देर से आए मौके, लेकिन अल-अहली ने की जीत पक्की

कोच जैस्ले ने टीम को सराहा: मैच के बाद अल-अहली के कोच माथियास जैस्ले ने कहा, ये एक शानदार शाम थी। मैं अपने हर खिलाड़ी और हमारे फैंस पर गर्व करता हूं। ये जीत पूरी तरह से हमारी

अल-अहली ने लगातार तीसरे गोल की कोशिश की और 85वें मिनट में उसे पेनल्टी भी मिली, लेकिन फ्रैंक केसी की किक को यासीन बोनू ने बचा लिया। हालांकि इंजुरी टाइम में फिरास अल-बुरैकान ने तीसरा गोल दागकर टीम की जीत पक्की कर दी और घरेलू दर्शकों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर दिया।

मेहनत का नतीजा है।

फाइनल में अल-नासर या कावासाकी से भिड़ंत

अब अल-अहली का सामना शनिवार को होने वाले फाइनल में या तो साथी सऊदी क्लब अल-नासर से होगा या जापान के कावासाकी फ्रंटाले से, जो बुधवार को दूसरा सेमीफाइनल खेलेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के दौरान अजिंक्य रहाणे हुए चोटिल, चोट गंभीर नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली जीत के दौरान हाथ में चोट लग गई। अब उनकी चोट की गंभीरता का मूल्यांकन आज टीम के मेडिकल स्टाफ द्वारा किया जाएगा।

फील्डिंग के दौरान लगी चोट, मैच से बाहर रहे रहाणे

रहाणे को ये चोट उस वक्त लगी जब वे शॉर्ट कवर पर फील्डिंग कर रहे थे। आंद्रे रसेल की गेंद पर फाफ डु प्लेसिस ने जोरदार शॉट मारा, जो सीधा रहाणे के दाहिने हाथ पर लगा। गेंद मिड ऑफ की ओर गई और इस दौरान रहाणे तुरंत मैदान छोड़कर मेडिकल सहायता लेने चले गए। इसके बाद वे पूरे मैच में मैदान पर नहीं लौटे और उनका हाथ पट्टी में बंधा नजर आया।

सुनील नारायण ने की कमाल, आखिरी 9 ओवरों में दिलाई जीत

रहाणे के बाहर होने और उपकप्तान वेंकटेश अय्यर की जगह इम्पैक्ट प्लेयर वैभव अरोड़ा के आने के बाद, सुनील नारायण को टीम की कमान सौंपी गई। उन्होंने आखिरी नौ

ओवरों में कप्तानी करते हुए शानदार गेंदबाजी की और अक्षर पटेल, ट्रिस्टन स्टब्स और फाफ डु प्लेसिस को आउट कर मैच का रुख बदल दिया।

ठीक हूं, ज्यादा गंभीर नहीं है चोट - रहाणे

पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में रहाणे ने अपनी चोट को ज्यादा गंभीर नहीं बताया। उन्होंने कहा, कोई बड़ी बात नहीं है। मैं ठीक हूं, सब ठीक रहेगा।

2021 की तरह फिर से कर सकते हैं वापसी

केकेआर फिलहाल 10 मैचों में 9 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है। रहाणे ने कहा कि टीम को 2021 की तरह प्लेऑफ में पहुंचने का आत्मविश्वास है। उन्होंने कहा, हमेशा से बात होती है कि जब हम अच्छा नहीं कर रहे होते हैं तो वापसी की उम्मीद होती है। लेकिन यह सब कुछ समय की बात है। हमारे लिए जरूरी है कि हम इस जीत से आत्मविश्वास लें और आगे बढ़ें।

चैंपियंस लीग सेमीफाइनल : डेम्बेले के गोल से पीएसजी ने आर्सेनल को पहले चरण में 1-0 से हराया

एजेंसी

लंदन। फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के पहले चरण में आर्सेनल को उसके घरेलू मैदान पर हराकर फाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिया है। एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत ही धमाकेदार रही। फ्रांस के खिलाड़ी उस्मान डेम्बेले ने मैच के चौथे मिनट में गोल दागकर पीएसजी को शुरुआती बढ़त दिला दी। डेम्बेले ने बॉक्स के घेरे से गेंद आगे बढ़ाई, ख्विचा क्वारात्स्खेलिया को पास दिया और आगे दौड़ लगाते हुए वापस मिली पास पर गोल कर दिया। गोल करने के बाद पीएसजी ने पूरे मैच में संतुलित और अनुशासित खेल दिखाया। आर्सेनल को बराबरी का कोई ठोस अवसर

नहीं मिल सका और उसे 18 यूरोपीय घरेलू मुकाबलों के बाद पहली हार झेलनी पड़ी। मिकेल आर्टेटा की टीम ने इससे पहले मौजूदा विजेता रियल मैड्रिड को दो चरणों में 5-1 से हराकर अंतिम चार में पहुंची थी। पहले हाफ के अंत में गैब्रियल मार्टिनेली का शक्तिशाली शॉट इटली के गोलकीपर जानलुइजी डोनारुम्मा ने शानदार बचाव से रोक दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिकेल मेरिनो का हेडर गोल में गया, लेकिन वीडियो सहायक रेफरी (वीएआर) ने उसे ऑफसाइड बताकर अमान्य कर दिया। इसके बाद भी लिएंड्रो ट्रोसार्ड और मेरिनो जैसे खिलाड़ियों ने मौके बनाए, लेकिन डोनारुम्मा दीवार बनकर खड़े रहे। मैच के अंतिम समय में पीएसजी ने गति धीमी कर खेल को नियंत्रण में रखा। हालांकि, ब्रैडली बारकोला और गोंकालो रामोस के पास बढ़त को दोगुना करने के मौके थे। लेकिन बारकोला का शॉट लक्ष्य से बाहर चला गया और रामोस की कोशिश क्रॉसबार से टकरा गई।

त्रिकोणीय सीरीजः स्नेह राणा की घातक गेंदबाजी से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

एजेंसी

कोलंबो। भारत ने महिला त्रिकोणीय एकदिनी श्रृंखला के एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से शिकस्त दी। इस जीत की नायिका रहीं स्पिनर स्नेह राणा, जिन्होंने अपने वनडे करियर का पहला पांच विकेट हॉल लेते हुए मैच का रुख पलट दिया। उन्हें उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपनी दूसरी लगातार जीत दर्ज की। इससे पहले उसने श्रीलंका को हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने प्रतिका रावल (78 रन, 91 गेंद) की अर्धशतकीय पारी और हरमनप्रीत कौर (नाबाद 41) की संयमित बल्लेबाजी के दम पर 276 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। मंधाना (36), जेमिमा (41), हरलीन (29) और ऋचा घोष (24) ने भी अहम योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए मलाबा ने दो विकेट चटकाए। जबकि अयाबोंगा खाका, मसाबता क्लास, नोंदुमिसो शंगासे (?) और डर्कसेन को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत शानदार रही। ताजमिन ब्रिट्स (109) और कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (43) ने पहले विकेट के लिए 140 रन जोड़कर भारत को दबाव में डाल दिया। लेकिन स्पिनरों की वापसी ने खेल का नक्शा बदल दिया। दीप्ति शर्मा ने वोल्वार्ड्ट को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई, जिसके बाद स्नेह राणा ने लगातार विकेट निकालकर दक्षिण अफ्रीकी पारी को बिखेर दिया। 48वें ओवर में राणा ने तीन रन देकर तीन विकेट झटके।

ग्रैंड चेस टूर, पोलैंड ब्लिट्ज 2025: प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर, फेडोसेव शीर्ष पर कायम

एजेंसी

वारसॉ (पोलैंड)। ग्रैंड चेस टूर 2025 के सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में ब्लिट्ज सेगमेंट के पहले दिन रूस के ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टॉप पोजिशन पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। वहीं भारत के आर. प्रज्ञानानंद और अरविंद चिथांबरम के लिए यह दिन मिले-जुले नतीजों वाला रहा।

फेडोसेव का अपराजेय अभियान जारी

रैपिड सेक्शन में भी दमदार खेल दिखा चुके फेडोसेव ने ब्लिट्ज के नौ राउंड में एक भी मुकाबला नहीं हारा। मौजूदा यूरोपीय चैंपियन (रैपिड और चेस960 दोनों फॉर्मेट में) फेडोसेव अब 19 अंकों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं।

प्रज्ञानानंद की छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंचे

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने ब्लिट्ज में चार

मुकाबले जीते जबकि तीन में हार का सामना करना पड़ा। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने कुल स्कोर में बढ़त बनाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अब निगाहें 30 अप्रैल को होने वाले अंतिम नौ राउंड पर टिकी हैं कि क्या युवा खिलाड़ी फेडोसेव की बढ़त को पार पाएंगे।

चिथांबरम की लड़खड़ाती शुरुआत, तीसरे स्थान पर खिसके

अरविंद चिथांबरम ब्लिट्ज राउंड में फॉर्म में नजर नहीं आए। उन्होंने केवल दो मुकाबले जीते जबकि चार में उन्हें हार झेलनी पड़ी। हालांकि रैपिड सेगमेंट में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के चलते वह अब भी मैक्सिम वचियर-लाग्रेव और लेवोन अरोनियन के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं।

टूर्नामेंट का फॉर्मेट और लोकेशन

सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज पोलैंड टूर्नामेंट में पहले सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड सेक्शन खेला गया, जिसके बाद डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज सेगमेंट जारी है। ब्लिट्ज में 5+2 टाइम कंट्रोल रखा गया है और हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक तथा हार पर 0 अंक मिलते हैं। टूर्नामेंट वारसॉ स्थित म्यूजियम ऑफ द हिस्ट्री ऑफ पोलिश ज्यूज में खेला जा रहा है।

विराट मेरी जिंदगी में आने वाला सबसे शांत इंसान है : अनुष्का शर्मा

नई दिल्ली। अनुष्का शर्मा ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपनी निजी जिंदगी और विराट से रिश्ते पर बातचीत की है। उन्होंने पति के साथ रिश्ते की बारीकियों को साझा किया। अनुष्का ने अपनी शादी को अपने सबसे अच्छे दोस्त और विश्वासपात्र के साथ बंधन बताया। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसे इंसान से शादी की है, जिसे मैं सिर्फ इसलिए प्यार करती हूं क्योंकि वह जैसा है, वैसा ही है। उनका रिश्ता आपसी सम्मान और समझ पर टिका है, जो उनके व्यस्त करियर के बीच एक ठहराव देता है। विराट की मैदान पर आक्रामक छवि के बारे में बात करते हुए अनुष्का ने कहा कि वह मैदान के बाहर सबसे शांत इंसान हैं। मैं उन्हें देखती हूं और सोचती हूं, 'तुम कितने शांत हो।' वह मेरे जानने वाले सबसे शांत व्यक्तियों में से एक हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की हार पर बोले विप्रज निगम - गलत शॉट चयन से मैच फिसल गया

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) के एक अहम मुकाबले में मंगलवार रात दिल्ली कैपिटल्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के हाथों 14 रन से हार का सामना करना पड़ा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 204 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 190 रन ही बना सकी। फाफ डु प्लेसिस (62 रन, 45 गेंद), कप्तान अक्षर पटेल (43 रन, 23 गेंद) और युवा बल्लेबाज विप्रज निगम (38 रन, 19 गेंद) ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में विप्रज निगम ने कहा, हमारी योजना शुरू से यही थी कि हम उनके दो मुख्य स्पिनर्स को टारगेट करें और हमने वैसा ही किया। लेकिन कुछ मौकों पर शॉट सिलेक्शन सही नहीं रहा और वहीं से मैच हमारे हाथ से फिसला। जब विप्रज से पूछा गया कि

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला क्यों लिया गया, तो उन्होंने बताया, हमें उम्मीद थी कि बाद में ओस गिरेगी जिससे बल्लेबाजी आसान हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छा था। पहले पारी में 200+ और दूसरी में 190 रन बने, जिससे साफ है कि यह एक बैटिंग फ्रेंडली पिच थी। अपने अब तक के आईपीएल सफर पर बात करते हुए विप्रज ने कहा, क्रिकेट एक सफर है जिसमें उतार-चढ़ाव आते हैं। सबसे जरूरी है आपका माइंडसेट और टीम का माहौल। मुझे अक्षर भैया, केएल भैया और बाकी सीनियर खिलाड़ियों से हमेशा सहयोग मिला है। कुलदीप यादव से अपनी दोस्ती पर उन्होंने कहा, हम डोमेस्टिक क्रिकेट में एक साथ खेलते हैं, इसलिए हमारी अच्छी बॉन्डिंग है। आईपीएल से पहले भी हमने काफी बातचीत की थी, और उन्हें टीम में पाकर अच्छा लगता है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स इस समय अंक तालिका में चौथे स्थान पर है और अब टीम अगला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी, जिसमें जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में वापसी की कोशिश करेगी।

प्रभसिमरन को याद आई सचिन की सलाह, बोले- 7 साल हो गए और...

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 2014 के बाद पहली बार प्ले-ऑफ में जगह बनाने की अपनी टीम की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि टीम श्रेयस अय्यर-रिकी पोंटिंग के दौर में 'अलग तरह' की क्रिकेट खेल रही है। कप्तान अय्यर और मुख्य कोच पोंटिंग दोनों ही पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले सत्र के मध्य में हैं, लेकिन प्रभसिमरन 2019 से ही टीम से जुड़े हुए हैं। पंजाब किंग्स में अपने लंबे कार्यकाल में कई कप्तानों और कोचों के साथ खेलने वाले प्रभसिमरन को लगता है कि अय्यर और पोंटिंग की जोड़ी टीम में काफी नयापन लेकर आयी है।

उन्होंने कहा कि पंजाब किंग्स के साथ मुझे सात साल हो गए हैं। उन्होंने जाहिर तौर पर मेरा बहुत साथ दिया

है। आप कह सकते हैं कि इस साल हम बहुत अलग तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं और मुझे लगता है कि हम ज्यादातर समय हावी रहते हैं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि दुर्भाग्य से, पिछले मैच (केकेआर के खिलाफ) में बारिश हो गई हुई लेकिन हमारी टीम के लिए क्वालिफिकेशन (प्लेऑफ में) की संभावना अभी भी बहुत अधिक है। हम क्वालीफाई करते हैं, तो हम ट्रॉफी की ओर देखेंगे। टीम ने इतने सालों में मुझ पर भरोसा किया है, अब उन्हें कुछ वापस देने की मेरी बारी है। प्रभसिमरन उन दो खिलाड़ियों में से एक थे जिन्हें फ्रेंचाइजी ने मेगा नीलामी से पहले रिटेन किया था। फ्रेंचाइजी ने उनके अलावा शशांक सिंह को रिटेन किया था। उन्होंने महान सचिन तेंदुलकर से मिली सलाह को याद करते हुए अपने खेल में सुधार का श्रेय उन्हें भी दिया। पंजाब के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि सचिन सर ने कहा था कि मैं ज्यादा बाहर (अंतिम एकादश से बाहर) नहीं बैठा था। लेकिन मैं फिर भी तुमसे कहना चाहूंगा कि तुम अगर इतनी दूर आ गए हो तो यह देखो की यहां से क्या सीख सकते हो। इस 24 साल के सलामी बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने जब मेरे दिमाग में यह बात डाली, तो मैं सोचता था कि अगर अगर इस मैच में मौका नहीं मिला तो अगले मैच में मिलेगा।

पंजाब किंग्स में अपने लंबे कार्यकाल में कई कप्तानों और कोचों के साथ खेलने वाले प्रभसिमरन को लगता है कि अय्यर और पोंटिंग की जोड़ी टीम में काफी नयापन लेकर आयी है।

मंदिरों की नगरी वृन्दावन

मथुरा से 15 किमी की दूरी पर वृन्दावन में भव्य एवं सुन्दर मंदिरों की बड़ी श्रृंखला इसे मंदिरों की नगरी बना देती है। मुख्य बाजार में बांके बिहारी जी का मंदिर सबसे अधिक लोकप्रिय है। यहां दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित ''गोविन्द देव मंदिर'' तथा उत्तर शैली में बना ''रंगजी मंदिर'' एवं कृष्ण–बलराम के मंदिर भी दर्शनीय है। वृन्दा तुलसी को कहा जाता है और यहां तुलसी के पौधे अधिक होने के कारण इस स्थान का नाम वृन्दावन रखा गया। मान्यता यह भी है कि वृन्दा कृष्ण प्रिय राधा के सोलह नामों में एक है। बृजमण्डल की 84 कोसी परिक्रमा में वृन्दावन सबसे महत्वपूर्ण है।

बांके बिहारी जी का मंदिर

बादामी रंग के पत्थरों एवं रजत स्तम्भों पर बना कारीगरी पूर्ण बांके बिहारी जी के मंदिर का निर्माण संगीत सम्राट तानसेन के गुरु स्वामी हरिदास ने करवाया था। जहां फूलों एवं बैंडबाजे के साथ प्रतिदिन आरती की जाती है जिसका दृश्य दर्शनीय होता है। मंदिर में दर्शन वैष्णव परम्परानुसार पर्दे में होते हैं। मंदिर भक्तगणों के दर्शन के लिए प्रातः 9 से 12 बजे तक एवं सायं 6 से 9 बजे तक मंदिर खुला रहता है।

निधीवन

यह एक ऐसा वन है जहां के पेड़ पूरे वर्ष हरे–भरे रहते हैं। यहां तानसेन के गुरु संत हरिदास ने अपने भजन से राधा–कृष्ण के युगल रूप को साक्षात प्रकट किया था। यहां कृष्ण और राधा विहार करने आते थे। यहीं पर स्वामी जी की समाधि भी बनी है। जनश्रुति है कि मंदिर कक्ष में कृष्ण–राधा की शैय्या लगा दी जाती है तथा राधा जी का श्रृंगार सामान रख कर बन्द कर दिया जाता है। जब प्रातः देखते हैं तो सारा सामान अस्त–व्यस्त मिलता है। मान्यता है कि रात्रि में राधा–कृष्ण आकर इस सामान का उपयोग करते हैं।

श्री शाह मंदिर

निधीवन के समीप करीब 150 वर्ष प्राचीन श्री शाह का मंदिर बना है। सात टेढ़े–मेढ़े खम्भों पर बने इस मंदिर का निर्माण शाह बिहारी ने करवाया था। संगमरमर एवं रंगीन पत्थरों की शिल्प कला देखते ही बनती है। परिसर में कलात्मक फव्वारे भी लगाये गये हैं। मंदिर के फर्श पर पावों के निशान एवं इन पर बनी कलाकृतियां सुन्दर प्रतीत होती हैं। शिखर एवं दीवारों पर आकर्षक मूर्तियां बनाई गई हैं।

श्री रंगनाथ मंदिर

दक्षिणी एवं उत्तरी शैली में सोने के खम्भों वाले इस मंदिर का निर्माण सेठ गोविन्द दास एवं राधा कृष्ण ने 1828 ई में करवाया था। मंदिर का प्रवेश द्वार राजस्थानी शैली में निर्मित है। सात परकोटों वाला यह मंदिर एक किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। मंदिर प्रांगण में 500 किलोग्राम सोने से बना 60 फीट ऊंचा सोने का गरुड़ स्तम्भ है। प्रवेश द्वार पर भी सोने के 19 कलश बनाये गये हैं। अद्वितीय वास्तुकला से सुसज्जित मंदिर का मुख्य आकर्षण है श्रीरंगनाथ जी। चाँदी व सोने का सिंहासन, पालकी एवं चंदन का विशाल रथ दर्शनीय है। मंदिर परिसर में एक जलकुण्ड बना है। बताया जाता है कि यहां कृष्ण ने गजेन्द्र हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़वाया था।

वृन्दावन के अन्य मंदिरों में श्री राधा मोहन मंदिर, कालीदह, सेवाकुंज, अहिल्या टीला, ब्रह्म कुण्ड, श्रृंगारवट, चीर घाट, गोविन्द देव मंदिर, काँच का मंदिर, गोपेश्वर मंदिर एवं सवा मन सालिग्राम मंदिर आदि भी दर्शनीय हैं।

वैकुंठ धाम कहां और कैसा है

वैकुण्ठ का शाब्दिक अर्थ है– जहां कुंठा न हो। कुंठा यानी निष्क्रियता, अकर्मण्यता, निराशा, हताशा, आलस्य और दरिद्रता। इसका मतलब यह हुआ कि वैकुण्ठ धाम ऐसा स्थान है जहां कर्महीनता नहीं है, निष्क्रियता नहीं है। कहते हैं कि मरने के बाद पुण्य कर्म करने वाले लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। हालांकि वेद यह नहीं कहते हैं कि मरने के बाद लोग स्वर्ग या वैकुंठ जाते हैं। वेदों में मरने के बाद की गतियों के बारे में उल्लेख मिलता है और मोक्ष क्या होता है इस पर ही ज्यादा चर्चा है। खैर, हम आपको पुराणों की धारणा अनुसार बताना चाहेंगे कि वैकुंठ धाम कहां है और वह कैसा है।

वैकुंठ धाम कहां है?

हिन्दू धर्म के अनुसार कैलाश पर महादेव, ब्रह्मलोक में ब्रह्मदेव बसते हैं। उसी तरह भगवान विष्णु का निवास वैकुंठ में बताया गया है। वैकुंठ लोक की स्थिति तीन जगह बताई गई है। धरती पर, समुद्र में और स्वर्ग के ऊपर। वैकुंठ को विष्णुलोक और वैकुंठ सागर भी कहते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के बाद इसे गोलोक भी कहने लगे। चूंकि श्रीकृष्ण और विष्णु एक ही हैं इसीलिए श्रीकृष्ण के निवास स्थान को भी वैकुंठ कहा जाता है।

पहला वैकुंठ धाम

धरती पर बद्रीनाथ, जगन्नाथ और द्वारिकापुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। चारों धामों में सर्वश्रेष्ठ हिन्दुओं का सबसे पावन तीर्थ बद्रीनाथ, नर और नारायण पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा, अलकनंदा नदी के बाएं तट पर नीलकंठ पर्वत श्रृंखला की पृष्ठभूमि पर स्थित है। भारत के उत्तर में स्थित यह मंदिर भगवान विष्णु का दरबार माना जाता है।

बद्रीनाथ धाम में सनातन धर्म के सर्वश्रेष्ठ आराध्य देव श्री बद्रीनारायण भगवान के 5 स्वरूपों की पूजा–अर्चना होती है। विष्णु के इन 5 रूपों को 'पंच बद्री' के नाम से जाना जाता है। श्री विशाल बद्री, श्री योगध्यान बद्री, श्री भविष्य बद्री, श्री वृद्ध बद्री और श्री आदि बद्री। बद्रीनाथ के अलावा द्वारिका और जगन्नाथपुरी को भी वैकुंठ धाम कहा जाता है। कहते हैं कि सतयुग में बद्रीनाथ धाम की स्थापना नारायण ने की थी। त्रेतायुग में रामेश्वरम की स्थापना स्वयं भगवान श्रीराम ने की थी। द्वापर युग में द्वारिकाधाम की स्थापना योगेश्वर श्रीकृष्ण ने की और कलयुग में जगन्नाथ धाम को ही वैकुंठ कहा जाता है। पुराणों में धरती के वैकुंठ के नाम से अंकित जगन्नाथ पुरी का मंदिर समस्त दुनिया में प्रसिद्ध है। ब्रह्म और स्कन्द पुराण के अनुसार पुरी में भगवान विष्णु ने पुरुषोत्तम नीलमाधव के रूप में अवतार लिया था।

दूसरा वैकुंठ धाम

दूसरे वैकुंठ की स्थिति धरती के बाहर बताई गई है। इसे ब्रह्मांड से बाहर और तीनों लोकों से ऊपर बताया गया है। यह धाम दिखाई देने वाली प्रकृति से 3 गुना बड़ा है। इसकी देखरेख के लिए भगवान के 96 करोड़ पार्षद तैनात हैं। हमारी प्रकृति से मुक्त होने वाली हर जीवात्मा इसी परमधाम में शंख, चक्र, गदा और पद्म के साथ प्रविष्ट होती है। वहां से वह जीवात्मा फिर कभी भी वापस नहीं होती। यहां श्रीविष्णु अपनी 4 पटरानियों श्रीदेवी, भूदेवी, नीला और महालक्ष्मी के साथ निवास करते हैं।

इसी वैकुंठ के बारे में कहा जाता है कि मरने के बाद विष्णु भक्त पुण्यात्मा यहां पहुंच जाती है। पुराणों के अनुसार इस वैकुंठ की स्थिति हमारे ब्रह्मांड के परे है। जीवात्मा जब उस वैकुंठ की यात्रा करती है, तो उसको विदा देने के लिए मार्ग में समय के देवता, प्रहर के देवता, दिवस के देवता, रात्रि के देवता, दिन के देवता, घड़ी के देवता, नक्षत्रों के देवता, माह के देवता, मौसम के देवता, पक्ष के देवता, उत्तरायण के देवता, दक्षिणायन के देवता सभी तलों (अतल, सुतल, पाताल आदि) के देवता, सभी 33 कोटि के देवता पहले उसे पुनः किसी योनि में धकेलने का प्रयास करते हैं या वैकुंठ जाने देने से रोकते हैं। लेकिन जो जीवात्मा प्रभु श्रीविष्णु की शरणागति होता है उसको ये सभी एकपाद विभूति के अंतिम सीमा तक जाते हैं और त्रिपाद विभूति के बाहर प्रवाहित होने वाली विरजा नदी के तट पर छोड़ देते हैं।

इसी एकपाद विभूति में हमारा संपूर्ण ब्रह्मांड और सारे लोक अवस्थित हैं। इस एकपाद विभूति की सीमा के बाद शुरू होता है वैकुंठ धाम। पौराणिक मान्यता है कि इसी वैकुंठ धाम और एकपाद विभूति के मध्य विरजा नामक एक नदी बहती है। इस नदी से ही त्रिपाद विभूति शुरू होती है, जो वैकुंठ लोक है। मुक्त होने वाली जीवात्मा को जब सभी देवता विरजा नदी तक छोड़कर जाते हैं तब वह जीवात्मा नदी में डुबकी लगाकर उस पार चली जाती है। उस पार से पार्षदगण उसको सीधे श्रीहरि विष्णु के पास ले जाते हैं। वहां वह उनके दर्शन करके परम आनंद को प्राप्त करता है। इस प्रकार त्रिपाद विभूति में ही वह जीवात्मा सदा के लिए स्थापित हो जाती है। पुराणों में इस वैकुंठ धाम का बड़ा ही रोचक चित्रण किया गया है।

'हे अर्जुन! अव्यक्त 'अक्षर' इस नाम से कहा गया है, उसी अक्षर नामक अव्यक्त भाव को परमगति कहते हैं तथा जिस सनातन अव्यक्त भाव को प्राप्त होकर मनुष्य वापस नहीं आते, वह मेरा परम धाम है।।' – गीता अध्याय 8, श्लोक 21।।

तीसरा वैकुंठ धाम

भगवान श्रीकृष्ण ने द्वारिका के बाद एक और नगर बसाया था जिसे वैकुंठ कहा जाता था। कुछ इतिहासकारों के मुताबिक अरावली की पहाड़ी श्रृंखला पर कहीं वैकुंठ धाम बसाया गया था, जहां इंसान नहीं, सिर्फ साधक ही रहते थे। भारत की भौगोलिक संरचना में अरावली प्राचीनतम पर्वत है। भू–शास्त्र के अनुसार भारत का सबसे प्राचीन पर्वत अरावली का पर्वत है। माना जाता है कि यहीं पर श्रीकृष्ण ने वैकुंठ नगरी बसाई थी। राजस्थान में यह पहाड़ नैऋत्य दिशा से चलता हुआ ईशान दिशा में करीब दिल्ली तक पहुंचा है। अरावली या 'अर्वली' उत्तर भारतीय पर्वतमाला है। राजस्थान राज्य के पूर्वोत्तर क्षेत्र से गुजरती 560 किलोमीटर लंबी इस पर्वतमाला की कुछ चट्टानी पहाड़ियां दिल्ली के दक्षिण हिस्से तक चली गई हैं। अगर गुजरात के किनारे अर्बुद या माउंट आबू का पहाड़ उसका एक सिरा है तो दिल्ली के पास की छोटी–छोटी पहाड़ियां धीरज दूसरा सिरा।

वैकुंठ और परमधाम में अंतर

परमधाम– कहते हैं कि परमधाम में जाने के बाद जीवात्मा सदा के लिए जीवन और मरण के चक्र से मुक्त हो जाती है। यह धाम सबसे ऊपर अर्थात सर्वोच्च है। यहां निरंतर अक्षय सुख की अनुभूति होती रहती है। यह धाम स्वयं प्रकाशित है। यहां न सुख है और न दुख, यहां बस परम आंनद ही है।

वैकुंठ धाम – मान्यता है कि इस धाम में जीवात्मा कुछ काल के लिए आनंद और सुख को प्राप्त करती है, लेकिन सुख भोगने के बाद उसे पुनः मृत्युलोक में आना होता है। इस स्थान को स्वर्ग से ऊपर बताया गया है। वैकुंठ के ऊपर कैलाश पर्वत है। वैकुंठ को सूर्य और चन्द्र प्रकाशित करते हैं। यहां गौर करें तो यह विष्णु का बद्रीनाथ धाम हो सकता है। हिन्दू धर्म के अनुसार भगवान श्रीविष्णु के धाम को वैकुंठ धाम कहा जाता है। आपने चार धामों के नाम तो सुने ही होंगे– बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम। इसमें से बद्रीनाथ धाम भगवान विष्णु का धाम है। मान्यता के अनुसार इसे भी वैकुंठ कहा जाता है। यह जगतपालक भगवान विष्णु का वास होकर पुण्य, सुख और शांति का लोक है।

'हे अर्जुन! जिस परम पद को प्राप्त होकर मनुष्य लौटकर संसार में नहीं आते, उस स्वयं प्रकाश परम पद को न सूर्य प्रकाशित कर सकता है, न चन्द्रमा और न अग्नि ही, वही मेरा परम धाम है।।' – गीता अध्याय 15, श्लोक 6।।

'हे अर्जुन! ब्रह्मलोक सहित सभी लोक पुनरावर्ती हैं, परन्तु हे कुंतीपुत्र! मुझको प्राप्त होकर पुनर्जन्म नहीं होता, क्योंकि मैं कालातीत हूं और ये सब ब्रह्मादि के लोक काल द्वारा सीमित होने से अनित्य हैं।।' – गीता अध्याय 8, श्लोक 16।।

प्रभु श्रीराम के धनुष कोदंड की खासियत

कोदंड : एक बार समुद्र पार करने का जब कोई मार्ग नहीं समझ में आया तो भगवान श्रीराम ने समुद्र को अपने तीर से सुखाने की सोची और उन्होंने तरकश से अपना तीर निकाला ही था और प्रत्यंचा पर चढ़ाया ही था कि समुद्र के देवता वरुणदेव प्रकट हो गए और उनसे प्रार्थना करने लगे थे। बहुत अनुनय–विनय के बाद राम ने अपना तीर तरकश में रख लिया। भगवान श्रीराम को सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर माना जाता है। हालांकि उन्होंने अपने धनुष और बाण का उपयोग बहुत मुश्किल वक्त में ही किया। उनके धनुष बाण को कोदंड कहा जाता था।

दोखि राम रिपु दल चलि आवा।
बिहसी कठिन कोदण्ड चढ़ावा।।

अर्थात शत्रुओं की सेना को निकट आते देखकर श्रीरामचंद्रजी ने हंसकर कठिन धनुष कोदंड को चढ़ाया।

बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि भगवान राम के धनुष का नाम कोदंड था इसीलिए प्रभु श्रीराम को कोदंड कहा जाता था। कोदंड का अर्थ होता है बांस से निर्मित। कोदंड एक चमत्कारिक धनुष था जिसे हर कोई धारण नहीं कर सकता था। कोदंड नाम से भिलाई में एक राम मंदिर भी है जिसे 'कोदंड रामालयम मंदिर' कहा जाता है। भगवान श्रीराम ने दंडकारण्य में 10 वर्ष से अधिक समय तक भील, वनवासी और आदिवासियों के बीच रहकर उनकी सेवा की थी।

कोदंड की खासियत : कोदंड एक ऐसा धनुष था जिसका छोड़ा गया बाण लक्ष्य को भेदकर ही वापस आता था। एक बार की बात है कि देवराज इन्द्र के पुत्र जयंत ने श्रीराम की शक्ति को चुनौती देने के उद्देश्य से अहंकारवश कौवे का रूप धारण किया और सीताजी को पैर में चोंच मारकर लहू बहाकर भागने लगा। तुलसीदासजी लिखते हैं कि जैसे मंदबुद्धि चींटी समुद्र की थाह पाना चाहती हो उसी प्रकार से उसका अहंकार बढ़ गया था और इस अहंकार के कारण वह–

।।सीता चरण चोंच हतिभागा।
मूढ़ मंद मति कारन कागा।।

।।चला रुधिर रघुनायक जाना।
सींक धनुष सायक संधाना।।

वह मूढ़ मंदबुद्धि जयंत कौवे के रूप में सीताजी के चरणों में चोंच मारकर भाग गया। जब रक्त बह चला तो रघुनाथजी ने जाना और धनुष पर तीर चढ़ाकर संधान किया। अब तो जयंत जान बचाने के लिए भागने लगा। वह अपना असली रूप धरकर पिता इन्द्र के पास गया, पर इन्द्र ने भी उसे श्रीराम का विरोधी जानकर अपने पास नहीं रखा। तब उसके हृदय में निराशा से भय उत्पन्न हो गया और वह भयभीत होकर भागता फिरा, लेकिन किसी ने भी उसको शरण नहीं दी, क्योंकि रामजी के द्रोही को कौन हाथ लगाए? जब नारदजी ने जयंत को भयभीत और व्याकुल देखा तो उन्होंने कहा कि अब तो तुम्हें प्रभु श्रीराम ही बचा सकते हैं। उन्हीं की शरण में जाओ। तब जयंत ने पुकारकर कहा– हे शरणागत के हितकारी, मेरी रक्षा कीजिए प्रभु श्रीराम।

‘उनका बुरा हाल हो...’, पहलगाम हमले पर छलका दीपिका कक्कड़ का दर्द, कहा - ‘जितना मैंने इस्लाम को समझा....’

पहलगाम हमले के बाद लोगों का गुस्सा शांत होने का नाम नहीं ले रहा है. आतंकी हमले से पहले टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ और शोएब इब्राहिम पहली बार कश्मीर घूमने पहुंचे थे. अपने इस ट्रीप के दौरान दीपिका -शोएब ने कई व्लॉग बनाए, वीडियोज और रील्स भी बनाईं. लेकिन पहलगाम हमले के बाद भी जब दोनों लगातार व्लॉगिंग्स के जरिए कश्मीर पर बात करते रहे थे, तो लोगों ने इन्हें जमकर ट्रोल करना शुरू कर दिया. अब दीपिका ने अपने नए व्लॉग में अपना दुखा जाहिर किया है.

दीपिका की मानें तो जब वो दिल्ली वापस लौट रहे थे, तो उन्हें उसी दौरान इस आंतकी हमले के बारे में पता चला. दीपिका कक्कड़ ने व्लॉग में कहा, 'जब हम ट्रिप पर थे तो मैंने ऐसे ही ऑन एंड ऑफ व्लॉग बनाए हैं क्योंकि मैं ज्यादातर रूहान को अटेंड कर रही थी. उसके बाद पिछले दो-तीन दिनों में तो एक अलग सी मायूसी का तो या सोचने समझने की कपैसिटी नहीं होती, वैसी सिचुएशन थी. क्योंकि जो कुछ भी हुआ हमारे साथ तो ऐसा हुआ कि जिस दिन हम दिल्ली

में लैंड किए हैं, धीरे-धीरे पता चलने लगा पहलगाम में ऐसा अटैक हुआ है.

दिल दहलाने वाला हादसा -दीपिका कक्कड़

दीपिका ने आगे कहा, शुरुआत में मुझे ऐसा लगा कि छोटा-सा कुछ हुआ है, ऐसा लग रहा था. लेकिन जिस तरह से इस सिचुएशन की गंभीरता पता चली है. मतलब इतना भयानक कहूं या दर्दनाक, जो हादसा हुआ है पूरी तरह से हिला कर रख दिया है. दीपिका ने महिलाओं और बच्चों की हालत पर दुख जाहिर किया. एक्ट्रेस ने इस हादसे को दिल दहलाने वाला बताया.

सबका बुरा हाल हो, सबके सामने हो - दीपिका कक्कड़

अपने व्लॉग में दीपिका ने ये भी कहा, मैं तो दिल से दुआ करती हूं कि जिस किसी ने भी ये किया है, एक तो जिन चार लोगों का स्केच सामने आया था वो, और इसके पीछे जो भी लोग हैं उन सबका बुरा हाल हो, इतना बुरा हाल हो, सबके सामने हो. जैसे आज ये बेचारी फैमिली तड़प रही हैं, वैसे ही वो तड़पें. हर एक दर्द को महसूस करें. जितना मैं इस्लाम को समझी हूं, मैं ये चीज पूरे यकीन के साथ कह सकती हूं कि ये कोई ईमान वाला मुसलमान ये काम कर ही नहीं सकता.

मैं मर जाऊं तो मुझे जला देना, किसी को बताना मत... राजकुमार की आखिरी इच्छा ऐसी क्यों थी?

दिवंगत एक्टर राजकुमार काफी मुंहफट स्वभाव के व्यक्ति थे. अमिताभ बच्चन, सलमान खान से लेकर गोविंदा जैसे सुपरस्टार्स तक की उन्होंने मुंह पर बेइज्जती की थी. उनसे जुड़े कई किस्से काफी मशहूर हैं. लेकिन आपको ये बात हैरान कर सकती है कि एक्टर की इच्छा अपने अंतिम संस्कार में किसी को भी बुलाने की नहीं थी. उन्होंने इसकी वजह भी बताई थी जो आपको भी काफी हैरान कर सकती है या सोचने पर भी मजबूर कर सकती है.

राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को पाकिस्तान के लोरलाई में हुआ था. राजकुमार ने अपने करियर में काफी नाम कमाया था. फैंस उनके अभिनय के साथ ही उनकी डायलॉग डिलीवरी के भी दीवाने रहे. लेकिन इस दिग्गज एक्टर के असामयिक निधन से फैंस को बड़ा झटका लगा था. दरअसल राजकुमार को अपने अंतिम दिनों में गले का कैंसर हो गया था. इस बीमारी के चलते उनका 3 जुलाई 1996 को मुंबई में निधन हो गया था.

राजकुमार को हो गया था मौत का आभास

राजकुमार को मौत से ठीक पहले मौत का आभास हो गया था. गले के कैंसर के चलते एक्टर ने महज 70 साल की उम्र में दुनिया छोड़ दी थी. एक दिन उन्होंने परिवार के लोगों को बुलाया और उन्हें सख्त हिदायत दी थी. दिवंगत अभिनेता ने कहा था कि मेरे मरने के बाद किसी को मेरी मौत की खबर मत देना. मुझे जला देना, मेरा अंतिम संस्कार कर देना, इसके बाद ही लोगों को मेरे निधन की खबर देना.

राजकुमार ने क्यों जताई थी ऐसी इच्छा ?

राजकुमार का अंतिम संस्कार कहां और कब हुआ था इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है. उनकी इच्छा के मुताबिक उनकी फैमिली ने उनका अंतिम संस्कार चुपचुप तरीके से कर दिया था. दरअसल वो नहीं चाहते थे कि उनकी मौत के बाद किसी तरह का कोई मजाक या तमाशा बने. उनकी इच्छा थी कि न ही लोग और न ही मीडिया उनके अंतिम संस्कार का हिस्सा बने.

फिल्मों के लिए सब-इंस्पेक्टर की नौकरी छोड़ी

राजकुमार कभी मुंबई पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर नौकरी करते थे. लेकिन किसी ने उन्हें फिल्मों में आने की सलाह दी तो वो नौकरी छोड़कर बॉलीवुड में आ गए. राजकुमार ने अपने करियर में 'मदर इंडिया', 'तिरंगा', 'पैगाम', 'दिल अपना और प्रीत पराई', 'रिश्ते नाते' और 'सौदागर' सहित कई फिल्मों में काम किया था.

सलमान खान की ‘मुझसे शादी करोगी’ का बनेगा सीक्वल, खबर पढ़कर भाईजान के फैंस का दिल टूट जाएगा

सलमान खान ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्हें सालों बाद भी उनके फैंस देखना पसंद करते हैं. ऐसी फिल्मों में एक नाम है 'मुझसे शादी करोगी' का, जो साल 2004 में रिलीज हुई थी. डेविड धवन ने फिल्म को डायरेक्ट किया था और साजिद नाडियाडवाला इस फिल्म के प्रोड्यूसर थे. अब इस फिल्म के सीक्वल बनने की खबर है.

सलमान के साथ फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और अक्षय कुमार भी दिखे थे. हालांकि, सीक्वल की खबर से इन तीनों स्टार्स के फैंस का दिल टूट सकता है. ऐसा इसलिए, क्योंकि सीक्वल बनने की खबर तो है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि ये तीनों सितारे दूसरे पार्ट में नहीं दिखेंगे.

फिल्म की स्क्रिप्ट पर चल रहा है काम

पिंकविला की एक रिपोर्ट की मानें तो साजिद नाडियाडवाला किसी तीन यंग एस्टेब्लिश सितारों के साथ फिल्म बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं.

रिपोर्ट में ये भी कहा गया कि अभी 'मुझसे शादी करोगी 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है. हालांकि, सीक्वल बनाना है या नहीं इसका आखिरी फैसला स्क्रिप्ट तैयार होने के बाद होगा. अगर साजिद को फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई तभी सीक्वल बनेगा. उनका आइडिया तीन स्टार्स के साथ एक कॉमेडी फिल्म बनाने का है.

इन दो फिल्मों के सीक्वल पर भी चल रहा है काम

रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि दो और बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल पर काम चल रहा है. पहली फिल्म है विद्या बालन की 'कहानी', जिसका तीसरा पार्ट बनने वाला है. डायरेक्टर सुजॉय घोष फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम कर रहे हैं, आइडिया सुनकर विद्या भी फिल्म करने को राजी हो गई हैं. फिलहाल वो स्क्रीनप्ले फाइनल होने का इंतजार कर रही हैं.

दूसरा नाम कंगना रनौत की फिल्म 'क्वीन' का है. बताया गया कि इस फिल्म का दूसरा पार्ट हमें आने वाले समय में देखने को मिल सकता है. विकास बहल ने फिल्म के लिए स्क्रिप्ट क्रैक कर लिया है. फिलहाल लोगल टीम फिल्म के टाइटल के राइट्स पर काम कर रही है. अगर सबकुछ सही रहा तो कंगना हमें 'क्वीन 2' दिख सकती हैं.

महेंद्र सिंह धोनी से मिलने गई गुल्की जोशी इस टीवी एक्ट्रेस का हो गया था बुरा हाल, कहा- उस इंसीडेंट ने मुझे हिलाकर रख दिया

गुल्की जोशी टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना पहचाना नाम है. वैसे तो गुल्की कई शो में नजर आ चुकी हैं, लेकिन उनका सबसे फेमस शो नादान परिंदे से इन्हें काफी पॉपुलैरिटी हासिल हुई थी. हालांकि, फेमस शख्स होने के बाद भी एक वक्त ऐसा आया, जिसने एक्ट्रेस को झकझोर कर रख दिया. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपनी जर्नी के बारे में बात की. इसी दौरान उन्होंने इंडियन क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी से भी मिलने का किस्सा शेयर किया.

गुल्की का शो नादान परिंदें काफी फेमस था, जिसकी वजह से उन्हें एक इवेंट में गेस्ट के तौर पर इनवाइट किया गया था. उस इवेंट में उन्हें महेंद्र सिंह धोनी को एक अवॉर्ड देना था. अपनी इस जर्नी को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने उनके साथ हुए एक डरावने हादसे का भी खुलासा किया. उन्होंने बताया कि जब वो इवेंट की लोकेशन पर पहुंचीं, तो लोगों की भीड़ उन पर काफी हावी हो गई थी. उन्होंने बताया कि उस दौरान उन्हें महसूस हुआ कि ये सिर्फ लोगों की एक्साइटमेंट नहीं है.

छेड़छाड़ का था डर

फिल्मी मंत्रा के साथ बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि रांची में वो पहली बार था, जब वो आईपीएल के लिए गई थीं. उन्होंने बताया कि वो इवेंट एक वक्त के बाद काफी खतरनाक साबित हुआ. उन्होंने बताया कि लोगों की भीड़ इस तरह की हो गई थी कि उन्हें फिजिकली तौर पर खतरा महसूस होने लगा था. गुल्की ने बताया कि लोगों के धक्का-मुक्की के बीच उन्हें ऐसा लगा कि उनके साथ छेड़छाड़ भी हो सकती है.

पूरी तरह से सहम गई थीं

हालांकि, एक्ट्रेस को बचाने के लिए उनके सिक्योरिटी गार्ड वहां पहुंच गए और उन्हें घेर लिया. चीजों के कंट्रोल में आने के बाद वो भीड़ में से निकल गई थीं. एक्ट्रेस ने बताया कि वो इस भयानक था कि एक सेफ जगह पर जाने के बाद भी मुझे डर लग रहा था. उस घटना की वजह से एक्ट्रेस पूरी तरह सहम गई थीं. हालांकि, इन सभी के बावजूद एक्ट्रेस का इवेंट काफी अच्छा हुआ. उन्होंने एमएस धोनी के साथ मुलाकात भी की.